खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 15 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-257

कश्मीर में चुनाव के बीच शुरू हुआ विवाह सीजन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 सितम्बर।

कश्मीर में शरद ऋतु के आगमन के साथ ही बहुप्रतीक्षित विवाह सीजन शुरू हो गया है, जिसमें अगले ढाई महीनों में सैकड़ों शादियां होने वाली हैं। श्रीनगर में, सजे-धजे घरों की झलक से सड़कें गुलजार हैं, जो परिवारों को इस खुशी के मौके के लिए तैयार होने का संकेत दे रही हैं। बाजारों में चहल-पहल है, क्योंकि लोग शादी के लिए सूट, सोना और मसाले जैसी जरूरी चीजों की खरीदारी कर रहे हैं, जिससे इस त्यौहार के दौरान स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। श्रीनगर के चहल-पहल भरे बाजारों में खास तौर पर चहल-पहल देखी जा सकती है। लाल चौक के एक स्थानीय दर्जी ने कहा कि शादी के कपड़ों, खास तौर पर पारंपरिक परिधानों की मांग बढ़ गई है। हम आर्डर पूरा करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

ग्रामीण कश्मीर में, नवंबर शादियों के लिए पसंदीदा समय होता है, क्योंकि इस मौसम में पहले से ही फलों की कटाई और चावल काटने जैसी कृषि गतिविधियां ग्रामीणों को व्यस्त कर देती हैं। फसल की कटाई ठीक उसी समय होती है जब परिवार विवाह की तैयारियों पर ध्यान देते हैं, ताकि गांवों में होने वाली शादियां शहरों जैसी ही भव्यता से हो। कश्मीरी शादियों की एक खासियत है, वाजवान नामक भव्य दावत। मांस के विभिन्न व्यंजनों सहित 20 से 30 व्यंजन, वजा नामक पेशेवर शेफ द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार किए जाते हैं, जो रात भर लकड़ी पर खाना पकाते हैं। इन समारोहों के दौरान मांस, विशेष रूप से मटन की खपत बहुत ज्यादा होती है, जिसमें शादी के मेहमानों के लिए सैकड़ों किलो मटन तैयार किया जाता है। खानियार के मोहम्मद असलम, जो वर्तमान में अपनी बेटी की शादी की तैयारी कर रहे हैं, कहते हैं, शादियां सिर्फ एक पारिवारिक समारोह नहीं हैं, बल्कि यहां एक सामुदायिक समारोह हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार के विवाह हाल की बदौलत, हमें जगह की समस्या के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। यह बहुत बड़ी राहत है, खासकर हमारे जैसे परिवारों के लिए, जहां घर पर मेहमानों को ठहराना एक चुनौती है। कश्मीर में सरकार द्वारा निर्मित विवाह हाल की शुरुआत ने जगह की कमी से जूझ रहे परिवारों के लिए एक बहुत जरूरी समाधान प्रदान किया है। हालांकि, इन हाल की बढ़ती लोकप्रियता ने मांग को बढ़ा दिया है, कई परिवार और अधिक सुविधाओं के निर्माण की मांग कर रहे हैं। असलम ने कहा कि सरकार को और अधिक विवाह हाल बनाने चाहिए ताकि सभी को लाभ मिल सके। इन सुविधाओं ने बड़े समारोहों की मेजबानी को बहुत आसान बना दिया है, और हमें पूरे क्षेत्र में इनकी और जरूरत है।

परिवारों के अलावा, कश्मीर का विवाह सीजन स्थानीय विक्रेताओं, डेकोरेटर और कैटरर्स के लिए भी महत्वपूर्ण आर्थिक अवसर प्रदान करता है। आयोजन स्थलों को सपनों जैसी जगहों में बदलने के लिए डेकोरेटर की बहुत अधिक मांग है, जबकि शेफ इस अवधि के दौरान अपनी वार्षिक आय का एक बड़ा हिस्सा कमाते हैं। एक स्थानीय वाजा ने कहा कि शादियां हमारे लिए जीवन रेखा हैं। हमें अपना अधिकांश व्यवसाय इसी मौसम में मिलता है, और यह हमें पूरे साल भर बनाए रखता है। स्थानीय डेकोरेटर में से एक का कहना था। श्रीनगर के नौहट्टा क्षेत्र के एक स्थानीय कसाई नासिर का कहना था कि शादियों के दौरान मांस की मांग बहुत अधिक होती है। उन्होंने बताया कि हम वाजवान दावत की तैयारी कर रहे परिवारों को हर दिन सैकड़ों किलो मटन बेचते हैं। यह साल का हमारा सबसे व्यस्त समय होता है।

मीट उद्योग के अलावा, ब्यूटी सैलून और ग्रूमिंग पार्लर में भी शादी के मौसम में उछाल देखने को मिलता है। सबसे अच्छा दिखने की चाहत, खास तौर पर दुल्हन और दूल्हे के लिए, बल्कि रिश्तेदारों और मेहमानों के लिए भी, ब्यूटी सेवाओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि करती है। दुल्हनें ब्राइडल मेकअप, जटिल मेहंदी डिजाइन और हेयर स्टाइलिंग के लिए सैलून में आती हैं, ताकि वे अपने खास दिन पर शानदार दिखें।

श्रीनगर में एक लोकप्रिय सैलून के मालिक फिरदौस ने कहा कि अगले दो महीनों के लिए हमारी बुकिंग फुल है। हमारे पास दुल्हन, दूल्हे और यहां तक कि शादी में आए मेहमान भी मेकओवर, हेयर ट्रीटमेंट और फेशियल के लिए आते हैं। शादी का मौसम सिर्फ जोड़े के लिए ही नहीं होता, बल्कि शादी में शामिल होने वाले सभी लोग सबसे अच्छा दिखना चाहते हैं। सैलून और ग्रूमिंग सेंटर, जिनमें से कई पारंपरिक कश्मीरी ब्राइडल मेकअप की पेशकश करते हैं, अक्सर दूल्हे के पक्ष को भी अपनी सेवाएं देते हैं। बाल कटाने, दाढ़ी स्टाइलिंग और त्वचा उपचार सहित विशेष ग्रूमिंग पैकेज, दूल्हे और उसके परिवार के सदस्यों के लिए विशेष रूप से तैयार किए जाते हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर शाकाहारी लंगर का छद्म

वक्फ विधेयक पर मुस्लिमों को भड़का रहा सरवर चिश्ती

अजमेर, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर अजमेर दरगाह ने शाकाहारी लंगर का ऐलान किया है। जबकि इसी दरगाह के अंजुमन कमेटी का सदस्य सरवर चिश्ती वक्फ बिल पर मुस्लिमों को भड़का रहा है। उसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल है। इसमें वह वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के विरोध में सड़कों पर उतरने के लिए मुस्लिम समुदाय को उकसा रहा है।

वीडियो में चिश्ती कहता है, यह शर्म की बात है कि हमारी इज्जत खतरे में है। हमारे घरों पर बुलडोज़र चलाए जा रहे हैं, भीड़ हमें मार रही है, मस्जिदों, दरगाहों और मजारों को तोड़ा जा रहा है। चिश्ती ने सरकार द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को लाने पर भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि मुसलमानों को इस बिल के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। सरवर चिश्ती ने कहा, हम मुसलमानों से कह रहे हैं कि क्यूआर कोड को स्कैन करें और इस विधेयक को खारिज करने की मुहिम में शामिल हों। 10 सितंबर तक सिर्फ 40 लाख मुसलमानों ने क्यूआर कोड स्कैन किया है।

चिश्ती ने मुस्लिम समुदाय से अपील की, तुम सो क्यों रहे हो, मियां? तुम्हें जल्दी सड़कों पर उतरना पड़ेगा। तुमने पहले ही बहुत देर कर दी है, बेवजह अन्याय सहन कर रहे हो। अजमेर दरगाह के खादीम ने लोगों को भड़काते हुए यह भी कहा कि जो व्यक्ति अन्याय सहन करता है, वह एक क्रूर व्यक्ति से भी बदतर होता है।

चिश्ती ने कहा, आप एक लोकतांत्रिक देश में रह रहे हैं, कम से कम अपने अधिकारों का उपयोग करो। आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे? उन्होंने मुसलमानों से कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा, मैंने पहले भी यह बात कही है और फिर से दिल से कहना चाहता हूं, किसी को अपना नेता मानो। मैं असदुद्दीन ओवैसी को देखता हूं, जो बहादुरी से मुसलमानों के मुद्दों पर अपनी आवाज उठाते हैं। वीडियो में चिश्ती मौलाना तौकीर रजा और सज्जाद नोमानी जैसे कट्टर इस्लामिक उपदेशकों का समर्थन करता नजर आया, जिन पर भगवा लव ट्रैप साजिश का प्रचार करने का आरोप है।

ये वीडियो उसी दिन का है, जिस दिन अजमेर दरगाह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर शाकाहारी लंगर लगाने की घोषणा की गई थी। अजमेर शरीफ के सैयद अफशां चिश्ती ने बुधवार को कहा था कि शाही देग में सालों से शाकाहारी भोजन तैयार होता आया है और आने वाली 17 सितंबर को इसमें 4,000 किलो शाकाहारी भोजन तैयार होगा, जिसमें शुद्ध चावल और इसके साथ ही घी, मेवे आदि डाले जाएंगे। बाद में इसे गरीबों को बांटा जाएगा। सरवर चिश्ती आतंकी संगठन पीएफआई की भी खुली तारीफ कर चुका है। 2020 में, उसने यह कहते हुए पीएफआई का बचाव किया था कि संगठन भारत के संविधान को बचा रहा है।

अंडमान की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम हुआ श्री विजयपुरम

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजयपुरम कर दिया है। पोर्ट ब्लेयर का चोल साम्राज्य से गहरा नाता रहा है। इसके साथ ही यह वीर सावरकर सहित कई स्वतंत्रता सेनाओं से जुड़ा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, श्री विजयपुरम नाम हमारे स्वाधीनता के संघर्ष और इसमें अंडमान और निकोबार के योगदान को दर्शाता है।

इस द्वीप का हमारे देश की स्वाधीनता और इतिहास में अद्वितीय स्थान रहा है। चोल साम्राज्य में नौसेना अड्डे की भूमिका निभाने वाला यह द्वीप आज देश की सुरक्षा और विकास को गति देने के लिए तैयार है। अमित शाह ने सुभाषचंद्र बोस और विनायक दामोदर सावरकर को भी याद किया। उन्होंने आगे कहा, यह द्वीप नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा सबसे पहले तिरंगा फहराने से लेकर सेलुलर जेल में वीर सावरकर व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के द्वारा मां भारती की स्वाधीनता के लिए संघर्ष का स्थान भी है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का इतिहास भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के साथ-साथ प्राचीन चोल साम्राज्य से भी जुड़ा है। चोल साम्राज्य का यहां एक महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डा हुआ करता था। इस अड्डे से सैन्य संचालन के साथ-साथ समुद्री व्यापार मार्ग के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता था। चोल राजाओं ने यहां से अपने बड़े-बड़े नौसैनिक चलाए थे। इस द्वीप की भौगोलिक एवं रणनीतिक स्थिति के कारण यह आज भी भारतीय उपमहाद्वीप के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। यह आज भी भारतीय सेना और नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक केंद्र बना हुआ है। इसके अलावा, हाल के वर्षों में यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से भी तेजी से उभरा है। ऐसे में इसका महत्वपूर्ण योगदान बन जाता है।

साल 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब अंडमान निकोबार के दौरे पर गए थे तो उन्होंने यहां के तीन द्वीपों के नाम बदलने की घोषणा की थी। उन्होंने हैवलॉक द्वीप का नाम स्वराज द्वीप, नील द्वीप को इसी नाम से और रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र द्वीप कर दिया था।

किसान हितैषी है मोदी सरकार: शिवराज

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसान हितैषी हैं और कृषि तथा किसान कल्याण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

श्री चौहान ने यहां कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के हित में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि किसान हितैषी मोदी सरकार ने किसानों के हित में निर्णय लेते हुए खाद्य तेलों के आयात शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया है। अन्य मदों को जोड़ने पर कुल प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत हो जाएगा। इस कदम से सभी तिलहन किसानों ख़ासतौर से सोयाबीन और मूँगफली के किसानों को अच्छे भाव मिलेंगे जिनकी फसल अभी बाज़ार में आने वाली है। साथ ही रबी में तिलहन की बुवाई में बढ़ोतरी होगी और सरसों की फसल के भी अच्छे दाम मिल पायेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि इस निर्णय से सोया खली का उत्पादन बढ़ेगा और उसका निर्यात हो सकेगा। साथ ही, सोया से जुड़े अन्य क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण के प्रति संवेदनशील मोदी सरकार ने बासमती चावल से न्यूनतम निर्यात शुल्क को हटाने का निर्णय भी लिया है। निर्यात शुल्क के हट जाने से बासमती उत्पादक किसानों को अपनी उपज के उचित दाम मिलेंगे और बासमती चावल की मांग बढ़ने के साथ ही निर्यात में भी वृद्धि होगी। किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार ने रिफाइन ऑयल के लिए मूल शुल्क को 32.5 प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से रिफाइनरी तेल के लिए सरसों, सूरजमुखी और मूंगफली की फसलों की मांग बढेगी। श्री चौहान ने कहा कि किसानों को इन फसलों के बेहतर दाम मिल सकेंगे। साथ ही, छोटे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रिफाइनरी बढ़ने से वहां रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने प्याज के निर्यात शुल्क को 40 प्रतिशत से कम कर 20 प्रतिशत कर दिया है। निर्यात शुल्क के कम हो जाने से प्याज उत्पादक किसानों को प्याज के अच्छे दाम मिलेंगे और प्याज का निर्यात भी बढ़ेगा।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास में बछड़े के जन्म पर जताई खुशी

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

नई दिल्ली के लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास परिसर में एक गाय ने एक बछड़े को जन्म दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने बछड़े के जन्म पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट पर शनिवार को बछड़े का एक वीडियो साझा किया।

श्री मोदी ने कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है - गावः सर्वसुख प्रदाः। लोक कल्याण मार्ग पर प्रधानमंत्री आवास परिवार में एक नए सदस्य का शुभ आगमन हुआ है। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम दीपज्योति रखा है।

हिन्दी की स्वीकार्यता को बढ़ाने की कार्य योजना आगे बढ रही है: शाह

राजभाषा भारती पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का किया लोकार्पण

राजभाषा गौरव तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार भी प्रदान किए

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में तकनीकी शिक्षा सहित समूची शिक्षा प्रणाली और न्यायपालिका में हिन्दी की स्वीकार्यता बढाने की कार्य योजना को आगे बढाया जा रहा है और इसे संघर्ष के साथ नहीं बल्कि साहस के साथ आगे बढाने की जरूरत है।

श्री शाह ने रविवार को यहां राजभाषा हीरक जयंती समारोह और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने राजभाषा हीरक जयंती के अवसर पर विशेष रूप से तैयार किए गए राजभाषा भारती पत्रिका के हीरक जयंती विशेषांक का लोकार्पण किया। इस मौके पर हीरक जयंती को यादगार बनाने के लिए एक स्मारक डाक टिकट और स्मारक सिक्के का लोकार्पण भी किया गया। गृह मंत्री ने राजभाषा गौरव तथा राजभाषा कीर्ति पुरस्कार भी प्रदान किए। उन्होंने भारतीय भाषा अनुभाग का भी शुभारंभ किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, और न्यायपालिका में हिन्दी के इस्तेमाल की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी को संघर्ष के साथ नहीं बल्कि साहसिक स्वीकार्यता के साथ आगे बढ़ाना चाहिए। श्री शाह ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के कई निर्णयों का भी कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड ने आज मेडिकल शिक्षा का संपूर्ण पाठ्यक्रम हिन्दी में तैयार कर लिया है। भारत की लगभग 13 भाषाओं में इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम तैयार होने का काम जारी है और आने वाले दिनों में हिन्दी ही निश्चित रूप से अनुसंधान की भाषा भी बनेगी। उन्होंने कहा कि हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ाने का सरकार का रोडमैप आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने दुनिया के बड़े से बड़े मंच पर विश्वास और गौरव के साथ हिंदी में अपना संबोधन देकर हिंदी की स्वीकृति को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हिंदी संयुक्त राष्ट्र की भाषा बन चुकी है और दस से अधिक देशों की द्वितीय भाषा भी बन चुकी है। हिंदी अब अंतर्राष्ट्रीय भाषा बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

श्री शाह ने कहा कि पिछले 75 साल की यात्रा हिन्दी को राजभाषा के रूप में स्वीकार कर इसके माध्यम से देश की सभी स्थानीय भाषाओं को जोड़ते हुए अपने संस्कार, संस्कृति, भाषाओं, साहित्य, कला और व्याकरण को संरक्षित और संवर्धित करने की यात्रा रही है। उन्होंने कहा कि हिन्दी की 75 वर्षों की यह यात्रा अब अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के अंतिम पड़ाव पर खड़ी है और आज का दिन हिन्दी को संपर्क, जन भाषा, तकनीक और अंतर्राष्ट्रीय भाषा बनाने का दिन है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा, आज भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ हुआ है और हम सब जिस छोटे से बीज के बोए जाने के साक्षी बने हैं, वह आने वाले वर्षों में एक वटवृक्ष बन कर हमारी भाषाओं की सुरक्षा का केन्द्र बनेगा। भारतीय भाषा अनुभाग राजभाषा विभाग का पूरक अनुभाग बनेगा। उन्होंने कहा कि राजभाषा का प्रचार-प्रसार तब तक नहीं हो सकता जब तक हम अपनी सभी स्थानीय भाषाओं को मज़बूत न करें और राजभाषा का इनके साथ संवाद स्थापित न करें।

श्री शाह ने कहा कि हिन्दी और स्थानीय भाषाओं के बीच कभी स्पर्धा नहीं हो सकती क्योंकि हिंदी सभी स्थानीय भाषाओं की सखी है। उन्होंने कहा कि हिन्दी और स्थानीय भाषाएं एक दूसरे की पूरक हैं और इसीलिए भारतीय भाषा अनुभाग के माध्यम से हिन्दी और सभी स्थानीय भाषाओं के बीच संबंध को और मज़बूत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषा अनुभाग हिन्दी के किसी भी लेख, भाषण या पत्र भावानुवाद देश की सभी भाषाओं में करेगा। इसी प्रकार देश की सभी भाषाओं के साहित्य, लेख और भाषणों का अनुवाद हिन्दी में होगा, जो समय की ज़रूरत है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जो स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा को समाहित नहीं करता वो अपनी आने वाली पीढ़ियों को गुलामी से मुक्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि स्वराज की व्याख्या में ही स्वभाषा समाहित है। उन्होंने कहा कि जो देश और जनता अपनी भाषाओं की रक्षा नहीं कर सकते वो अपने इतिहास, साहित्य तथा संस्कार से कट जाते हैं और उनकी आने वाली पीढ़ियां गुलामी की मानसिकता के साथ आगे बढ़ती हैं। श्री शाह ने कहा, यह बहुत ज़रूरी है कि आज़ादी के 75 वर्ष के बाद भी हम आज शिवाजी महाराज के स्वराज, स्वभाषा और स्वधर्म के सिद्धांत पर बल देकर काम करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा पर बल देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बच्चे की अभिव्यक्ति, सोचने, समझने, तर्क, विश्लेषण और निर्णय पर पहुंचने की प्रक्रिया की सबसे सुगम भाषा उसकी मातृभाषा होती है। इसी कारण से प्रधानमंत्री ने मातृभाषा में शिक्षा पर बहुत बल दिया है। गृह मंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत की सभी भाषाओं को मज़बूत करने और राजभाषा को देश की संपर्क भाषा बनाने का दिन है जिसके माध्यम से हम अपनी भाषाओं में अपने देश का कामकाज कर सकें।

NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 15 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-257

विदेशों में भारत के खिलाफ बोलने वाले को जयशंकर ने दी सीख

बड़ा व्यक्तित्व 'खटाखट' नहीं बनता, बड़ी मेहनत करनी पड़ती है

जेनेवा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। विदेशों में जाकर भारत के खिलाफ अनाप शनाप बोलने वाले राहुल गांधी के बारे में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, बड़ा बनने के लिए बड़ा व्यक्तित्व होना जरूरी होता है। उसके लिए बहुत कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। वह खटाखट नहीं होता। जिंदगी की कसौटी खटाखट वाली नहीं होती।

चीन से वस्तुओं के ट्रेड पर अमेरिका में उठाए गए राहुल गांधी के सवालों पर विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने चुटकी लेते हुए कहा, कुछ लोग हमारे चीन से आयात करने पर सवाल उठाते हैं और कहते हैं कि हम चीन से इतना आयात क्यों कर रहे हैं।

जीवन में कई चीजें आवश्यक होती हैं और तनाव से अलग होती हैं। इसके निर्णय खटाखट नहीं लिए जाते। बहुत धैर्य, मेहनत और कर्मठता से जीवन के निर्णय लिए जाते हैं।

विदेश मंत्री जिनेवा में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने बदलते भारत और नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में बताया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया टिप्पणी का संदर्भ लिया। विदेश मंत्री ने राहुल गांधी की टिप्पणियों पर कहा कि 1960, 70, 80 और 90 के दशक के दौरान सरकारों ने विनिर्माण और मैन्युफैक्चरिंग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया था। जब हमने इसका हल खोजने की कोशिश की तो लोगों ने कहा कि हमारे पास किसी तरह का कोई संसाधन नहीं है। इसलिए हम लोगों को कोशिश नहीं करनी चाहिए। लेकिन, मजबूत मैन्युफैक्चरिंग पर किसी तरह का ध्यान नहीं दिया गया तो हम लोग वर्ल्ड पावर कैसे बनेंगे।

वर्ल्ड पावर बनने के लिए हम सभी को कड़ी मेहनत और अच्छी नीतियों की जरूरत होती है। जीवन कड़ी मेहनत है, यह खटाखट नहीं है। देश को कड़ी मेहनत करनी होगी।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के दौरान लोगों को लुभाने के लिए राहुल गांधी ने कहा था कि अगर उनकी पार्टी जीतती है तो देश के प्रत्येक गरीब परिवार की महिलाओं के खाते में खटाखट एक लाख रुपए ट्रांसफर करेगी। इस खटाखट पर विदेश मंत्री ने राहुल गांधी को जिंदगी की सीख दे डाली, अगर वे इसका पालन करें तो उनमें सुधार आ सकता है।

1984 हाइजैक में विमान में सवार थे जयशंकर के पिता

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि 1984 में 7 आतंकियों द्वारा हाईजैक किए गए इंडियन एयरलाइंस के आईसी-421 विमान में उनके पिता के. सुब्रमण्यम भी सवार थे। जयशंकर ने कहा कि उस समय वे एक युवा अधिकारी के रूप में इस घटना से निपटने वाली टीम का हिस्सा थे, लेकिन इस स्थिति की जटिलता यह थी कि उनके पिता भी उस विमान में थे। अगर उस समय खटाखट वाला निर्णय लिया गया होता तो वह घटना वीभत्स रूप ले सकती थी। जयशंकर ने कहा, उस वक्त मैं न सिर्फ इससे निपटने वाली टीम का हिस्सा था, बल्कि उन परिवार के सदस्यों में से भी था, जो सरकार पर दबाव बना रहे थे। यह मेरे जीवन का एक कठिन दौर था, जहां एक तरफ मुझे अपने पिता की चिंता थी और दूसरी तरफ अपने कर्तव्यों का पालन करना था। आईसी 421 विमान को हाईजैक कर लिया गया था और यात्रियों की सुरक्षा के लिए तत्कालीन भारत सरकार को त्वरित कदम उठाने पड़े थे। जयशंकर का इस स्थिति में दोहरी भूमिका निभाना एक भावनात्मक और पेशेवर चुनौती थी।इस घटना के 40 साल बाद जयशंकर ने यह व्यक्तिगत अनुभव साझा किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उनके जीवन और करियर में इस घटना का क्या महत्व था।

जम्मू कश्मीर के डोडा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एक तरफ सत्तालोभी तीन खानदान, दूसरी ओर युवा

जम्मू कश्मीर का भाग्य तय करेगा यह चुनाव

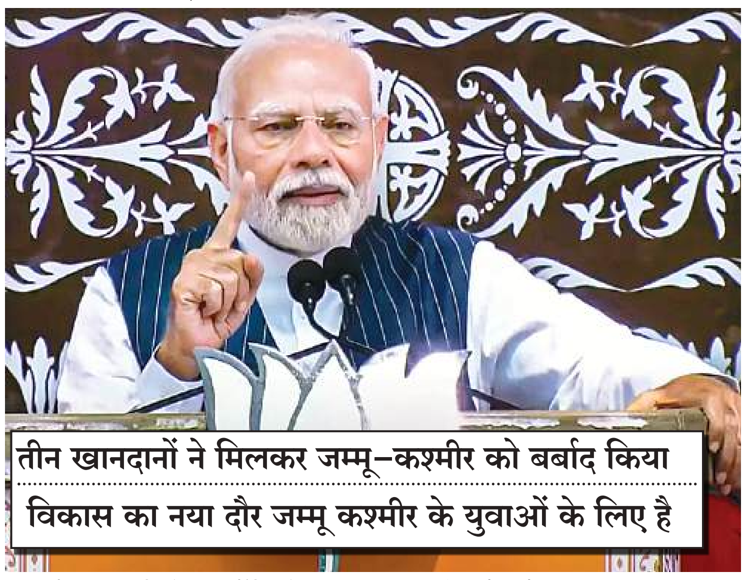

तीन खानदानों ने मिलकर जम्मू-कश्मीर को बर्बाद किया

विकास का नया दौर जम्मू कश्मीर के युवाओं के लिए है

डोडा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जम्मू-कश्मीर के डोडा में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का काम भी भाजपा सरकार ही करेगी। लेकिन आपको ऐसे लोगों से सावधान रहना है, जो अपने स्वार्थ के लिए आपका अधिकार छीनते रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, जम्मू कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव तीन खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। इन तीन खानदानों में से एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है और एक खानदान पीडीपी का है। इन तीन खानदानों ने मिलकर आपके साथ जो किया है, वह किसी पाप से कम नहीं है। ये तीनों खानदान जम्मू-कश्मीर को वर्षों तक बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार हैं। बीते वर्षों में जम्मू कश्मीर में विकास का नया दौर आया है। इसका श्रेय यहां के नौजवानों को ही जाता है। मैं आज जम्मू कश्मीर के युवा को चाहे वह बेटी हो या बेटा हो, उनके जोश और जज्बे को सैल्यूट करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि यहां पंचायत के चुनाव 2000 के बाद नहीं हुए थे, यहां बीडीसी के चुनाव कभी भी नहीं हुए थे। दशकों तक परिवारवाद ने यहां के बच्चों और होनहार नौजवानों को आगे नहीं आने दिया। ▶10पर

बारामूला में तीन आतंकी ढेर, किश्तवाड़ में दो जवान शहीद

जम्मू, 14 सितंबर (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया। इलाके को सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। सघन तलाशी अभियान चल रहा है। उधर, किश्तवाड़ से 45 किलोमीटर दूर छात्रू इलाके में आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान शहीद हो गए। दो अन्य गंभीर रूप से घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर उधमपुर के कमान अस्पताल पहुंचाया गया।

छात्रू इलाके के नायद गांव के ऊपरी इलाके के पिंगनाल दुग्गदा जंगल क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन शाहपुरशाल चलाया था। ▶10पर

कुरुक्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट ऐलान

जब तक मोदी है आरक्षण अक्षुण्ण रहेगा

कुरुक्षेत्र, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी। पीएम मोदी ने जय श्री कृष्ण और राम राम के संबोधन के साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने हरियाणवी अंदाज में कहा, मन्नै इस पवित्र धरती पै आणकै घणा आच्छा लाग रया सै। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। भाजपा को बदनाम करने के लिए उसे भारत को बदनाम करने में शर्म नहीं आ रही है। इसलिए अब कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहना है। आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है। कांग्रेस को अब झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं आती है।

कांग्रेस के पास खटाखट झूठ और लूट के अलावा कुछ भी नहीं

कांग्रेस हर रोज एक नया झूठ बोलती है। कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण ही सबसे बड़ा लक्ष्य है। आज तो हालत ये हो गई है कि कांग्रेस के राज में कर्नाटक में गणपति जी को भी सलाखों के पीछे डाला जा रहा है। पूरा देश आज गणेश उत्सव मना रहा है और कांग्रेस विघ्नहर्ता की पूजा में भी विघ्न डाल रही है। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के पास खटाखट झूठ और लूट के अलावा कुछ भी नहीं है।

पीएम ने कहा कि भारत में सबसे बड़ा दलित, ओबीसी और आदिवासी विरोधी अगर कोई है तो वो कांग्रेस का परिवार है। अभी इन लोगों ने कहा है कि अगर सरकार में आए तो दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। यही इस परिवार की सच्चाई है। ▶10पर

दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय में बोले सीएम योगी

ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ स्वरूप हैं : योगी

गोरखपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के चारों कोनों में आध्यात्मिक पीठों की स्थापना करने वाले आदि शंकर की काशी में की गई साधना के समय भगवान विश्वनाथ द्वारा ली गई परीक्षा के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से आज जिस ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं वह ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ जी ही हैं।

सीएम योगी शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह दो दिवसीय संगोष्ठी गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। दीक्षा भवन में आयोजित कार्यक्रम में

दुर्भाग्य से ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं

मुख्यमंत्री एवं नाथपंथ की अध्यक्षीय पीठ, गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने संतों और ऋषियों की परंपरा को समाज और देश को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए आदि शंकर का विस्तार से उल्लेख किया। कहा कि केरल में जन्मे आदि शंकर ने देश के चारों कोनों में धर्म-अध्यात्म के लिए महत्वपूर्ण पीठों की स्थापना की। आदि शंकर जब अद्वैत ज्ञान से परिपूर्ण होकर काशी आए तो भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेनी चाही। ब्रह्म मुहूर्त में जब आदि शंकर गंगा स्नान के लिए निकले तब भगवान विश्वनाथ ▶10पर

हृदयांजलि

॥ श्री हरिः ॥
॥ श्री हरिः ॥

श्री अक्षय गुप्ता (एडवोकेट)
(सुपुत्र : श्री सुरेन्द्र गुप्ता)

हमारे सामाजिक मित्र श्री सुरेन्द्र गुप्ता के ज्येष्ठ पुत्र श्री अक्षय गुप्ता का आकस्मिक निधन 12 सितम्बर 2024 को हो गया।
समस्त सिमलावाला परिवार परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं वैकुण्ठलोक में स्थान प्रदान करें व समस्त परिजनों को स्वर्गीय से विछोह के शोक को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

* विनम्र *
रमेश अग्रवाल * गिरीश अग्रवाल
गुलज़ारीमल रामचन्द्र सिमलावाले
मनोकामना गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड
मनोकामना चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड
भाग्यनगर (हैदराबाद) तेलंगाना. फोन : +91 98481 12060, +91 97010 08999

TIBCON
CAPACITORS
It's all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: +91 99 12 4444 26
+91 99 48 1234 59

भारत-चीन संबंधों पर विदेश मंत्री के बयान के गहरे निहितार्थ

जयशंकर ने चला कूटनीति का दांव या दिया बड़ा संकेत!

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जेनेवा के सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ गतिरोध पर कूटनीति का बड़ा दांव चला या कोई बड़ा संकेत दिया। इसे लेकर कूटनीतिक समीक्षाएं चल रही हैं। यह तो स्पष्ट है कि डॉ. एस जयशंकर के बयान के गहरे निहितार्थ हैं।

जून 2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच में हुई झड़प के बाद से कूटनीति के मास्टर एस जयशंकर अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मंच से चीन को कोसने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे थे। यह पहली बार है, जब जयशंकर ने कहा है कि लद्दाख क्षेत्र में दोनों देशों के सैनिकों को पीछे ले जाने (डिसइंगेजमेंट) को लेकर 75 प्रतिशत तक की गलतफहमी को दूर कर लिया गया है।

हालांकि, चार साल के प्रयास के बाद अभी भी चीन डेपसांग और डेमचोक से सैनिकों को पीछे ले जाने पर कोई बातचीत नहीं हुई है। दोनों देशों के सीमा के इस पार और उस पार करीब 50-60 हजार सैनिक तैनात हैं। भारत ने टैंक, तोप, यूएवी, हेलीकॉप्टर, फाइटर जेट समेत फ्रंट लाइन के बेड़े को तैनात कर रखा है। इसके बारे में भारतीय विदेश और रक्षा मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक चीन के सैनिक पीछे (अप्रैल 2020 की स्थिति) नहीं जाते, भारत सैनिकों को पीछे ले जाने का जोखिम नहीं उठा सकता। साफ है कि अविश्वास में कुछ तो कमी आई है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने भी पिछले दिनों तक अंतरराष्ट्रीय मंच से भारत और चीन के रिश्ते को असमान्य बताया। चीन पर द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय समझौते, सहमति को तोड़ने का आरोप तक लगाया। ▶10पर

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएं बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाक़ई पसंद करते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें।इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसा अचानक आपके पास अएगा, नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। आज आप अपने दोस्तों से जुड़ी कुछ जानकारियों को जानकर चकित हो सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपना अतिरिक्त समय नि:स्वार्थ सेवा में लगाएं। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी। आपके जीवनसाथी की बेरुख़ी दिन भर आपको उदास रख सकती है। किसी ऐसे शख़्स का फ़ोन आ सकता है जिससे आप बहुत लंबे समय से बात करना चाहते थे। बहुत-सी पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी और आप समय में पीछे लौट जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक व्यायाम और वज़न घटाने की कोशिशें आपके रूप-रंग को निखारने में फ़ायदेमंद साबित होंगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद-ब-ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है। आज भी आपकी मन स्थिति ऐसी ही रह सकती है। आज के दिन बाहर का भोजन आपके पेट की हालात खराब कर सकता है। इसलिए बाहर खाने से आज बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को ख़राब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा। छुट्टी के दिन भी दफ़्तर का काम करने से बुरा और क्या हो सकता है। परन्तु परेशान न हों, क्योंकि काम करके आप अपने अनुभव को और बढ़ा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा। अकेलेपन को अपने ऊपर हावी न होने दें, इससे बेहतर होगा कि आप कहीं घूमने के लिए निकल सकते हैं।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 15 सितंबर 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 06:14 तक
नक्षत्र : श्रवण सायं 06:50 तक
योग : अतिगंड दोपहर 03:13 तक
करण : बव प्रात: 07:33 तक
चन्द्रराशि : मकर उत्तर रात्रि 05:45 तक
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वामन जयंती , श्याम बाबा की बारस , प्रदोष व्रत

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

क्या 2005 के भजनलाल तो नहीं बनेंगे भूपेंद्र हुड्डा?

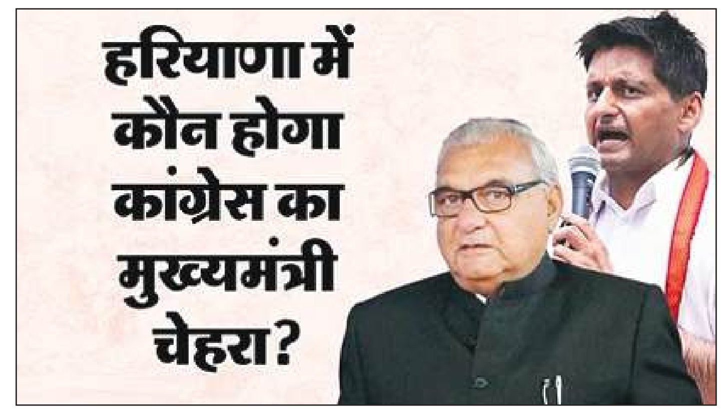

सीएम के चहरे पर कांग्रेस नहीं खोल रही पत्ते, हरियाणा में 2005 वाला खेल संभव

राहुल गांधी में हिम्मत है तो वे दीपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करें : बिप्लब देब

चंडीगढ़, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा के चुनाव में सभी राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। जहां एक तरफ दो बड़े दलों को भितरघात का डर सता रहा है तो दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी, इनेलो, जजपा व बसपा भी कांग्रेस-भाजपा के वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास कर रही हैं। हरियाणा की सियासत में कांग्रेस पार्टी अपने बेहतर प्रदर्शन को लेकर इस बार कुछ ज्यादा ही आशान्वित है। पार्टी के इंटरनल सर्वे की रिपोर्ट और टिकटों का सटीक बंटवारा, ये सब कांग्रेस पार्टी की मजूबत स्थिति की तरफ इशारा कर रहा है। इन सबके बीच सियासतदानों और कार्यकर्ताओं में ऐसी चर्चा भी चल रही है कि क्या हरियाणा में हुड्डा, 2005 की तरह भजनलाल तो नहीं बन जाएंगे। 2005 के विधानसभा चुनाव में चौ. भजनलाल के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया। कांग्रेस ने 67 सीट हासिल कर प्रचंड बहुमत हासिल किया, लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने अचानक एक ऐसा फैसला किया, जिसने सबको हैरान कर दिया। भूपेंद्र हुड्डा, चुनाव में जिनका कहीं नाम नहीं था, उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया गया। इस बार भी कांग्रेस पार्टी हरियाणा में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, इस बाबत पत्ते नहीं खोल रही है।

बता दें कि 2005 में प्रदेश की सियासत में यह उम्मीद किसी को नहीं थी कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मुख्यमंत्री बन सकते हैं। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी यही लग रहा था कि भजनलाल ही चौथी बार प्रदेश की कमान संभालेंगे, मगर ऐसा नहीं हुआ। उस वक्त विधानसभा चुनाव में सक्रिय न होने के बावजूद हुड्डा की लाटरी लग गई। उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा दिया गया। सियासतदान और राजनीतिक के जानकार अब वही सवाल उठा रहे हैं कि कहीं इस बार भी 2005 वाला दोहराव तो नहीं होगा। हरियाणा भाजपा के सह मीडिया प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने शुक्रवार को यह कहते हुए इस बात को हवा दे दी कि राहुल गांधी में हिम्मत है तो वे दीपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करें।

बिप्लब कुमार देब के इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता भी सकते में आ गए। उनके बीच यह चर्चा होने लगी कि कांग्रेस पार्टी की जीत के बाद कहीं भूपेंद्र सिंह हुड्डा, चौ. भजनलाल की तरह किनारे तो नहीं कर दिए जाएंगे। देब ने कहा, प्रदेश की जनता भूपेंद्र सिंह हुड्डा का 10 साल का राज देख चुकी है। कांग्रेस राज में परिवारवाद हावी रहा है। कांग्रेस के होर्डिंग पर प्रदेश अध्यक्ष से बड़ा भूपेंद्र सिंह हुड्डा के सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा का फोटो छपता है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, दिल से कांग्रेस फिर से कहकर दिखाएं। उनके दिल में परिवारवाद है। वे अपने बेटे दीपेंद्र हुड्डा को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। कांग्रेस पार्टी की सांसद कुमारी शैलजा भी पिछले दिनों कह चुकी हैं कि प्रदेश में अनुसूचित जाति से कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता। ये किसी से नहीं छिपा है कि शैलजा, लंबे समय से मुख्यमंत्री पद पर नजर रखे हुए हैं।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल आर्या ने भी हाल ही में एक टीवी डिबेट के दौरान यह बात कही थी कि हरियाणा में 2005 वाला खेल संभव है। उस वक्त चुनाव में मेहनत तो चौ. भजनलाल ने की थी, मगर मुख्यमंत्री पद की बाजी हुड्डा मार ले गए। कांग्रेस पार्टी है, किसी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तरह से इस बार यह कहा जा रहा है कि टिकटों के बंटवारे में हुड्डा की खूब चली है, कांग्रेस हाईकमान ने उनके कहने पर ही सत्तर से ज्यादा टिकट बांटे हैं, कुछ वैसी ही स्थिति 2005 में चौ. भजनलाल की थी। कांग्रेस की जीत पर भजनलाल ने दावा किया था कि उनके पास चालीस से ज्यादा विधायक हैं। हरियाणा में वे ही कांग्रेस हैं।

कुछ वैसा ही इस बार हुड्डा को लेकर कहा जा रहा है। हुड्डा कहते हैं कि इस बार तो कांग्रेस पार्टी की प्रचंड बहुमत से जीत होने जा रही है। प्रदेश की राजनीतिक को करीब से समझने वाले रविंद्र कुमार सैनी बताते हैं, देखिये सियासत में कुछ भी संभव है। इस मामले में भाजपा ने खूब प्रयोग किए हैं। पहले पंजाबी समुदाय के मनोहर लाल को मुख्यमंत्री बना दिया, फिर नायब सैनी को प्रदेश की कमान सौंप दी। इससे लोगों में यह मैसेज जाता है कि प्रदेश की सियासत में एक या दो परिवार ही नहीं, बल्कि दूसरे लोग भी आ सकते हैं। बतौर रविंद्र कुमार, जीत की स्थिति में अगर कांग्रेस इस मैसेज पर काम करती है तो इस बार किसी नए चेहरे को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा सकती है। इससे परिवारवाद की काट भी हो जाएगी।

भाजपा को दूसरे राज्यों के चुनाव में यह कहने का मौका नहीं मिलेगा कि कांग्रेस ने हरियाणा में परिवारवाद को आगे बढ़ा दिया है। इससे पार्टी में एक उदाहरण सैट हो सकता है। हालांकि मौजूदा परिस्थितियों में हुड्डा की मजबूत स्थिति को कांग्रेस दरकिनार कर पाएगी, ये कहना बहुत मुश्किल है। वजह, पिछले दस वर्षों में हुड्डा ने कांग्रेस में अपनी जबरदस्त पैठ बनाई है। कांग्रेस की प्रचंड जीत की स्थिति में उन्हें पीछे करना, कांग्रेस हाईकमान के लिए आसान नहीं होगा।

रेलवे अंडरपास में कार डूबने से दो बैंक कर्मचारियों की मौत

चंडीगढ़, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ओल्ड फरीदाबाद में जलभराव के कारण रेलवे अंडरपास में एक कार डूबने से एचडीएफसी बैंक के दो कर्मचारियों की कल रात मौत हो गई।

सूत्रों ने शनिवार को बताया कि एचडीएफसी बैंक की गुरुग्राम के सेक्टर 31 शाखा में प्रबंधक पुण्यश्रेय शर्मा एवं खजांची विराज त्रिवेदी के साथ गुरुग्राम से ग्रेटर फरीदाबाद लौट रहे थे। सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण रेलवे अंडरपास में पानी भरा हुआ था। पुलिसकर्मी लोगों को यहां से आवागमन न करने की चेतावनी भी दे रहे थे, उन्होंने श्री शर्मा तथा श्री त्रिवेदी को भी सतर्क किया था लेकिन वे आगे बढ़ गये और उनकी कार पानी में डूब गयी। स्थानीय लोगों ने दोनों को कार से बाहर निकाला, लेकिन तब तक एक की मौके पर मौत हो गयी जबकि दूसरे कर्मचारी को बादशाह खान अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

मंत्री और विधायक को नोटिस थमाने वाले चुनाव अधिकारी का तबादला

हिसार, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान हिसार में कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और कुलदीप बिश्नोई के भाई फतेहाबाद से विधायक दुड़ाराम बिश्नोई को नोटिस भेजने वाले एसडीएम सह चुनाव अधिकारी जगदीप ढांडा का सरकार ने शनिवार को तबादला कर दिया।

श्री ढांडा को अभी उन्हें ड्यूटी जॉइन किए हुए 25 ही दिन हुए थे। अब उनकी जगह हरबीर सिंह हिसार के नए एसडीएम एवं चुनाव अधिकारी होंगे। श्री ढांडा ने 26 अगस्त को बिश्नोई मंदिर में जन्माष्टमी कार्यक्रम में मतदाताओं को प्रलोभन देने और वोट मांगने के आरोप में डॉ. गुप्ता और विधायक दुड़ाराम बिश्नोई को नोटिस भेजकर जवाब तलब किया था। इसके बाद हाल ही में एचएयू (हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय) के उप-कुलपति प्रो. बी आर काम्बोज को भी बिश्नोई मंदिर में राजनीति मंच साझा करने के आरोप में नोटिस जारी किया था। एक के बाद एक नोटिस जारी करने के बाद हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने उनका शनिवार को अचानक तबादला कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी के अवसर पर 26 अगस्त को हिसार के बिश्नोई मंदिर में गुरु जम्भेश्वर भगवान की 574वीं जयंती और जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने की। श्री बिश्नोई के भाई दुड़ाराम ने कहा था कि हरियाणा में चुनाव का बिगुल बज चुका है, जिस तरह आप लोगों ने चौधरी भजनलाल का साथ दिया था, उसी तरह श्री बिश्नोई के कहने पर भाजपा का साथ दें। क्षेत्र में 17-18 ऐसी सीटें हैं जहां पांच हजार से 15 हजार वोट बिश्नोई के हैं। इसलिये जो भी कमल के फूल पर चुनाव लड़ रहा है, सभी को उसे वोट देना चाहिये ताकि हरियाणा में नायब सैनी मुख्यमंत्री बन सकें। अगर राजनीतिक ताकत होगी तो समाज का सम्मान होगा। हमें एकजुट होकर इन सभी मुद्दों को भूलकर मुख्यमंत्री और कुलदीप बिश्नोई के हाथ मजबूत करने चाहिये। इसके बाद मंत्री ने कहा, विधायक दुड़ाराम ने कहा कि हमारा 18 सीटों पर प्रभाव है, लेकिन मैं उनसे असहमत हूं। कुलदीप जी हरियाणा और राजस्थान में भी काफी लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि एक अक्टूबर को भारतीय जनता पार्टी का कमल का बटन दबाना है और नायब सैनी की सरकार फिर से बनानी है। इस मामले का नोटिस लेते हुये चुनाव अधिकारी ने मंत्री और भाजपा विधायक दुड़ाराम को नोटिस जारी कर दिया। छब्बीस अगस्त को जारी इस नोटिस में कहा गया कि यह धार्मिक कार्यक्रम था।

भरतपुर में जल झूलनी एकादशी पर जल महोत्सव का आयोजन

भरतपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। जल झूलनी एकादशी पर शनिवार को जल महोत्सव का आयोजन राजस्थान में भरतपुर के सेवर में श्री बृजेन्द्र बिहारी मंदिर के कुंड पर किया गया।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी सचिव शुचि त्यागी, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी , डीएफओ, नगर निगम आयुक्त, घना निदेशक सहित जिला स्तरीय अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं आमजन मौजूद रहे। इससे पूर्व स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत जिला कलेक्टर डॉ अमित यादव के नेतृत्व में नगर निगम की टीम एवं आमजन ने केतन गेट से लेकर लोहागढ़ किले के प्रवेश द्वार, नेहरू उद्यान तथा बिहारी जी मंदिर परिक्रमा तक सड़क पर फैले हुये प्लास्टिक कचरा, खरपतवार को हटाकर संपूर्ण परिसर की साफ-सफाई की।

दक्षिण कोरिया एवं जापान की यात्रा से लौटने पर भजनलाल का हुआ जोरदार स्वागत

जयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के अपनी छह दिन की दक्षिण कोरिया और जापान की यात्रा के बाद शनिवार दोपहर जयपुर लौटने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया।

श्री शर्मा के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट-2024 के तहत इन दो देशों की यात्रा पर गये राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल में शामिल उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा का भी स्वागत किया गया। श्री शर्मा के जयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राज्य मंत्रीपरिषद के सदस्यों एवं विधायकों सहित उच्चाधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। मंत्रियों और विधायकों ने मुख्यमंत्री का साफा एवं माला पहनाकर तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सफल विदेश यात्रा के लिए उन्हें बधाई दी।

हवाई अड्डे के बाहर भी विभिन्न स्थानों पर आमजन ने मुख्यमंत्री का ढोल-नगाड़ों के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया। बुजर्गों, महिलाओं एवं युवाओं ने विकसित राजस्थान के लिए लगातार किए जा रहे फैसलों एवं प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्री जोगाराम पटेल, बाबूलाल खराड़ी, सुरेश रावत, अविनाश गहलोत, हीरालाल नागर, झाबर सिंह खर्रा, जवाहर सिंह बेढ़म, के.के. विश्नोई एवं विजय सिंह, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड एवं भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल, सासंद सी.पी. जोशी, राव राजेन्द्र सिंह एवं मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, बालमुकुंदाचार्य, गोपाल शर्मा, जयदीप बिहाणी, महेन्द्रपाल मीना, रामबिलास, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम रखा गया जहां उनके पहुंचने पर ढोल नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया गया एवं लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी नृत्य किया। कार्यक्रम में श्री मदन राठौड़ ने साफा पहनाकर श्री शर्मा का स्वागत किया वहीं अन्य लोगों ने भारी भरकम माला से उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थानवासियों का उत्साह और उमंग पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की आठ करोड़ जनता ने जिस विश्वास के साथ हमारी सरकार बनाई, उस भरोसे पर खरा उतरते हुए राज्य सरकार पूरे समर्पित भाव से विकसित राजस्थान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। श्री शर्मा ने उनके हुए जोरदार स्वागत पर भाजपा के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए यह विश्वास दिलाया कि भाजपा की सरकार प्रदेश के विकास की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता के आशीर्वाद और कार्यकर्ताओं के भरोसे से उन्हें कार्य करने की ताकत मिलती है। इसी का परिणाम है कि महाराष्ट्र के बाद दक्षिण कोरिया और जापान के निवेशकों ने राजस्थान में निवेश करने के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसे के चलते राजस्थान में निवेश के लिए विदेशी निवेशकों में उत्साह देखने को मिला है। नीमराणा में जापानी कोरिडोर की तरह राजस्थान में दक्षिणी कोरिया कोरिडोर बनाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई है। इतना ही नहीं, जापान की एक कंपनी ने तो राजस्थान के 15 हजार युवाओं को जापान में रोजगार तक देने का वादा भी किया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में विदेशी भाषाओं की लर्निंग के लिए एक महाविद्यालय भी खोला जायेगा। इसके साथ ही 25 आईएएस अधिकारियों को विश्व के 25 बड़े देशों के समन्वय के लिए लगाया जाएगा, जो राजस्थान में निवेश को बढ़ावा देंगे और इनकी यह नियुक्ति स्थाई होगी।

श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान की अर्थव्यवस्था को अगले पांच साल में दोगुना करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राइजिंग राजस्थान के लिए इन्वेस्ट समिट की तरह ग्लोबल समिट किया जाएगा। इसमें विदेशों में जाकर इन्वेस्ट के लिए निवेशकों को तैयार किया जाएगा। इस दिशा में राजस्थान सरकार 30 सितंबर और एक अक्टूबर को नई दिल्ली में भी राईजिंग राजस्थान रोड शो का आयोजन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं है।

अपहृत दो बहनें मुक्त, एक बदमाश गिरफ्तार

अजमेर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में सम्पत्ति विवाद के कारण बदमाशों द्वारा अपहृत दो सगी बहनों को मुक्त कराते हुये पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्गासिंह राजपुरोहित ने मीडिया को बताया कि बजरंगगढ़ से क्रिश्चियनगंज चढ़ाई पर एनसीसी कार्यालय के सामने रहने वाली दो बहनें डॉ रमा रानी जैन (72) तथा सेवानिवृत्त प्राचार्य कुमकुम जैन (63) जो अपनी पैतृक मकान में रहती हैं, उनका आज सुबह रिवाल्वर की नोक पर अपहरण कर लिया गया। अपहरणकर्ता दोनों को एसयूवी काले रंग की कार में ले गये और उन्हें धमकाया। उन पर सम्पत्ति से जुड़ी प्राथमिकी वापस लेने तथा राजीनामा करने का दबाव बनाया गया। दोनों बहनों के साथ बदमाशों ने मारपीट भी की।महिलाओं के अपहरण की सूचना पर पुलिस ने बदमाशों को पीछा कर महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के नजदीक से कार को रुकवा लिया और दोनों बहनों को मुक्त कराया। इस बीच, तीन बदमाश भाग खड़े हुये जबकि एक बदमाश पकड़ में आ गया। कार जब्त कर ली गयी है। दोनों बहनों ने पुलिस को इस कृत्य में अब्दुल आदिल शेख की अहम भूमिका बताई है, जो अब पुलिस की पकड़ में है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ 23164 केसों का निपटारा

सिरसा, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचकूला के निर्देशानुसार न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाणी गोपाल शर्मा ने बताया कि इस लोक अदालत मे कुल सभी तरह के न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे, जिनमें मुख्यत: चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे।

इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन कुल 34,248 केसों में से 23,164 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 13,50,12,652 की राशि समायोजित की गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल छह बैंचों का गठन किया गया जिसमें प्रधान न्यायधीश फैमिली कोर्ट सिरसा सुमित गर्ग, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश सिरसा नितिन किनरा, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी एवं प्रिंसिपल मेजिस्ट्रेट सिरसा राकेश कादयान, सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सिरसा सुश्री रिचू, अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी डबवाली हरलीनपाल सिंह व अतिरिक्त सिविज जज (सीनियर डिविजन) एवं न्यायिक दंडाधिकारी ऐलनाबाद आशिष आर्य द्वारा लोक अदालत लगाई गई।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा पितृपक्ष

पितृपक्ष पितरों को समर्पित है। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरुआत भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि से होती है और अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर इसका समापन होता है। पितृपक्ष यानी श्राद्ध का हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक याद करके उनका श्राद्ध कर्म किया जाता है।

पितृपक्ष में पितरों को तर्पण देने और श्राद्ध कर्म करने से उनको मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस दौरान न केवल पितरों की मुक्ति के लिए श्राद्ध किया जाता है, बल्कि उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट करने के लिए भी किया जाता है। पितृपक्ष में श्रद्धा पूर्वक अपने पूर्वजों को जल देने का विधान है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 17 सितंबर से हो रहा है और 2 अक्टूबर तक चलेगा। पितृपक्ष में पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध और तर्पण आदि क्रम किए जाते हैं।

पितृ पक्ष के दौरान पितर लोक से पितर धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इस दौरान उनके नाम से पूजा पाठ करना उनकी आत्मा को शांति देता है। साथ ही उन्हें मोक्ष मिलता है। पितृपक्ष जिसे श्राद्ध भी कहा जाता है अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए किया जाता है। पितरों की पूजा और तर्पण आदि कार्यों के लिए श्राद्ध पक्ष बहुत ही उत्तम माना जाता है। पितृपक्ष के दौरान हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती लोक पर आते हैं। इसलिए इन दिनों में उनके श्राद्ध, तर्पण, और पिंडदान आदि करने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि पितरों का श्राद्ध आदि करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है।

श्राद्ध का अर्थ श्रद्धा पूर्वक अपने पितरों को प्रसन्न करने से है। सनातन मान्यता के अनुसार जो परिजन अपना देह त्यागकर चले गए हैं, उनकी आत्मा की तृप्ति के लिए सच्ची श्रद्धा के साथ जो तर्पण किया जाता है, उसे श्राद्ध कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि मृत्यु के देवता यमराज श्राद्ध पक्ष में जीव को मुक्त कर देते हैं, ताकि वे स्वजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। जिस किसी के परिजन चाहे वह विवाहित हो या अविवाहित हों, बच्चा हो या बुजुर्ग, स्त्री हो या पुरुष उनकी मृत्यु हो चुकी है उन्हें पितर कहा जाता है। पितृपक्ष में मृत्युलोक से पितर पृथ्वी पर आते है और अपने परिवार के लोगों को आशीर्वाद देते हैं। पितृपक्ष में पितरों की आत्मा की शांति के लिए उनको तर्पण किया जाता है। पितरों के प्रसन्न होने पर घर पर सुख शान्ति आती है।

पितृपक्ष में हर साल पितरों के निमित्त पिंडदान, तर्पण और हवन आदि किया जाता है। सभी लोग अपने-अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसारए उनका श्राद्ध करते हैं। माना जाता है कि जो लोग पितृपक्ष में पितरों का तर्पण नहीं करते उन्हेंक पितृदोष लगता है। श्राद्ध करने से उनकी आत्मो को तृप्ति और शांति मिलती है। वे आप पर प्रसन्न होकर पूरे परि।वार को आशीर्वाद देते हैं। हर साल लोग अपने पितरों की आत्मार की शांति के लिए गया जाकर पिंडदान करते हैं।

पितृ पक्ष में मृत व्यक्ति की जो तिथि होती है, उसी दिन श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध केवल पिता ही नहीं बल्कि अपने पूर्वजों का भी किया जाता है। जब कोई आपका अपना शरीर छोड़कर चला जाता है तब उसके सारे क्रियाकर्म करना जरूरी होता है, क्योंकि ये क्रियाकर्म ही उक्त आत्मा को आत्मिक बल देते हैं और वह इससे संतुष्ट होती है। प्रत्येक आत्मा को भोजन, पानी और मन की शांति की जरूरत होती है और उसकी यह पूर्ति सिर्फ उसके परिजन ही कर सकते हैं। परिजनों से ही वह आशा करती है। श्राद्ध में पितरों को आशा रहती है कि हमारे पुत्र-पौत्रादि हमें पिण्ड दान तथा तिलांजलि प्रदान कर संतुष्ट करेंगे। इसी आशा के साथ वे पितृलोक से पृथ्वीलोक पर आते हैं। यही कारण है कि हिंदू धर्म शास्त्रों में प्रत्येक हिंदू गृहस्थ को पितृपक्ष में श्राद्ध अवश्य रूप से करने के लिए कहा गया है।अन्य कई कार्य भी श्रद्धापूर्वक किए जाते हैं। लेकिन यहां श्राद्ध का तात्पर्य पितृ पक्ष (अश्विन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक) में पितरों के निमित्त किए जाने वाले तर्पण और पिंडदान से है।

श्राद्ध की तिथियां

17 सितंबर – पूर्णिमा श्राद्ध
18 सितंबर – प्रतिपदा श्राद्ध
19 सितंबर – द्वितीया श्राद्ध
20 सितंबर – तृतीया श्राद्ध
21 सितंबर – चतुर्थी श्राद्ध
22 सितंबर – पंचमी श्राद्ध
23 सितंबर – षष्ठी श्राद्ध – सप्तमी श्राद्ध
24 सितंबर – अष्टमी श्राद्ध
25 सितंबर – नवमी श्राद्ध
26 सितंबर – दशमी श्राद्ध
27 सितंबर – एकादशी श्राद्ध
29 सितंबर – द्वादशी श्राद्ध
30 सितंबर – त्रयोदशी श्राद्ध
1 अक्टूबर – चतुर्दशी श्राद्ध
2 अक्टूबर – सर्व पितृ अमावस्या

पितृ पक्ष कब से शुरू

हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल 17 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है। वहीं, इसका समापन आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को होता है। अमावस्या तिथि इस बार 2 अक्टूबर को पड़ रही है।

28 सितंबर को किसी तिथि का श्राद्ध नहीं होगा।

दोपहर में करना चाहिए तर्पण-अर्पण

पंडित बताते हैं कि देवी-देवताओं की पूजा-पाठ सुबह और शाम को की जाती है। पितरों के लिए दोपहर का समय होता है. दोपहर में करीब 12:00 बजे श्राद्ध कर्म किया जा सकता है। सुबह नित्यकर्म और स्नान आदि के बाद पितरों का तर्पण करना चाहिए।

18 सितंबर को सुबह रहेगा चंद्रग्रहण

18 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 6.11 मिनट से 10.17 मिनट तक चंद्रग्रहण रहेगा। इसका सूतक एक दिन पूर्व रात्रि 10:17 से प्रारंभ हो जाएगा। इस वर्ष प्रतिपदा का 18 सितंबर को क्षय होने से तथा पूर्णिमा प्रातः 8.03 मिनट तक होने से और मध्याह्न में प्रतिपदा तिथि होने से एकम का श्राद्ध 18 सितंबर को होगा।

श्राद्ध के दिन कौवे, चींटी, गाय, देव, कुत्ते और पंचबलि भोग देना चाहिए। इसके बाद यथा शक्ति-सामर्थ्य ब्राह्मणों को भोज और दान देना चाहिए। इस श्राद्ध में खिरान्न का विशेष महत्व है, जिसमें महामारी से लड़ने की शक्ति होती है। मलेरिया, टाइफाइट आदि से रोकथाम भी होती है। जो भी व्यक्ति इस महालय श्राद्ध को सही तरह से करता है, पितृ उसे पुत्र लाभ के साथ धन लाभ भी देते हैं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

क्यों भगवान श्रीराम ने फल्गु नदी के तट पर ही अपने पिता का पिंडदान किया?

हर वर्ष आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से लेकर अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष मनाया जाता है। इस दौरान तीन पीढ़ी के पितरों का तर्पण एवं पिंडदान किया जाता है। गरुड़ पुराण में वर्णित है कि पितृ पक्ष के दौरान पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, व्यक्ति पर पितरों की कृपा-दृष्टि बरसती है। उनकी कृपा से सुख और सौभाग्य और वंश में वृद्धि होती है।

पितरों के तर्पण के लिए गया को सर्वोत्तम माना गया है। धार्मिक मत है कि गया में पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों को तत्क्षण ही मोक्ष मिल जाती है। अतः पितृ पक्ष के दौरान देश-विदेश से लाखों की संख्या में साधक अपने पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने के लिए गया आते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान फल्गु नदी के तट पर ही क्यों किया?

राजा दशरथ की मृत्यु

धर्म जानकारों की मानें तो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में केवल और केवल त्रासदियों का सामना किया। भगवान श्रीराम को जीवनपर्यंत तक दुख ही मिला। राज सिंहासन पर विराजमान होने से एक दिन पहले ही भगवान राम को चौदह वर्षों का वनवास मिला। पिता के वचनों का पालन के लिए भगवान श्रीराम ने राजसिंहासन के बदले वनवास को चुना। भगवान श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के वनवास गमन के दौरान ही पुत्र वियोग के चलते राजा दशरथ स्वर्ग सिधार गये। राजा दशरथ की अंतिम इच्छा थी कि वह अपने ज्येष्ठ पुत्र भगवान श्रीराम को अयोध्या नरेश बनते देखे। अतः स्वर्ग लोक में राजा दशरथ के ठहरने की उत्तम व्यवस्था की गई थी। राजा दशरथ की मृत्यु के समय भरत और शत्रुघ्न अपने ननिहाल में थे। राजा दशरथ की मृत्यु की खबर आग की तरह वन में फैल गई। भगवान श्रीराम को भी यह सूचना प्राप्त हुई। राजा दशरथ को मुखाग्नि भरत ने दी थी।

फल्गु नदी

राजा दशरथ की मृत्यु के समय भगवान श्रीराम वन में थे और पिता के वचनों का पालन करने हेतु वापस अयोध्या नहीं लौटे। हालांकि, भगवान श्रीराम ने क्षत्रिय धर्म का पालन करते हुए अपने पिता का पिंडदान गया स्थित फल्गु नदी के तट पर किया। इससे संबंधित एक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार, भगवान राम एवं भाई लक्ष्मण तेरहवीं पर तर्पण एवं पिंडदान हेतु सामग्री एकत्र करने में जुटे थे। तब पिंडदान का समय निकल रहा था।

यह जान माता सीता ने राजा दशरथ का तर्पण एवं पिंडदान कर दिया था। जब भगवान राम एवं लक्ष्मण वापस लौटे, तो माता सीता ने पिंडदान की जानकारी दी। उस समय भगवान श्रीराम को विश्वास नहीं हुआ। तब माता सीता ने साक्षी जनों को उपस्थित होकर सच बताने का अनुरोध किया। हालांकि, फल्गु नदी ने असहमति जताई। यह जान मां सीता ने फल्गु को हमेशा सूखे रखने का श्राप दे दिया। उस समय भगवान श्रीराम और भाई लक्ष्मण ने अपने पिता का पिंडदान किया। गयासुर के नाम पर शहर का नाम गया पड़ा है। गया स्थित फल्गु नदी के तट पर पितरों का तर्पण करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। अतः भगवान श्रीराम ने फल्गु नदी का चयन किया था।

गया में पिंडदान के बाद इन नियमों का करें पालन तभी मिलेगा उसका फल!

पितृ पक्ष का समय अपने आप में बेहद अहम माना गया है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों के नाम से तर्पण करते हैं और दान-पुण्य करते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल पितृ पक्ष 17 सितंबर से शुरू होगा। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान जो लोग पिंडदान करते हैं, उन्हें पितृ दोष से छुटकारा मिलता है। साथ ही मोक्ष की प्राप्ति होती।

वहीं, जो लोग इस अवधि में अपने पूर्वजों का तर्पण करने के लिए गया जाते हैं, उन्हें कुछ विशेष बातों का ख्याल रखना चाहिए, तो आइए जानते हैं।

तर्पण करने के बाद घर पर जरूर करें ये काम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो लोग पितृ पक्ष में अपने पितरों का तर्पण करने के लिए जाते हैं, उन्हें वहां से लौटने के बाद कुछ ऐसे नियम हैं, जिनका पालन जरूर करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि घर पर आने के पश्चात श्री हरि की विधिवत पूजा और सत्यनारायण कथा का पाठ अवश्य करना चाहिए या सुनना चाहिए।

इसके साथ ही विष्णु भगवान के नाम से गरीब ब्राह्मणों और अपने परिवार के सदस्यों को भोजन करवाना चाहिए। इन चीजों के बाद ही श्राद्ध पूर्ण माना जाता है और उसके शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

पितृ दोष मुक्ति के उपाय

जो लोग पितृ दोष से छुटकारा पाना चाहते हैं, उन्हें पितृ पक्ष के दौरान ब्राह्मणों को भोजन कराना चाहिए। इसके साथ ही पंचबली भोग निकालना चाहिए और जरूरतमंदों को दान करना चाहिए। ऐसा करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है। साथ ही पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। वहीं, इस दौरान गीता का पाठ भी अवश्य करना चाहिए।

17 या 18 सितंबर? कब है भाद्रपद पूर्णिमा

प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि के अगले दिन पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। यह त्योहार जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और श्रद्धा अनुसार दान करना जातक के जीवन के लिए कल्याणकारी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से साधक को 32 गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होती है। साथ ही दुख और संकट दूर हो जाते हैं। चलिए जानते हैं भाद्रपद माह की पूर्णिमा की डेट, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

भाद्रपद पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

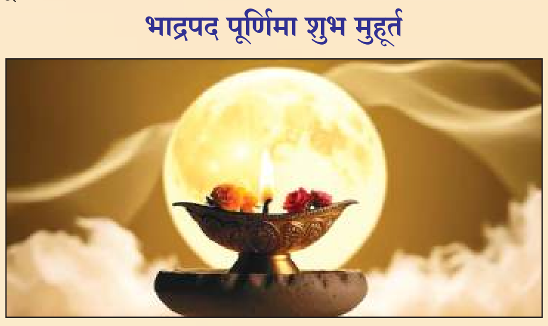

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह की पूर्णिमा तिथि 17 सितंबर को सुबह 11 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी 18 सितंबर को सुबह 08 बजकर 04 मिनट पर तिथि समाप्त होगी। ज्योतिषीय गणना के अनुसार, 17 सितंबर को पूर्णिमा व्रत रखा जाएगा। वहीं, 18 सितंबर को भाद्रपद पूर्णिमा मनाई जाएगी।

भाद्रपद पूर्णिमा शुभ योग

ज्योतिषियों की मानें तो भाद्रपद पूर्णिमा पर शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 08 बजकर 05 मिनट पर होगा।

भाद्रपद पूर्णिमा पूजा विधि

पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठना चाहिए। इसके बाद घर की साफ-सफाई करें। स्नान करने के बाद पीले वस्त्र धारण करें, क्योंकि भगवान विष्णु को पीला रंग बहुत प्रिय है। अगर संभव हो, तो इस दिन पवित्र नदी में स्नान करें। इसके बाद विधिपूर्वक सूर्य देव को जल अर्पित करें। चौकी पर श्रीहरि और मां लक्ष्मी की प्रतिमा को विराजमान करें। अब उन्हें फल, फूल, वस्त्र अर्पित करें और मां लक्ष्मी को सोलह श्रृंगार की चीजें अर्पित करें। दीपक जलाकर आरती करें और मंत्रो का जप करें। अंत में प्रभु को विशेष चीजों का भोग लगाएं। इस दिन श्रद्धा अनुसार अन्न, धन और वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है।

इन मंत्रो का करें जप

विष्णु गायत्री मंत्र

ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

लक्ष्मी विनायक मंत्र

दन्ता भये चक्र दरो दधानं,
कराग्रगस्वर्णघटं त्रिनेत्रम्।
धृता ब्जया लिंगितमब्धि पुत्रया,
लक्ष्मी गणेशं कनकाभमीडे।।

अशनूर कौर ने टुकटुक पर एक दिलचस्प बचाव कहानी साझा की

सुमन इंदौरी में मुख्य किरदार निभा रहीं अभिनेत्री अशनूर कौर ने इंदौर के जीवंत और चहल-पहल वाले सराफा बाजार में शो की शूटिंग के दौरान टुकटुक पर एक दिलचस्प बचाव कहानी शेयर की है।इंस्टाग्राम पर 9.9 मिलियन फॉलोअर्स वाली अशनूर ने इंदौर, मध्य प्रदेश में शो की शूटिंग के दौरान की कुछ बिहाइंड-द-सीन (बीटीएस) झलकियां शेयर की हैं।एक वीडियो में अशनूर को गुलाबी रंग का कुर्ता और नीली डेनिम पहने हुए दिखाया गया है, जबकि वह सराफा बाजार में एक सीक्वेंस की शूटिंग कर रही हैं। मध्य इंदौर में स्थित यह बाजार रात के स्ट्रीट फूड कोर्ट के लिए प्रसिद्ध है। यह अपने व्यंजनों और रात की जीवनशैली के कारण एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।क्लिप में अशनूर को भारी भीड़ के बीच अपनी टीम के साथ आगे बढ़ते हुए और फिर खुशी-खुशी टुकटुक रिक्शा में यात्रा करते हुए दिखाया गया है।वह कहती हैं, हमने सराफा शूट पूरा कर लिया है... वहां इतनी भीड़ हो गई थी कि हमें टुकटुक में सवार होकर जाना पड़ा... इसके बाद अशनूर कैमरा घुमाती हैं और रिक्शा पर बैठी अपनी टीम की झलक दिखाती हैं।युवा दिवा ने दुपट्टा वाला पल भी शेयर किया, छप्पन दुकान पर स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड का लुत्फ उठाते हुए एक वीडियो भी शेयर किया और इंदौर के डेली कॉलेज में प्रकृति और जानवरों से भी बातचीत की।तस्वीरों की यह श्रृंखला पूरी टीम के साथ एक खुशनुमा ग्रुप फोटो के साथ खत्म हुई।इस शो में ज़ैन इमाम मुख्य भूमिका में हैं। सुमन इंदौरी कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।इस बीच, अशनूर ने पाँच साल की उम्र में अपना करियर शुरू किया, 2009 के शो झांसी की रानी में प्राची का किरदार निभाया। झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के जीवन पर आधारित इस शो में उल्का गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई थी। सके बाद उन्होंने शो शोभा सोमनाथ की में युवा राजकुमारी शोभा की भूमिका निभाई।अशनूर टीवी शो- ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा, द एडवेंचर्स ऑफ़ हातिम, तुम साथ हो जब अपने, सियासत, ये रिश्ता क्या कहलाता है, पृथ्वी वल्लभ और पटियाला बेब्स में नजर आ चुकी हैं।वह अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित 2018 की रोमांटिक ड्रामा मनमर्जियाँ का भी हिस्सा थीं।

इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, तापसी पन्नू और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में थे।20 वर्षीय अभिनेत्री की अगली वेब सीरीज स्कूल फ्रेंड्स 3 पाइपलाइन में है। वह परी हूं मैं और बटरफ्लाईज जैसे वेब शो का हिस्सा रही हैं।

परेश रावल की नई फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का ऐलान

परेश रावल को आखिरी बार अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब तारीफ हुई, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।अब परेश की नई फिल्म का ऐलान हो गया है, जिसका नाम जो तेरा है वो मेरा है है।

फिल्म के निर्देशन की कमान राज त्रिवेदी ने संभाली है।फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें परेश समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।फिल्म जो तेरा है वो मेरा है 20 सितंबर, 2024 को रिलीज होगी। फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर आएगी। इसे जियो सिनेमा प्रीमियम के माध्यम से देखा जा सकता है, जिसकी कीमत 29 रुपये प्रति महीना है।

इस फिल्म में अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी, सोनाली सेगल, फैसल मलिक और आदित्य रावल जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं।अजय जी राय इस फिल्म के निर्माता हैं।इस बीच, काम के मोर्चे पर, परेश रावल को आ-खिरी बार अक्षय कुमार और राधिका मदान के साथ सरफिरा में देखा गया था। वरिष्ठ अभिनेता ने एयरलाइन कंपनी के मालिक परेश गोस्वामी की भूमिका निभाई। अच्छी प्रतिक्रिया के बावजूद, सरफिरा ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

दिग्गज अभिनेता की आने वाली फिल्मों में बदतमीज गिल और वेलकम टू द जंगल शामिल हैं। नवजोत गुलाटी की बदतमीज गिल में वह वाणी कपूर और अपारशक्ति खुराना के साथ नजर आएंगे। दूसरी ओर, अहमद खान की वेलकम टू द जंगल में वह कई स्टार कलाकारों के साथ नजर आएंगे।

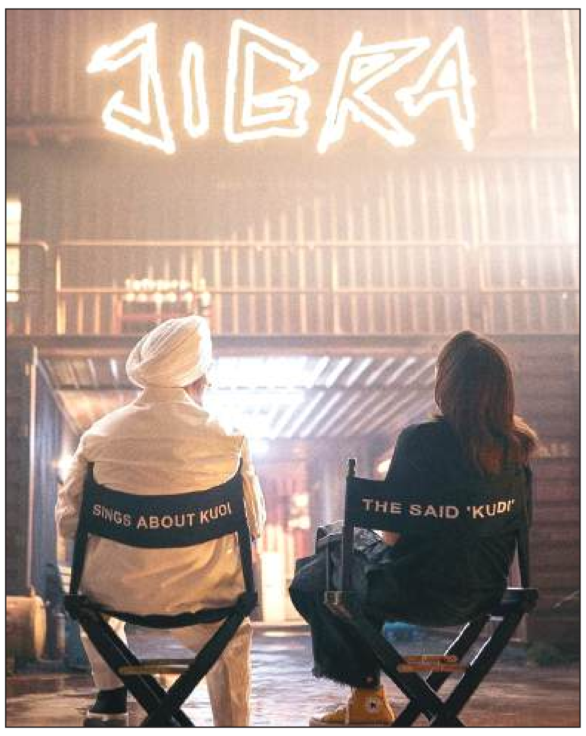

नए गाने के लिए फिर साथ आए आलिया भट्ट-दिलजीत

जिगरा के सेट से सामने आई बीटीएस तस्वीर

आलिया भट्ट अपनी आगामी फिल्म जिगरा की रिलीज के लिए तैयार है। एक्ट्रेस फिल्म का प्रमोशन जोरशोर से कर रही हैं। हाल ही में राजी एक्ट्रेस ने जिगरा के सेट से एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ संग दिख रही हैं। दोनों की एक साथ की तस्वीर ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है।आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म जिगरा से जुड़ी जानकारी साझा की। एक्ट्रेस ने पंजाबी सिंगर दिलजीत के साथ फोटो शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, कुर्सियां सब कुछ कह देती हैं।तस्वीर में आलिया भट्ट और दिलजीत कुर्सी पर बैठे दिख रहे हैं। आलिया की कुर्सी पर द सैड कुडी लिखा है। बगल में बैठे दिलजीत दोसांझ की कुर्सी पर लिखा है, कुड़ी के बारे में गाते है। दोनों स्टार कैमरे की ओर अपना पीठ करके बैठे हुए है। वहीं बैकग्राउंड में रोशनी से जगमगाती जिगरा का टाइटल देखा जा सकता है।आलिया के पोस्ट करते ही फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए। एक फैन ने कमेंट कर लिखा है, तो आलिया और दिलजीत की सुपरहिट म्यूजिकल जोड़ी आधिकारिक तौर पर बन रही है। हम बहुत उत्साहित हैं। एक दूसरे फैन ने लिखा है, मैं उनके आने वाले एक और धमाकेदार गाने का इंतजार नहीं कर सकता। एक यूजर ने लिखा है, एक और ब्लॉकबस्टर आ गई है। एक अन्य ने कमेंट किया है, अब यह मेरा नया पसंदीदा गाना बनने जा रहा है। एक यूजर ने लिखा, दिलजीत और जिगरा की सबसे प्रतीक्षित जादुई जोड़ी यहां है। मैं इसके लिए इंतजार नहीं कर सकता।

भुवन बाम की ताजा खबर 2 का ट्रेलर जारी जावेद जाफरी से भिड़ते दिखेंगे अभिनेता

कॉमेडियन और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज ताजा खबर को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। यह सीरीज बीते साल 5 जनवरी को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।अब दर्शक ताजा खबर के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।दरअसल, ताजा खबर 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिस पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं।नए सीजन में भुवन की भिड़ंत जावेद जाफरी से होने वाली है।भुवन बाम ने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनसे मिले प्यार से वह काफी उत्साहित महसूस करते हैं। उन्होंने इस सीजन का इंतजार करने को लेकर दर्शकों का आश्वस्त करते हुए कहा कि उनका इंतजार सफल साबित होगा। भुवन ने कहा, सीजन 2 की शूटिंग भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण रही है और मैं खुद को वास्या की आंखों में देख सकता था। इस सीजन में मेरे किरदार का ग्राफ बढ़ता है। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी के साथ काम करने में काफी मजा आया। ताजा खबर 2 की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। इस सीरीज का प्रीमियर 27 सितंबर, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है।इसमें भुवन और जावेद के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, प्रथमेश परब, नित्या माथुर, देवेन भोजनी और शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।ताजा खबर 2 का निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। भुवन ने इसका निर्माण रोहित राज के साथ मिलकर किया है। कहानी हुसैन और अब्बास दलाल ने लिखी है।जावेद जाफरी ने अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें जब इस किरदार की पेशकश की गई, तो वह काफी उत्साहित हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें नई भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना पसंद आता है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा,यूसुफ काफी शक्तिशाली और उग्र स्वभाव वाला है। उसके किरदार में कई परत हैं, जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। भुवन बाम जैसे प्रभावशाली, मेहनती और युवा कलाकार के साथ काम करना अविश्वसनीय है, जो हर समय भावुक और दृढ़ रहे हैं। ताजा खबर मेरे लिए रचनात्मक रूप से काफी संतोषजनक अनुभव रहा है और दर्शकों को वास्या और यूसुफ के मुकाबले का मजा लेने को मिलेगा।सीरीज में वस्या की पत्नी के किरदार में नजर आईं श्रेया पिलगांवकर ने अपने किरदार को बहुत खास बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मिले प्यार के लिए वह बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा उनका किरदार मधु, साहस और शक्ति का प्रतीक है, जो सीजन 2 में अपना हक वापस आने फिर से आती है। उन्होंने कहा,मधु ने मुझे प्रेरित किया है और मुझे उम्मीद है कि उसके गुणों ने कई अन्य महिलाओं के दिलों को छुआ होगा जो आज के दिन और उम्र में बाधाओं के बावजूद अपना नाम बनाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह इस नए सीजन के लिए एक बार फिर से काफी उत्साहित हैं।

ब्लू डेनिम आउटफिट में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने मचाया धमाल

एक्ट्रेस निक्की तंबोली आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश लुक देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड और हॉट ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही तबाही मचा देता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान स्टाइलिश डेनिम आउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।बालों को कर्ली स्टाइल में ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने आउटलुक को बेहद ही खूबसूरती से निखारा है। उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही है।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। एक्ट्रेस जब भी अपनी पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर करती है तो वो जल्दी ही वायरल होने लगती है।

कन्नप्पा से अक्षय कुमार की पहली झलक आई सामने, निभाएंगे भगवान शिव का किरदार

अक्षय कुमार 57वां जन्मदिन के खास मौके पर उनके प्रशंसकों को एक के बाद तोहफे मिल रहे हैं। जहां एक तरफ उनकी नई फिल्म भूत बंगला का ऐलान हो गया है, वहीं अब अक्षय की पहली तेलुगु फिल्म कन्नप्पा से उनकी पहली झलक सामने आ गई है। इस फिल्म में वह भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे।निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए अक्षय को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी हैं।कन्नप्पा में विष्णु मंचू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। प्रभास, मोहनलाल, प्रभुदेवा और आर सरथ कुमार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अभिनेत्री काजल अग्रवाल भी इसमें दिखाई देंगी।मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बन रही यह फिल्म दिसंबर, 2024 में सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।कन्नप्पा की कहानी छठीं और आठवीं शताब्दी के दौरान भगवान शिव के एक प्रबल भक्त के इर्द-गिर्द घूमेगी। मोहन बाबू इस फिल्म के निर्माता हैं।जारी किए गए पोस्टर में अक्षय कुमार भगवान शिव की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं, जो उनके दिव्य लेकिन शक्तिशाली व्यक्तित्व को दर्शाता है हालांकि उनका चेहरा छिपा हुआ है, पोस्टर में पवित्र रुद्राक्ष माला से सजे उनके मांसल शरीर को उजागर किया गया है, जिससे प्रशंसक इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में उनके चित्रण को और अधिक देखने के लिए उत्सुक हैं दृश्य रूप से आकर्षक पहला लुक पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है, जिससे *कन्नप्पा* को लेकर उत्साह और बढ़ गया हैअक्षय की सबसे अनूठी भूमिकाओं में से एक के रूप में, भगवान शिव का उनका अवतार फिल्म में एक प्रमुख आकर्षण होने का वादा करता है.कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार ने किया है यह फिल्म कन्नप्पा नामक एक व्यक्ति की कहानी पर आधारित है, जो हिंदू भगवान शिव का कट्टर भक्त है मुकेश कुमार सिंह द्वारा निर्देशित कन्नप्पा की पटकथा विष्णु मांचू ने लिखी है, जबकि कहानी का निर्माण परुचुरी गोपाल कृष्ण, ईश्वर रेड्डी, जी नागेश्वर रेड्डी और तोता प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया है फिल्म का निर्माण मोहन बाबू ने किया है।मुख्य भूमिका में विष्णु मांचू अभिनीत, प्रभास, मोहनलाल और अक्षय कुमार विशेष कैमियो में नजर आएंगे प्रीति मुखुंधन, सरथकुमार, ब्रह्मानंदम, मधु, दे-वराज, ऐश्वर्या, मुकेश ऋषि और कौशल मंडा सहायक भूमिकाओं का हिस्सा हैं सिनेमैटोग्राफर शेल्डन चौ, संपादक एंथनी और संगीतकार स्टीफन देवसी और मणि शर्मा कन्नप्पा की तकनीकी टीम का हिस्सा हैं।

प्रदेश के पारंपरिक उत्पादों का वैश्विक महाकुंभ बनेगा यूपीआईटीएस–2024

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश में 25 से 29 सितंबर के बीच आयोजित होने जा रहा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो–2024 प्रदेश के पारंपरिक उद्यमियों के लिए वैश्विक महाकुंभ साबित होगा। वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, प्रयागराज, झांसी मंडलों के 270 से अधिक स्थानीय व पारंपरिक उत्पादों के उद्यमियों ने विभिन्न केटेगरीज के अंतर्गत अब तक रजिस्ट्रेशन करा लिया है। आने वाले दिनों में इस प्रक्रिया में और तेजी आएगी।

रजिस्ट्रेशन कराने वाले उद्यमी हथकरघा, टेराकोटा, हस्तशिल्प, स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज, एमएसएमई, ओडीओपी समेत विभिन्न श्रेणियों के उद्यमों का संचालन कर रहे हैं, जो इस भव्य आयोजन में हिस्सा लेंगे। वहीं, नए निर्यातक, हस्तशिल्पी व महिला उद्यमी भी आयोजन में सहभागिता को लेकर बेहद उत्साहित और आशान्वित हैं। उनका एक स्वर में कहना है कि सीएम योगी की नीतियां न केवल प्रदेश की परंपरा को संरक्षित कर रही है, बल्कि हमारे उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच को भी सुलभ बना रही है। उनके अनुसार, इससे हमारे उत्पादों की पहुंच दुनिया के विभिन्न देशों तक हुई है। इससे हमारी कमाई में भी बढ़ोतरी होगी।

वाराणसी मंडल के 44 हस्तशिल्पी, नए निर्यातक और महिला उद्यमी इंटरनेशनल ट्रेड शो में जाने के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। उद्योग विभाग के संयुक्त आयुक्त उमेश सिंह ने बताया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में वार–णसी मंडल के 4 जिलों वार–णसी, चंदौली जौनपुर और गाज़ीपुर के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के 20 उद्यमी हिस्सा लेंगे। वहीं, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम (जिसमें लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, दरी, बेवरेज, मेडिकल प्रोडक्ट्स बायो फर्टिलाइजर, मसाला नूडल्स व बनारसी सिल्क उद्योग आदि शामिल है) से जुड़े 16 उद्यमी भी प्रतिभाग करेंगे। बनारसी सिल्क साड़ी तथा कालीन उद्योग से जुड़े 8 नए निर्यातक समेत कुल 44 उद्यमी आयोजन में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं।

यूपीआईटीएस 2024 में हिस्सा लेने के लिए आगरा मंडल के 134 हस्तशिल्प, नए निर्यातक और महिला उद्यमियों ने पंजीकरण कराया है। इसमें आगरा से 51, मथुरा से 23, फिरोजाबाद से 56, मैनपुरी से 04 शामिल हैं। इनमें आगरा से डावर फुटवेयर, गुप्ता ओवरसीज, स्टोनमैन आदि निर्यातक शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि ब्रज क्षेत्र के पारंपरिक हैंडीक्राफ्ट और आधुनिक उत्पादों को आयोजन के माध्यम से बड़ा मंच उपलब्ध कराया जाएगा। इसी प्रकार, गोरखपुर से ओडीओपी के पांच (चार टेराकोटा और रेडीमेड गारमेंट), एमएसएमई के छह और निर्यातक श्रेणी के दो उद्यमियों के पंजीकरण हो चुके हैं। वहीं, कुशीनगर जिले से ओडीओपी और एमएसएमई समेत कुल चार रजिस्ट्रेशन हुए हैं जबकि महराजगंज में पांच और देवरिया में तीन उद्यमियों के रजिस्ट्रेशन हुआ है।

प्रयागराज में कुल 7 उद्यमियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है जिसमें 03 एमएसएमई इकाइयों के उद्यमी भी हिस्सा लेंगे। इन उद्यमियों को ट्रेड शो में रियायती दरों पर स्टॉल प्राप्त होंगे। इनमें, मेसर्स इकावो एग्रो डेली प्रा.लि, मेसर्स आरडी इन्टरप्राइजेज, मेसर्स मुनीर अली और मेसर्स हैप्पी कल्चर शामिल है। इसी तरह एमएसएमई इकाइयों में मेसर्स मैस औवरसीज प्रा0 लि0 और मेसर्स विष्णु सेल्स शामिल है। वहीं, अयोध्या जिले के 3 उद्यमियों का भी आयोजन में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण हो चुका है। अंबेडकरनगर से ओडीओपी के 4, सुल्तानपुर के एमएसएमई के 2 और ओडीअ–ोपी के 1, बाराबंकी से एमएसएमई के 4 और ओडीअ–ोपी के 2 और अमेठी के 2 ओडीओपी प्रोडक्ट्स से संबंधित उद्यमियों को यूपीआईटीएस 2024 में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

यूपीआईटीएस 2024 में झांसी मंडल के तीनों जिलों झांसी, ललितपुर और जालौन के 10 उद्यमी अपने उत्पादों के साथ हिस्सेदारी करेंगे। ट्रेड शो में हिस्सा लेने के लिए जालौन के 1, ललितपुर के 2 और झांसी के 7 उद्यमियों ने अभी तक प्रस्ताव दिया है। जालौन जिले से आकाश निरंजन, ललितपुर जिले से सरोज सिंह, जनमे पंत और झांसी जिले से नीलम सारंगी, शिवानी बुंदेला, निहारिका तलवार, योगेंद्र आर्य, मनोहर लाल, अरुणा शर्मा और निखिल चौधरी ट्रेड शो में हिस्सा लेंगे। ट्रेड शो में ये उद्यमी एक जिला एक उत्पाद से जुड़े उत्पादों के अलावा हैंडलूम, फार्मा, एक्सपोर्ट, हॉर्टिकल्चर और गृहसज्जा से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी लगाएंगे। इसी प्रकार, बरेली में विभिन्न सेक्टर के 22 उद्यमी, बदायूं के 3, पीलीभीत के 4 तथा शाहजहांपुर के 3 उद्यमी हिस्सा ले रहे हैं। कुल मिलाकर बरेली मंडल से 32 उद्यमी यूप–ीआईटीएस 2024 में अपनी सहभागिता अब तक सुनिश्चित करा चुके हैं।

मैनपुरी में बिजली आपूर्ति अव्यवस्था पर जयवीर सिंह ने जताई कड़ी नाराजगी

मैनपुरी, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मैनपुरी में शासन के निर्देशानुसार विद्युत आपूर्ति नहीं होने पर शनिवार को कड़ी नाराजगी जताई।

यहां जनसुनवाई में शामिल हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि बिजली विभाग शासन के निर्देशों के अनुरूप विद्युत आपूर्ति करें। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिले। मैनपुरी में विद्युत आपूर्ति शासन के निर्देशों के अनुरूप न होने पर विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि यह स्थिति किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं होगी। खराब ट्रांसफार्मर 24 घण्टे में बदले जाए।

मंत्री ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिले। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश हैं कि किसी की भूमि पर अवैध कब्जा न हो। राजस्व विभाग के अधिकारी यह देखें कि चक मार्ग पर अवैध कब्जा न हो।सबसे ज्यादा शिकायतें भूमि पर दबंगों द्वारा कब्जा करने की आ रही हैं।जनता दर्शन के दौरान सार्वजनिक भूमि यथा चकरोड, चारागाह, विद्यालय की भूमि, खाद के गड्ढों पर अनाधिकृत कब्जों की शिकायतेंमिल रही है।

उन्होंने कहा कि उप जिलाधिकारी अपनी–अपनी तहसील में चकमार्गो का फीडबैक लें, जहां भी अनाधिकृत कब्जे हों, उन्हें तत्काल हटवाया जाये। यदि शिकायतकर्ता द्वारा झूठी शिकायत की जाए तो ऐसे शिकायतकर्ताओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध भी दंडात्मक कार्रवाई हो। जनता दर्शन के दौरान प्राप्त शिकायतों का 01 सप्ताह में निराकरण कर उप जिलाधिकारी के माध्यम से आख्या प्रस्तुत की जाए, कोई भी शिकायत किसी कार्यालय में निस्तारण के लिए शेष न रहे, शिकायतकर्ता को प्रत्येक विभाग से तत्काल राहत मिले, उसे अपनी समस्या के निदान के लिए भटकना न पड़े।

हिंदी भाषा को समृद्ध करने में फिल्मों का अहम योगदान है: आरिफ मोहम्मद खान

ऋग्वेद को बताया दुनिया की सबसे पहली पुस्तक, कहा– इससे पहले सभी कुछ मौखिक था

अमरोहा, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ख़ान ने हिंदी दिवस के अवसर पर शनिवार को मंडी धनौरा में आयोजित हिंदी महोत्सव कार्यक्रम में कहा कि अमीर खुसरो हिंदी के पहले कवि थे, जिनकी अनेक रचनाएं प्रकाशित हुई हैं। भारत बहुभाषी देश है। यहां तमाम तरह की बोली, भाषा, दर्शन व साहित्य के बावजूद हिंदी देश को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है।

केरल के राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा किसी भाषा की विरोधी नहीं हैं इसलिए विविधता का आदर करना प्रत्येक देशवासी का कर्तव्य है। उन्होंने आगे कहा कि हिंदी भाषा के प्रचार में फिल्मी गानों की अहम योगदान है, केरल जैसे गैर हिंदी भाषी राज्यों के लोग भी हिंदी फिल्मों के गीतों को समझते हैं और उन्हें गुनगुनाते भी हैं। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन के साथ विवादों के कारण चर्चा में रहे श्री खान का कहना है कि राज्यपाल का पद संवैधानिक है। राज्यपाल को संविधान के दायरे में रहकर काम करना होता है।

श्री खान ने दुनिया की सबसे पहली पुस्तक ऋग्वेद को बताते हुए कहा कि इससे पहले सभी कुछ मौखिक था। इसी प्रकार अमीर खुसरो हिंदी के पहले कवि थे, जिनकी अनेक रचनाएं आज़ भी शादी विवाह के दौरान गाई जाती रही हैं।

हर भारतीय को दो भाषाओं का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए, हिंदी को समृद्ध बनाना है तो देश के अन्य भाषाओं को भी आदर व सम्मान देना होगा।

केरल का एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि वह एक दिन केरल में कही जा रहे थे। उनको एक हिंदी फिल्म का बहुचर्चित गीत सुनाई दिया। उत्सुकता हुई कि केरल में हिंदी का गीत कौन सुन रहा है। देखा कि एक दुकान पर वह फिल्मी गीत बज रहा था और वहां खड़े केरल के लोग उसका आनंद ले रहे थे। इससे साफ है कि हिंदी के प्रचार में हिंदी फिल्मों की अहम भूमिका है। उन्होंने लोगों से हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने की आह्वान किया।

विधान परिषद सदस्य तथा पूर्व कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र सिंह ने हिंदी को जन जन की भाषा बताते हुए कहा कि अगली पीढ़ी को वैश्विक स्तर पर अपनी पहुंच बनाने के लिए विश्व की अन्य भाषाओं का भी अध्ययन करना होगा। इस अवसर पर डॉ. यतींद्र कटारिया की पुस्तक हिंदी विश्व यात्रा और मैं का विमोचन भी किया गया ।महोत्सव में हिंदी साहित्यकारों व कवियों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इनमें प्रमुख रूप से चेतन आनंद, राजेंद्र टंडन, अनुराग मिश्रा, वीपी चौधरी आदि शामिल रहे ।

चकबंदी कार्यों में यूपी सरकार ने बनाया 10 वर्षों का नया कीर्तिमान

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
योगी सरकार अन्नदाताओं के हितों के लिए लगातार आवश्यक कदम उठा रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने पिछले वर्ष सितंबर माह में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान चकबंदी विभाग को किसानों के खेत की सीमा संबंधी विवादों को सुलझाने, गांवों को विकास से जोड़ने, सरकारी योजनाओं का लाभ देने एवं सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए निर्देश दिए थे। साथ ही, गांवों में ग्राम अदालत लगाकर वादों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये थे। सीएम योगी की मॉनीटरिंग का ही नतीजा है कि योगी सरकार ने चकबंदी संबंधी कार्यों में पिछले एक वर्ष में 10 वर्षों का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में आठ माह में प्रदेश के 40 जिलों के 82 ग्रामों में अब तक चकबंदी कराई जा चुकी है। वहीं पिछले वर्ष 2023–24 में प्रदेश के 74 जिलों के 781 गांवों में चकबंदी करायी गयी। इसके अलावा पिछले साल सितंबर से अब तक 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 25,523 वादों का निस्तारण किया जा चुका है।

चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अन्नदाताओं के खेत संबंधी विवादों को पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से निपटाने के लिए चकबंदी कराने के निर्देश दिये थे।

उन्होंने इसके निस्तारण के लिए अभियान और ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में इस वित्तीय वर्ष में आठ माह में 40 जिलों के 82 ग्रामों में चकबंदी कराई जा चुकी है। वहीं 51 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया संभव न होने के कारण अधिनियम की धारा 6 (1) के तहत चकबंदी प्रक्रिया से अलग किया गया। इसी तरह वर्ष 2023–24 में 74 जिलों के 781 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गई। इसमें 330 ग्राम 10 वर्षों से अधिक अवधि के थे। वर्ष 2022–23 में 463 ग्रामों एवं 2021–22 में 231 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गई, जो पिछले 10 वर्षों की तुलना में एक कीर्तिमान है। कुल मिलाकर वर्ष 2021–2022, 2022–23 तथा 2023–24 में 1475 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूरी हुई है। वहीं, 50 वर्ष से अधिक अवधि से लंबित 8 ग्राम, 30 वर्ष से 50 वर्ष तक लंबित 72 ग्राम और 10 वर्ष से 30 वर्ष तक लंबित 296 ग्राम में चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गयी। इसमें आजमगढ़ के ग्राम महुवा और गोमाडीह में क्रमश: 63 वर्ष और 56 वर्ष से लंबित, विचाराधीन चकबंदी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके अलावा गाजीपुर के ग्राम सवना व बरेजी चकबंदी प्रक्रिया 59 वर्षों एवं ग्राम बेलसड़ी की चकबंदी प्रक्रिया 55 वर्षों से विचाराधीन थी, जिसे पूरी किया गया।

चकबंदी आयुक्त ने बताया कि लखीमपुर खीरी के ग्राम सुआबोझ, सुल्तानपुर के ग्राम मालापुर जगदीशपुर, जौनपुर के ढेमा गांव में क्रमश: 53, 54 और 52 वर्ष से चकबंदी प्रक्रियाधीन थी, जिसे पूरा किया गया। इसके अलावा सुल्तानपुर के ग्राम अन्दारापुर में 48 वर्षों, बरेली के ग्राम मो–हनपुर में 41 वर्ष, बिजनौर के ग्राम छाचरी टीप में 35 वर्षों, बदायूं के ग्राम रहेड़िया में 33 वर्षों, मऊ के ग्राम अल्देमऊ में 31 वर्षों, बुलंदशहर के ग्राम याकूबपुर व मुस्तफाबाद डडुवा में 30 वर्षों से चकबंदी प्रक्रियाधीन थी, जिसे पूरी किया गया। इसके साथ ही कन्नौज में 1990 में अग्निकांड की वजह से 35 ग्रामों के अभिलेख जल गये थे, जिससे 34 वर्षों से चकबंदी प्रक्रिया बाधित हो रही थी। इसमें नये अभिलेखों को तैयार करना सबसे बड़ी चुनौती थी। ऐसे में चकबंदी आयुक्त ने तत्कालीन अपर निदेशक चकबंदी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया। साथ ही समिति की संस्तुति के बाद 35 ग्रामों में से 8 ग्रामों को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में उनके अभिलेख सृजित किये गये। इनमें से दो गांव नन्दलालपुर व करनौली की चकबंदी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इतना ही नहीं पिछले वर्ष चकबंदी प्रक्रिया में शामिल लखीमपुर खीरी के ग्राम रामपुर मकरन्द की चकबंदी प्रक्रिया एक वर्ष और रामपुर के ग्राम चक रफतपुर में मात्र आठ माह में चकबंदी पूरी की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी संबंधी पुराने लंबित वादों को निस्तारित करने के लिए ग्रामों में ग्राम अदालत लगाने के निर्देश दिए थे। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद पिछले वर्ष सितंबर से अब तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में 705 ग्राम अदालत का आयोजन किया गया। इसके जरिये 25,523 वादों को निस्तारण किया जा चुका है। इसके अलावा किसानों के हित एवं पारदर्शिता के मद्देनजर एआई, ब्लॉक चैन, ड्रोन एवं रोवर सर्वेक्षण आधारित चकबंदी संचालित करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत आईआईटी रूड़की के साथ परीक्षण चल रहा है। इसके साथ ही जीआईएस बेस्ड सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल ऐप विकसित करने की भी कार्रवाई चल रही है। जल्द ही इन टेक्न–ोलॉजी का इस्तेमाल कर चकबंदी प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

मेरठ में 50 साल पुराना मकान ढहा, पूरा परिवार मलबे में दबा

सीएम योगी ने लिया हादसे का संज्ञान, बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मेरठ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश में मेरठ की जाकिर कॉलोनी में भारी बारिश के बाद 50 साल पुराना तीन मंजिला मकान शनिवार को ढह गया, जर्जर हालत में होने के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें पूरा परिवार मलबे में दब गया। आशंका है कि मलबे में आठ से ज्यादा लोग दबे हुए हैं।

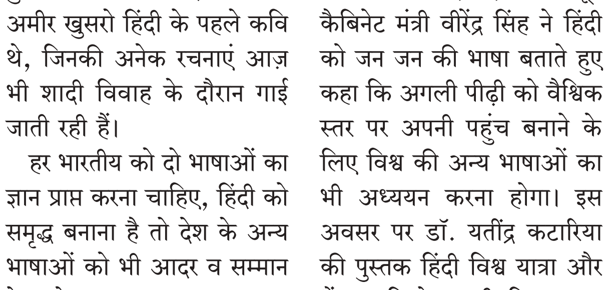

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। हालांकि, शहर का पुराना और घनी आबादी वाला इलाका होने के कारण जेसीबी मशीनों को अंदर जाने में मुश्किल हुई है, जिससे बचाव कार्य में देरी हुई। मौके पर स्थानीय पुलिस के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विपिन ताडा भी स्थिति का जायजा लेने पहुंचे। सीएम योगी ने हादसे का संज्ञान लिया है और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सीएम ने बचाव कार्यों में तेजी लाने को कहा है।

पुलिस के अनुसार, यह मकान 50 वर्षीय महिला नफो का था जो अपने दो बेटों और उनकी पत्नियों और बच्चों के साथ रहते थे। परिवार इसी मकान में डेयरी का कारोबार करता था और भैंसें निचली मंजिल पर बंधी हुई थीं, जहां डेयरी चलती थी। मकान के अचानक गिरने से भैंसें भी मलबे में दब गई। घटनास्थल पर दमकल विभाग की टीम पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि, शहर के पुराने और घनी आबादी वाले इलाके में जेसीबी मशीनों का पहुंचना मुश्किल हुआ है, जिससे बचाव कार्य में बाधा आई है। पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि मलबे को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है और मलबे में दबे लोगों को बचाने की पूरी कोशिश की जारी है।

नाबालिग संग दुष्कर्म के आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित

बलिया, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
उत्तर प्रदेश में बलिया जनपद के पकड़ी थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय नाबालिग के साथ तीन बदमाशों द्वारा कथित तौर पर हाथ पैर और मुंह बांधकर दुष्कर्म का प्रयास करने तथा धारदार हथियार से प्रहार कर उसे घायल करने के मामले में मुख्य आरोपी का स्केच बनावाकर उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने शनिवार को बताया कि मामले में किशोरी की मदद से मुख्य आरोपी का स्केच बनवाते हुए उसपर 25हजार का इनाम घोषित किया गया है।

आरोपी की सूचना देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्त–ारी के लिए टीम में गठित कर प्रयास किया जा रहा है।

पकड़ी थाने में दर्ज मुकदमे के अनुसार जिले के पकड़ी थाना क्षेत्र की एक गांव की रहने वाली 14 वर्षीय नाबालिग किशोरी गत 12 सितंबर को जब परीक्षा देकर विद्यालय से घर लौट रही थी। तभी रास्ते में पहले से ही घात लगाकर बैठे तीन अज्ञात बदमाशों ने उसे पकड़ लिया तथा नहर में ले जाकर उसके दुपट्टे से हाथ पैर और मुंह बांधकर उसके पैरों को पैर से दबाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया। किशोरी द्वारा विरोध किए जाने पर बदमाशों ने उसके पेट पर धारदार हथियार से प्रहार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके उपरांत बदमाश किशोरी को नहर में फेंक कर वहां से फरार हो गए।

घटना के बाद स्थानीयों द्वारा उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसका इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किशोरी के पिता की तारीफ पर मामले में तीन अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 151 (2), 118 (1), 352, 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 7 व 8 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

भदोही में सपा विधायक और उनकी पत्नी के खिलाफ एफआईआर

नाबालिग नौकरानी ने आवास पर की थी खुदकुशी

भदोही, 14 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग के घर बतौर नौकरानी का काम करते बरामद की गई नाबालिग किशोरी के मामले में श्रम विभाग ने सीडब्ल्यूसी के निर्देश पर विधायक व उनकी पत्नी के खिलाफ शनिवार को मुकदमा दर्ज कराया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी जेपी सिंह ने बताया कि भदोही विधायक जाहिद बेग के पैतृक आवास पर विगत दिनों एक नाबालिग किशोरी का रहस्य में परिस्थितियों में शव बरामद हुआ था। मामले की जांच के लिए विधायक के घर पहुंची पुलिस, श्रम विभाग व किशोर न्याय पीठ (सीडब्ल्यूसी) की संयुक्त टीम ने पाया कि उनके घर पर एक अन्य नाबालिग किशोरी भी बतौर नौकरानी काम कर रही थी। टीम उसे कोतवाली ले आई जहां मेडिकल परीक्षण के बाद उसे नारी संरक्षण निकेतन प्रयागराज भेज दिया गया। बताया गया कि विधायक के घर बरामद किशोरी की उम्र 17 वर्ष के आसपास है, जो पिछले कई वर्षों से विधायक यहां रहकर घर का काम करती थी। किशोरी ने सीडब्ल्यूसी के सामने दिए अपने बयान में आरोप लगाया कि विधायक जाहिद बेग व उनकी पत्नी सीमा बेग उसके साथ अक्सर मारपीट किया करती थी। मजदूरी मांगने पर डाटा फटकारा जाता था जिससे वह मानसिक यातनाओं के बीच विधायक के यहां रहकर जीवन यापन कर रही थी। किशोरी के मेडिकल परीक्षण के बाद रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी उम्र 17 वर्ष के आसपास है। मामले में सीडब्ल्यूसी के निर्देश पर विधायक जाहिद बेग व उनकी पत्नी सीमा बेग के खिलाफ शहर कोतवाली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी जेपी सिंह की तहरीर पर पुलिस भारतीय न्याय संहिता– 2023 की धारा 143 (4), 143 (5), किशोर न्याय की धारा 79, 4 व 16 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 3 विकेट से हराया

इंग्लैंड ने 3 टी-20 मैचों की श्रृंखला में की 1-1 से बराबरी

कार्डिफ, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

अनुभवी लियाम लिविंगस्टोन के हरफनमौला प्रदर्शन की मदद से इंग्लैंड ने शुक्रवार को कार्डिफ में ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में 1-1 की बराबरी कर ली है।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जेक फ्रेजर-मैकगर्क (50) के पहले अर्धशतक और जोश इंग्लिस के 26 गेंदों पर 42 रनों की तेज पारी की बदौलत 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन बनाए। इन दोनों के अलावा मैथ्यू शॉर्ट ने 28 और कप्तान ट्रेविस हेड ने 31 रन बनाए। अंत में आरोन हार्डी ने 9 गेंदों में 20 रन की तेज पारी खेली।

इंग्लैंड के लिए लिविंगस्टोन और ब्रीडन कार्स ने 2-2 और सैम करन, आदिल राशिद ने 1-1 विकेट लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम एक समय 79 रनों पर 3 विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी, लेकिन यहां से लिविंगस्टोन (47 गेंदों पर 87 रन) और जैकब बेथेल (24 गेंदों पर 44 रन) के बीच केवल 47 गेंदों पर 90 रनों की साझेदारी ने उन्हें वापस मैच में ला दिया और इंग्लैंड ने 1ओवर शेष रहते 194 रन बनाकर 3 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इंग्लिश कप्तान फिलिप शॉर्ट ने भी 39 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मैथ्यू शॉर्ट ने 5 विकेट लिए, जबकि सीन एबॉट ने 2 विकेट झटके।

दोनों टीमों के बीच तीसरा और अंतिम टी-20 मैच रविवार को खेला जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

इंटर मियामी के लिए वापसी को तैयार लियोनेल मेसी

वाशिंगटन। लियोनेल मेसी चोट के कारण दो महीने से अधिक समय तक बाहर रहने के बाद इस सप्ताह के अंत में इंटर मियामी के लिए एक्शन में लौटने के लिए तैयार हैं। 37 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के दौरान टखने की चोट के बाद से नहीं खेला है। हालांकि वह पूर्ण प्रशिक्षण पर लौट आए हैं और शनिवार को फिलाडेल्फिया के खिलाफ इंटर मियामी के घरेलू मुकाबले के लिए उनका खेलना तय है। इंटर मियामी के प्रबंधक गेरार्डो मार्टिनो ने संवाददाताओं से कहा, हां, वह ठीक हैं। उन्होंने गुरुवार को प्रशिक्षण लिया और वह मैच के लिए हमारी योजनाओं में है। प्रशिक्षण के बाद हम उसके लिए रणनीति के बारे में सोचेंगे, लेकिन वह उपलब्ध हैं। मेसी के नाम इस सीजन में 12 मेजर लीग सॉकर मैचों में 12 गोल और 13 सहायता हैं। मार्टिनो आठ बार के बैलन डी ओर विजेता की मैच फिटनेस की कमी से चिंतित नहीं थे, उन्होंने कहा कि उनकी उपस्थिति मात्र से फ्लोरिडा टीम को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मार्टिनो ने कहा, अपनी टीम के लिए दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का वापस स्वागत करना, जो पहले से ही अच्छे प्रदर्शन पर थी, हम सभी को बहुत खुशी हो रही है। इंटर मियामी वर्तमान में 27 मैचों में 59 अंकों के साथ मेजर लीग सॉकर के ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से आठ अंक आगे है।

इंडिया अंडर-19 टीम के युवा खिलाड़ियों को सूर्यकुमार ने दिया गुरुमंत्र

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टी20 के मास्टर सूर्यकुमार यादव इंडिया अंडर-19 टीम के

खिलाड़ियों से बेंगलुरु के एनसीए में मिले। एनसीए में युवा खिलाड़ियों को कैंप चल रहा है। इंडिया अंडर-19 टीम 21 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम से वनडे में भिड़ेगी। इस सीरीज से पहले सूर्या ने युवाओं का मनोबल बढ़ाया। सूर्यकुमार ने खिलाड़ियों को अपने कौशल का अच्छी तरह से इस्तेमाल करने, एकजुट होने और प्रक्रिया पर ज्यादा ध्यान देने के लिए टिप्स दिए। खेल के सबसे छोटे प्रारूप से रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम के टी20 कप्तान बने सूर्यकुमार यादव ने भारत की जूनियर टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सितंबर से शुरू होने वाली सीरीज से पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अंडर-19 क्रिकेटरों के साथ बातचीत की। एनसीए के सूत्र ने बताया कि सूर्यकुमार ने युवा खिलाड़ियों से कहा कि वे अपने अद्वितीय कौशल के साथ पूरा न्याय करें और प्रक्रिया पर भरोसा रखें। आप जैसे हो हमेशा वैसे ही बने रहना। आपमें से हरेक के पास एक विशिष्ट कौशल है और उसके साथ पूरा न्याय करना। प्रक्रिया और दिनचर्या पर ज्यादा ध्यान देना। परिणाम खुद ही आपके अनुकूल होगा।

सैमसन नहीं टिक सके युवा तेज गेंदबाज के सामने, आकिब की खूब हो रही तारीफ भारत को मिल सकता है दूसरा भुवि

नई दिल्ली। इंडिया टीम के विकेटकीपर और बल्लेबाज संजू सैमसन पहली बार दलीप ट्रॉफी 2024 में खेल रहे

हैं। वह इंडिया-डी की ओर से इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। पहली पारी में संजू सैमसन ने छह गेंदों पर पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें युवा तेज गेंदबाज आकिब खान ने आउट किया। 20 साल के इस युवा गेंदबाज का नाम इससे पहले शायद ही किसी ने सुना हो। खेल के तीसरे दिन इंडिया-डी ने 33 रन पर अपना तीसरा विकेट गंवा दिया। इसके बाद संजू सैमसन उतरे। उन्होंने आते ही बाउंड्री लगा दी लेकिन फिर हुआ वही जिसका डर था। संजू सैमसन युवा पेसर आकिब खान की गेंद को पुल करना चाहते थे लेकिन, गेंद हवा में उछल गई। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कैच को लपकने में कोई गलती नहीं की। आकिब की गेंद पर संजू आउट हो गए। अब आकिब खान की खूब तारीफ हो रही है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकिब खान का जन्म 25 दिसंबर 2003 को पश्चिमी यूपी के सहारनपुर जिले के संसारपुर में हुआ था। गरीब परिवार से तालुक रखने वाले इस गेंदबाज ने अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी की थी। इसके बाद भारतीय चयनकर्ताओं का ध्यान इस प्रतिभावान पेसर आकिब पर गया। आईपीएल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस टीम के आकिब नेट बॉलर रह चुके हैं। यूपी टीम से विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की थी जिसके बाद मुंबई ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया था। आकिब खान को यूपी का दूसरा भुवनेश्वर कहा जा रहा है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024

भारत का विजय अभियान बरकरार पाकिस्तान को 2-1 से हराया

हुलुनबुइर, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने यहां शनिवार को अपने आखिरी ग्रुप चरण मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। मैच में भारत की ओर से कप्तान हरमनप्रीत सिंह (13वें, 19वें मिनट) ने दोनों गोल दागे जबकि पाकिस्तान की ओर से एक मात्र गोल नदीम अहमद (8वें मिनट) ने किया। भारत की यह इस टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है। भारतीय टीम पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। अब टीम सोमवार को सेमीफाइनल 2 खेलेगी। टूर्नामेंट का फाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा।

मैच में पाकिस्तान ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला गोल किया। आठवें मिनट में नदीम अहमद ने पाकिस्तान के लिए पहला गोल किया और 1-0 की बढ़त ले ली। हालांकि भारतीय टीम ने वापसी की और 13वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बराबरी का गोल किया। अंतिम मिनटों में काफी संघर्ष देखने को मिला लेकिन कोई भी टीम मौके नहीं बना सकी और पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।

भारतीय टीम ने दूसरे क्वार्टर की शानदार शुरुआत की और 19वें मिनट में एक बार फिर कप्तान हरमनप्रीत ने गोल कर भारतीय टीम को 2-1 से आगे कर दिया। पहले हाफ तक भारतीय टीम 2-1 से आगे रही। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने गोल करने की कोशिश की लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। पाकिस्तान ने कई पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन भारतीय गोलकीपर कृष्ण पाठक ने पाकिस्तान को बराबरी का गोल करने से रोक दिया और क्वार्टर का अंत 2-1 की बढ़त के साथ किया।

भारत ने अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए लेकिन पाकिस्तान के डिफेंस ने रोक दिया। इसके बाद आखिरी क्षणों में पाकिस्तानी खिलाड़ी राना वहीद को यलो कार्ड मिला और पाकिस्तान को 10 खिलाड़ियों के साथ आखिरी 10 मिनट खेलना पड़ा। हालांकि मैच समाप्त होने के दो मिनट पहले भारत के मनप्रीत सिंह को भी यलो कार्ड मिला और इसके साथ दोनों टीमें 10-10 खिलाड़ियों की बराबरी पर आ गईं। मैच के खत्म होने से डेढ़ मिनट पहले भारतीय टीम को पेनल्टीकॉर्नर मिला लेकिन वो गोल में तब्दील नहीं हो सका। गत चैंपियन भारतीय टीम ने टूर्नामेंट को पसंदीदा के रूप में खेला है और प्रत्येक मैच जीता है। भारत ने पहले मैच में मेजबान चीन को 3-0 से हराया, दूसरे मैच में जापान को 5-1 से हराया, तीसरे मैच में मलेशिया को 8-1 से हराया और चौथे मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की। अब पाकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। भारत सोमवार को सेमीफाइनल 2 खेलने उतरेगा।

शतरंज ओलंपियाड

पुरुषों ने दर्ज की तीसरी जीत महिलाओं ने हरिका की हार के बाद भी जीता राउंड

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

शुक्रवार रात बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने तीसरे दौर में जीत दर्ज की। तीसरे दौर में पुरुषों ने मेजबान हंगरी-बी को 3.5-0.5 से हराया, जबकि महिलाओं ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया।

द्रोणावल्ली हरिका की हार टूर्नामेंट में किसी भारतीय खिलाड़ी की पहली हार थी। उन्हें शीर्ष बोर्ड पर एलेक्जेंड्रा कोस्टेनीयुक ने हराया, जिन्होंने अतीत में रूस का प्रतिनिधित्व किया था।

अन्य सभी भारतीय महिलाओं ने जीत हासिल की, दूसरे बोर्ड पर आर. वैशाली ने ग़ज़ल हकीमीफर्ड को, तीसरे पर दिव्या देशमुख ने सोफिया ह्लीज़लोवा को और चौथे पर वंतिका अग्रवाल ने मारिया मानको को हराया। ओपन वर्ग में भारत का शत-प्रतिशत रिकॉर्ड मेजबान देश की दूसरी टीम ने तोड़ा। पहले कुछ दिनों में अपने सभी आठ गेम जीतने के बाद, दूसरे वरीय भारत को आधा अंक गंवाने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि विदित गुजराती को गैबोर पप्प ने चौथे बोर्ड पर ड्रॉ पर रोक दिया था, जिसे 170 एलो अंक से नीचे रेटिंग दी गई है।

लेकिन, डी. गुकेश, आर. प्रगनानंद और अर्जुन एरिगैसी की शानदार युवा तिकड़ी की जीत हुई, जिन्होंने क्रमशः एडम कोज़ाक, तमस बानुस्ज़ और पीटर प्रोहाज़्का पर जीत हासिल की।

डायमंड लीग फाइनल 2024: पुरुषों की 3000 स्टीपलचेज में नौवें स्थान पर रहे साबले

नई दिल्ली।

अविनाश साबले शनिवार को ब्रुसेल्स के किंग बौडॉइन स्टेडियम में डायमंड लीग 2024 फाइनल में 3000 मीटर पुरुषों की स्टीपलचेज़ में 8:17.09 के समय के साथ नौवें स्थान पर रहे।

केन्या के अमोस सेरेम फिनिश लाइन (8:06.90) को पार करने वाले पहले खिलाड़ी थे, जबकि पसंदीदा मोरक्को के सौफियान एल बक्काली 8:08:60 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। ट्यूनीशिया के मोहम्मद अमीन झिनाउई 8:09.68 का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

3000 मीटर स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले, दो बैठकों में तीन अंकों के साथ समग्र डायमंड लीग स्टैंडिंग में 14वें स्थान पर रहे। हालाँकि, उनसे उच्च रैंक वाले चार एथलीट - इथियोपिया के लामेचा गिरमा (घायल), न्यूजीलैंड के जियोर्डी बीमिश, जापान के रयुजी मुरा और यूएसए की हिलेरी बोर - हट गए, जिससे सेबल को सीजन फाइनल के शीर्ष 12 में भाग लेने की अनुमति मिली। 29 वर्षीय खिलाड़ी 7 जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में 8:09.91 के राष्ट्रीय रिकॉर्ड समय के साथ छठे स्थान पर रहे थे। वह 25 अगस्त को सिलेसिया चरण में 8:29.96 के समय के साथ 14वें स्थान पर थे। हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक 2024 में, साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ फ़ाइनल में 8: 14.18 के समय के साथ 11वें स्थान पर रहे।

बांग्लादेश संभावित रूप से अक्टूबर में दो टेस्ट मैचों के लिए करेगा दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी

ढाका, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज क्रमशः ढाका और चट्टोग्राम में खेले जाने की संभावना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। बीसीबी अधिकारी ने क्रिकबज से बातचीत में जोर देकर कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रृंखला जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है, इस तथ्य के बावजूद कि देश में राजनीतिक स्थिति के कारण संदेह पैदा हो गया था, तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी।

उम्मीद है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) अपने आगामी दौरे के संबंध में अंतिम निर्णय लेने से पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर्स एसोसिएशन (एसएसीए) के साथ बैठेगा। हालाँकि, यह समझा जाता है कि दौरे को लेकर कोई सुरक्षा चिंताएँ नहीं हैं। एक अतिरिक्त कारक जो श्रृंखला होने के पक्ष में हो सकता है वह यह है कि दक्षिण अफ्रीका की सरकार ने बांग्लादेश का दौरा करने के खिलाफ यात्रा सलाह जारी नहीं की है। बीसीबी ने श्रृंखला के लिए एक मसौदा यात्रा कार्यक्रम तैयार किया था और उसके अनुसार, पर्यटक 16 अक्टूबर को बांग्लादेश पहुंचेंगे।

दक्षिण अफ्रीका 21 अक्टूबर से ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शुरुआती टेस्ट खेलेगा, जबकि श्रृंखला का समापन दूसरा टेस्ट 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक चट्टोग्राम के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में खेला जाएगा। 3 नवंबर. बीसीबी के एक अधिकारी ने शुक्रवार को क्रिकबज को बताया, हमें उम्मीद है कि दौरा तय कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगा और हम आने वाले दिनों में इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे।

हाल ही में राजनीतिक अशांति के कारण आईसीसी महिला टी20 विश्व कप को बांग्लादेश से यूएई में स्थानांतरित कर दिया गया था, जबकि न्यूजीलैंड ए टीम का बांग्लादेश दौरा भी पुनर्निर्धारित किया गया था।

आईएसएल: अपने पहले मुकाबले में ईस्ट बंगाल से भिड़ेगा बेंगलुरु एफसी

बेंगलुरू, 14 सितंबर (एजेंसियां)।

बेंगलुरू एफसी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सीजन 2024-25 में शनिवार रात अपना पहला मैच ईस्ट बंगाल एफसी से खेलेगी। यह मुकाबला यहां श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेला जाएगा। बेंगलुरू का मजबूत ओपनिंग मैच रिकॉर्ड है, क्योंकि टीम अब तक अपना पहला मैच केवल एक बार हारी है। उन्हें वो हार पिछले सीजन में मिली थी जब वे केरला ब्लास्टर्स एफसी से 1-2 से हारे थे।

वहीं, ईस्ट बंगाल एफसी ब्लूज के खिलाफ लगातार गोल कर रही है, उसने अपने पिछले चार मुकाबलों में से प्रत्येक में गोल दागे हैं और तीन जीत हासिल की है। लेकिन यह भी तथ्य है कि रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड अच्छी शुरुआत नहीं करती है। उसने कभी भी अपना पहला आईएसएल मैच नहीं जीता है और वो इसे बदलना चाहेगी।

बेंगलुरू एफसी के हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने पिछले सीजन के मध्य में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनकी देखरेख में ब्लूज ने चार क्लीन शीट रखी थी, लेकिन पिछले सत्र में 10वें स्थान पर रहे थे। लिहाजा ब्लूज को कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है।

कोच ने कहा, जिन खिलाड़ियों को हम चाहते थे, उनको अनुबंधित किया गया। खेल निदेशक और मालिकों ने अपना काम कर दिया है और अब हमारी बारी है। प्रशिक्षण, फिटनेस और रणनीति के मामले में हमारा प्री-सीजन बढ़िया रहा।

कार्लेस कुआड्राट पिछले सीजन में ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े थे और उनकी देखरेख में, रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड डूरंड कप के फाइनल में पहुंची और सुपर कप जीती, जिससे उसे एशिया में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। हालांकि, आईएसएल में टीम की स्थिति सीजन से 2022-23 नहीं बदली है, क्योंकि वो सात क्लीन-शीट रखने के बावजूद नौवें स्थान पर रही।

कार्लेस ने कहा, हम एक टीम बना रहे हैं और पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए हमने नए खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे कि हम अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें। साथ ही, हमने युवाओं को अवसर दिए हैं। कुछ ने डेब्यू सीजन में गोल करने में सहायता की थी या फिर गोल किए थे। इस बार वे लीग के लिए अधिक तैयार हैं।

क्या आप जानते हो

बहादुर बब्बर शेर

अगर यह प्रश्न पूछा जाए कि जंगल का राजा कौन है, तो शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे मालून न हो कि शेर जंगल का राजा है। बहुत पुराने समय से उसे शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है। भारत ने भी उसे अपने राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान दिया है। वह पशुओं में सबसे अधिक रोबीला और बहादुर है। बिल्ली जाति का वह एकमात्र पशु है, जिसके नर की गर्दन दर्शनीय अयाल से सुशोभित रहती है। शेर की शारीरिक गठन, बनावट और आदतें घरेलू बिल्ली के समान होती हैं।

एक समय था, जब शेर बब्बर उत्तरी भारत के अधिकांश मैदानी जंगलों में पाया जाता था, किंतु अब उनकी संख्या काफी कम हो गई है। अपनी निर्भीकता के कारण वह सरलता से मारा गया। भारत में उनके संरक्षण के लिए गिरनार में एक संरक्षित वन बनाया है जहां लगभग दो सौ शेर है।

भारतीय शेर की लंबाई 2.5 मीटर से 2.9 मीटर और वजन 200 से 250 किलोग्राम होता है। वह समाज प्रिय पशु है और झुंड बनाकर रहता है। एक झुंड में दो तीन शेर कुछ शेरनियां और बच्चे होते हैं। वे मिलकर शिकार करते हैं, जिसमें प्रमुख भाग शेरनियां लेती हैं। शिकार पर पहला अधिकार शेर का होता है, शेरनियां व बच्चे बाद में खाते हैं। तीन वर्ष से बड़े शेर अपना नया झुंड बनाते हैं। दिन के समय शेर किसी घनी झाड़ी में सोया रहता है, शाम होते ही उसे भोजन प्राप्त करने की चिंता होती है। प्राय: वह जलाशय को जाने वाले मार्ग के किनारे दुबककर बैठ जाता है।

जुगनू कैसे चमकते हैं ?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं। जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है। पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे। जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

कुदरत का खूबसूरत अजूबा विक्टोरिया जलप्रपात

आकर्षक उद्यानों वाले पठार, ऊंची-ऊंची पर्वत श्रेणियां, रोमांचक वन्य जीवन, समुद्र जैसी विशाल झीलें और मनमोहक जलप्रपात, यह सब कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिनकी वजह से बार-बार अफ्रीका जाने को मन करता है। अफ्रीका की प्राकृतिक खूबसूरती में जो चीज सबसे अधिक हैरान करती है वह है भव्य विक्टोरिया जलप्रपात। इस जलप्रपात को कुदरत का खूबसूरत अजूबा ही कहा जा सकता है।

ऐसा अनुमान है कि प्रति मिनट जैंबेजी नदी का लगभग 55 लाख घन मीटर पानी घाटी में नीचे गिरता रहता है और इस घाटी के सामने के छोर से, जोकि नदी के तट जितना ही ऊंचा है, का आनंद आप ले सकते हैं। इस प्रपात को एक किनारे से दूसरे किनारे तक देखने के लिए आपको कार द्वारा या फिर पैदल पुल पार करके जिम्बाब्वे की सीमा में प्रवेश करना होगा। यह पुल जलप्रपात से 700 मीटर दक्षिण में स्थित है और इस पर खड़े होकर आप इसका पूरा नजारा देख सकते हैं।

विक्टोरिया जलप्रपात के आसपास लोग हजारों साल से रहते आ रहे हैं, लेकिन बाहरी दुनिया को प्रकृति के इस आश्चर्य से परिचित कराने का श्रेय एक स्काटिश मिशनरी डेविड लिविंग्सटन को जाता है। 1855 में एक छोटी सी नाव में बैठ कर वह यहां पहुंचा था। उसी ने उस समय की परंपरा के अनुसार इंग्लैंड की महारानी के नाम पर इसे विक्टोरिया जलप्रपात नाम दिया और उसके नाम पर इस शहर का नाम पड़ा लिविंग्सटन।

इस जलप्रपात का सबसे पुराना नाम शोंगवे था, जो इस क्षेत्र में बसे टोकलेया लोगों ने इसे दिया था। उसके बाद एंडेबेले लोग यहां आकर बसे और उन्होंने इसे बदल कर अमांजा थुंकुआयो कर दिया, जिसका अर्थ हुआ, धुएं में बदलता हुआ पानी। अंत में मकालोलो लोगों ने इसे एक नया नाम दिया मोस औ तुन्या, यानि गरजता हुआ धुआं। स्थानीय लोगों में आज भी यही नाम प्रचलित है। पिछले लगभग साढ़े पांच लाख वर्षों के दौरान यह जलप्रपात अपना स्थान बदलता रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान नदी अब तक सात घाटियां पीछे छोड़ कर अपने वर्तमान स्थान पर पहुंची है। यहां आपको पानी तथा कीचड़ में अपने स्थूल शरीर को छिपाने का प्रयास करते हिप्पो भी देखने को मिल जाएंगे।

आसपास के वनों में आपको एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते बंदर भी नजर आएंगे साथ ही अनेक प्रकार के पक्षियों का कलरव भी आपका मन मोह लेगा। यहां का विक्टोरिया राष्ट्रीय उद्यान हाथी, अफ्रीकी भैंस, शेर तथा अन्य वन्य पशुओं से भरा पड़ा है। नदी में बड़े-बड़े खतरनाक मगरमच्छ भी हैं इसलिए इसमें नहाना सुरक्षित नहीं है। यहां सूर्योदय तथा सूर्यास्त देखने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से दिसंबर के बीच ही होता है, उस समय नदी में पानी भी ज्यादा नहीं होता और आकाश भी साफ होता है। आधुनिक पर्यटकों के मनोरंजन के लिए यहां पैराशूटिंग और जैंबेजी पुल से बंजी जंपिंग जैसे रोमांचक खेलों की व्यवस्था है। मछली पकड़ने के शौकीनों के लिए कुछ विशेष नौकाएं भी यहां उपलब्ध हैं जो नदी के अंदर ले जाकर आपके इस शौक को पूरा करती हैं। विक्टोरिया जलप्रपात को देखने के बाद आप यह अवश्य ही महसूस करेंगे कि प्रकृति का इससे अधिक रोमांचक, नाटकीय, भव्य तथा विलक्षण रूप शायद ही कहीं अन्यत्र देखने को मिले।

पृथ्वी जैसा एक ग्रह मौजूद है सौर मंडल में

सौरमंडल में अनेक ग्रह, नक्षत्र उपस्थित हैं, इनके बारे में पता लगाने की लगातार कोशिशें चलती रही हैं। हाल ही में अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसे ही एक ग्रह की उपस्थिति का पता लगाया है जिसका आकार पृथ्वी जितना ही है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 3 गुना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चूंकि इस ग्रह की बहुत सी विशेषताएं पृथ्वी से मिलती जुलती हैं; इसलिए इस पर जीवन की सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

वैज्ञानिकों ने 'गोल्डीलॉक्स जोन' नामक इस नए ग्रह में पानी होने की सम्भावना भी व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह ग्रह जिस तारे की कक्षा में है उससे इसकी दूरी न तो बहुत कम ही है न ही बहुत ज्यादा इसलिए इस ग्रह पर पानी के तरल अवस्था में मौजूद होने की पूरी सम्भावना है। खोजे गए इस नए ग्रह की एक और विषेशता है जो हमारी पृथ्वी से मिलती-जुलती है वह ये कि वातावरण और गुरूत्व के लिए भी यह ग्रह न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा। पृथ्वी से 20 प्रकाशवर्ष दूर स्थित यह ग्रह 'ग्लीज 581' तारे की कक्षा में चक्कर लगा रहा है। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 37 दिनों का समय लगता है। इस ग्रह के एक भाग में अंधेरा है। इसके 'ग्रे' जोन में जीवन की सम्भावना है। खगोलविद स्टीवन का कहना है कि यदि खोजे गए इस नए ग्रह को अन्य वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकृति मिल गई तो यह पृथ्वी से मिलता जुलता पहला ग्रह होगा।

नए ग्रह की यह खोज हवाई स्थित 'डब्ल्यूएम कैक ऑब्जरवेटरी' में किए 11 साल के अध्ययन का परिणाम है। इस नए ग्रह की खोज के साथ ही हमारे सौरमंडल के बाहर खोजे गए ग्रहों की संख्या 400 से भी अधिक हो गई है। गौरतलब है कि हाल ही में खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे आकाशीय पिंड की पहचान की थी जिसका आकार पृथ्वी से दोगुना था, किन्तु इस ग्रह का अपने तारे के बहुत निकट होने के कारण इस पर जीवन की संभावना नहीं की जा सकी। परन्तु अब इस नए ग्रह की खोज ने अवश्य ही हमारे अलग पृथ्वी बसाने की नई उम्मीदें जगा दी हैं।

नकली हीरा

एक दिन बादशाह अकबर के दरबार में एक हीरे का व्यापारी आया। उसने बादशाह के सामने सात हीरे रखे और कहा, 'हुजूर, ये दुनिया के सबसे महंगे हीरे हैं, लेकिन इनमें एक हीरा असली नहीं है, वो शक्कर से बना हुआ है। मैं सारी दुनिया घूम आया हूं, पर कोई भी व्यक्ति पहचान नहीं कर पाया है कि इनमें से नकली हीरा कौन-सा है। क्या आपके दरबार में ऐसा कोई बुद्धिमान व्यक्ति है जो शक्कर से बने हीरे को पहचान सकता हो?'

बादशाह ने तुरंत अपने दरबारियों को हुक्म दिया और उनसे मीठा हीरा पहचानने को कहा, लेकिन उनमें से कोई भी व्यक्ति मीठे हीरे को पहचान नहीं पाया। इस पर बादशाह ने बीरबल को बुलाया और उसे नकली हीरा ढूंढने को कहा। बीरबल ने हीरों को देखा और कहा, 'बादशाह सलामत, आप मुझे कल तक का समय दें, मैं इन हीरों में से नकली हीरे को पहचान सकता हूं।'

दूसरे दिन बीरबल जलेबी का एक टुकड़ा लिए दरबार में आया। जलेबी पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। बीरबाल ने जलेबी का टुकड़ा खिड़की से बाहर फेंक दिया। बादशाह ने बीरबल को टोकते हुए कहा, 'यह क्या तमाशा है?'

बीरबल बोला, 'बस देखते जाइए। हुजूर मैं क्या करता हूं।' जलेबी बाहर फेंकते ही मक्खियां उड़कर शक्कर से बने हीरे पर जा बैठीं। बीरबल चिल्लाया, 'हजूर, यही है नकली मीठा हीरा।'

जौहरी ने कहा, 'सही हुजूर, यही है शक्कर से बना नकली हीरा। आप बहुत किस्मत वाले हैं कि आपके दरबार में बीरबल जैसा चतुर और बुद्धिमान मंत्री है। इसकी वजह से आप बड़ी से बड़ी समस्या तुरंत हल कर लेते हैं।'

रंगोली के रंग

रंगोली धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है। हमारे यहां त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि शुभ अवसरों पर रंगोली बनाने की परंपरा है। इनका उद्देश्य सजावट और सुमंगल है। रंगोली को द्वार की देहरी, आंगन के केंद्र या पूजा स्थल पर बनाया जाता है।

ऐसे हुई शुरुआत

प्राचीन काल में लोगों का विश्वास था कि कलात्मक चित्र बनाने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है। ग्रामीण अंचलों में घर-आंगन बुहारकर लीपने के बाद रंगोली बनाने का रिवाज आज भी प्रचलित है।

रंगोली की आकृतियां

रंगोली को बनाने में नारियल का चूरा, चावल का आटा, सिंदूर, रोली, हल्दी, सूखा आटा और रंगोली के रंगो का प्रयोग किया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियां। विशेष अवसरों पर बनाई जाने वाली रंगोलियों में कुछ विशेष आकृतियां भी जुड़ जाती हैं, जैसे दिवाली की रंगोली में दीप, गणेश या लक्ष्मी।

आप भी बनाएं रंगोली

यदि आपको रंगोली बनाने की प्रैक्टिस नहीं है, तो भी मन खराब करने की जरूरत नहीं है। आप भी रंगोली से अपने घर के आंगन को सजा सकते हैं। रंगोली बनाने के लिए प्लास्टिक के स्टेंसिल्स का प्रयोग भी किया जाता है। 'रेडिमेड रंगोली स्टिकर' भी बाजार में उपलब्ध हैं, उन्हें साफ जमीन पर चिपका कर उस पर रंगोली का डिजाइन बनाया जा सकता है। रंगोली को झाड़ू या पैरों से नहीं हटाया जाता है, बल्कि इसे पानी से साफ किया जाता है। किसी सुंदर से कांच या क्रिस्टल के बर्तन में पानी डालें। इसमें फूलों की पंखुड़ियां सजाएं और फिर रंग-बिरंगी कैंडल्स को पानी पर छोड़ दें। यह खुशबूदार और जगमगाती रंगोली आपके घर आने वाले मेहमानों को यकीनन बहुत पसंद आएगी।

हसो हसाओ

टीचर (जय से)- बड़े होकर तुम क्या करोगे?
जय- सर, शादी
टीचर- मेरा मतलब है कि क्या बनोगे?
जय- जी, मैं दूल्हा बनूंगा।
टीचर- मेरा कहना चाह रहा हूं कि तुम क्या हासिल करोगे?
जय- दुल्हन।

संता (दुकानदार से)- एक केला कितने का दिया?

दुकानदार- एक रुपए का एक।

संता- यह तो बहुत महंगा है, तुम मुझे 60 पैसे में दोगे क्या?

दुकानदार- इतने कम पैसों में तो सिर्फ केले का छिलका ही मिलेगा।

संता- तो ठीक है न, ये लो 40 पैसे और सिर्फ केला दे दो।

रंग भरो

समुद्र किनारे लाइब्रेरी

आईकिया कंपनी ने अपनी बीसवीं सालगिरह के उपलक्ष्य में सिडनी बाडी बीच में केवल एक दिन के लिए समुद्र के किनारे एक नायाब लाईब्रेरी पेश की थी। इसमें लाल रंग की 30 बुक शैल्फ रखी गई थीं।

कारों से महंगे ऊंट

आबूधाबी में लगे एक ऊंट महोत्सव में ऊंटों की कीमत मर्सिडीज कारों से भी ज्यादा थी। हाल ही में हुए एक महोत्सव में ऊंट व्यवसायी हमदान बिन गानीम अल फलादी ने 3 ऊंट दो करोड़ चालीस लाख दिहराम (करीब 29 करोड़ रुपए) में खरीदे।

घोंसले वाला मेंढक

कर्नाटक में एक विशेष प्रजाति का मेंढक पाया जाता है, जो पक्षियों की तरह घोंसला बनाकर रहता है। परभक्षियों से आपने अंडों की हिफाजत करने के लिए वह पजे से अपना घोंसला बनाता है।

जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान हुए जारी

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां)। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने शनिवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए। रिपोर्ट में चोरी के पैटर्न का व्यापक विश्लेषण किया गया है। इसके साथ ही जीएसटी चोरी और रणनीतिक प्रवर्तन के महत्वपूर्ण मामलों पर प्रकाश डाला गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की तरफ से शनिवार को 'एक्स' पोस्ट में बताया गया है कि जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24: जीएसटी चोरी के रुझान जारी किए हैं। इस रिपोर्ट को सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने डीजीजीआई सदस्य अनुपालन प्रबंधन राजीव तलवार एवं अन्य की उपस्थिति में जारी किया। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय का दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन सिलीगुड़ी में शुरू हुआ। इसका उद्घाटन अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में कर प्रवर्तन, उभरते कर चोरी क्षेत्रों की पहचान और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में सीईएसटीएटी, डीजीएआरएम, प्रवर्तन निदेशालय, एनएफएसयू, आई4सी, डीओटी और जीएसटीएन के प्रतिष्ठित आमंत्रितों के सत्र होंगे, जिनमें उन्नत डिजिटल फोरेंसिक, एनसीआरपी, बीआईएफए और सफल जांच जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) वित्त मंत्रालय के अधीन एक कानून प्रवर्तन एजेंसी है। यह एजेंसी भारत में कर चोरी से लड़ने के लिए जिम्मेदार है। इसकी स्थापना 1979 में कर चोरी विरोधी महानिदेशालय के रूप में की गई थी, जिसे बाद में नाम बदल कर केंद्रीय उत्पाद शुल्क खुफिया महानिदेशालय कर दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जम्मू कश्मीर...

परिवारवादी नहीं चाहते थे कि युवा राजनीति में आए। 2014 में सरकार में आने के बाद मैंने जम्मू-कश्मीर में नौजवानों की नई लीडरशीप को आगे लाने का प्रयास किया है। फिर 2018 में यहां पंचायत के चुनाव कराए गए, 2019 में बीडीसी के चुनाव हुए और 2020 में पहली बार डीडीसी के चुनाव कराए गए। ये चुनाव इसलिए कराए गए ताकि जम्मू-कश्मीर में डेमोक्रेसी ग्रासरूट तक पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन राजनीतिक दलों ने सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पीसते रहे। परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू कश्मीर में नए नेतृत्व को कभी उभरने ही नहीं दिया।

पीएम मोदी ने कहा, इस बार जम्मू-कश्मीर का चुनाव, जम्मू-कश्मीर का भाग्य तय करने वाला है। आजादी के बाद से ही हमारा प्यारा जम्मू-कश्मीर विदेशी ताकतों के निशाने पर आ गया। इसके बाद इस खूबसूरत राज्य को परिवारवाद ने खोखला करना शुरू कर दिया। यहां जिन राजनीतिक दलों पर आपने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। उन्होंने सिर्फ और सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के मेरे नौजवान आतंकवाद में पिसते रहे। और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रही। इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कहीं भी, कभी भी उभरने ही नहीं दिया।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि एक सुरक्षित जम्मू कश्मीर का निर्माण करेंगे। यह चुनाव जम्मू कश्मीर का भाग्य तय करेगा। पीएम ने कहा कि मैं आपके इस प्यार और आशीर्वाद का बदला आपके और देश के लिए दोगुनी और तिगुनी मेहनत से चुकाऊंगा। हम सब मिलकर एक सुरक्षित और समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाएंगे और यह मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने डोडा से ही पूरे चिनाब घाटी के आठ विधानसभा सीटों डोडा, डोडा पश्चिम, भद्रवाह, किश्तवाड़, इंद्रवल, पाडर-नागसेनी, रामबन और बनिहाल के प्रत्याशियों के लिए समर्थन की लोगों से अपील की। इन आठ सीटों के लिए 18 सितंबर को मतदान होना है। 2014 के चुनाव में प्रधानमंत्री ने किश्तवाड़ में रैली की थी। डोडा के लोग चाहते थे कि प्रधानमंत्री उनके इलाके में आएं ताकि वे उन्हें देख सकें। मोदी की रैली से केंद्र शासित प्रदेश में भाजपा के चुनाव प्रचार अभियान को और बल मिलेगा। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली चुनावी रैली शनिवार को डोडा में हुई।

डोडा जिला 2014 के विधानसभा चुनाव में तब सुर्खियों में आया जब यहां पहली बार भाजपा का कमल खिला। केंद्र में मोदी सरकार बनने के बाद भाजपा को यहां जीत मिली। अब 10 साल बाद होने जा रहे विधानसभा चुनाव में परिस्थितियां बदली हैं। अनुच्छेद 370 और 35ए समाप्त हो गया है। 2014 तक जिले में डोडा और भद्रवाह, दो सीटें थीं। दोनों पर 2014 में कमल खिला। अनुच्छेद 370 हटने के बाद परिसीमन हुआ तो डोडा की भौगोलिक स्थिति के मद्देनजर अब डोडा और डोडा पश्चिम सीट का गठन किया गया है। दोनों सीटों पर जातीय समीकरण तो नहीं है, पर हिंदू और मुस्लिम मतों के ध्रुवीकरण पर ही जीत-हार का फैसला होने की उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस के बीच गठबंधन है, पर डोडा सीट पर दोनों पार्टियां लड़ रही हैं। नेकां और पीडीपी की ओर से अनुच्छेद 370 की बहाली की गारंटी के बाद भाजपा इसे मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। डोडा पश्चिम सीट पर हिंदू वोटर 60-65 फीसदी, तो मुस्लिम 30-35 फीसदी हैं। यहां अनुसूचित जाति के 16 प्रतिशत वोटर हैं। इसके विपरीत डोडा में 25-26 फीसदी हिंदू और शेष मुस्लिम मतदाता हैं। लेकिन, यहां कांग्रेस, नेकां, डीपीएपी व पीडीपी के मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में हैं। आपा से लोकसभा चुनाव लड़ चुके मेहराज मलिक भी लड़ रहे हैं। ऐसे में मुस्लिम मतों का विभाजन होना तय है।

डोडा में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के उम्मीदवार और पूर्व मंत्री अब्दुल मजीद वानी, नेकां उम्मीदवार और पूर्व गृह मंत्री खालिद नजीब सुहरावर्दी मैदान में हैं। गुलाम नबी आजाद की ओर से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पहले चरण के प्रचार में सामने आने से इन्कार कर दिया गया था। साथ ही, उन्होंने पार्टी प्रत्याशियों से अपील की थी कि इस परिस्थिति में वह चाहें तो उम्मीदवारी वापस ले सकते हैं। इसके बाद भी वानी ताल ठोक रहे हैं। डोडा में भाजपा ने युवा चेहरे और संघ के करीबी गजय सिंह राणा पर भरोसा जताया है। डोडा पश्चिम से भाजपा-पीडीपी सरकार में राज्य मंत्री रहे शक्ति राज परिहार चुनाव लड़ रहे हैं। शक्ति राज ने 2014 में डोडा में कमल खिलाया था। इससे पहले वह 2008 में इंद्रवल सीट से भाजपा प्रत्याशी थे, लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी थी। डोडा में कुल 10 और डोडा पश्चिम में आठ उम्मीदवार मैदान में हैं।

मोदी की रैली में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जी किशन रेड्डी, राष्ट्रीय महासचिव एवं चुनाव प्रभारी राम माधव, प्रदेश प्रभारी तरुण चुग के साथ पार्टी प्रत्याशी मौजूद थे। भारतीय जनता पार्टी जम्मू संभाग की सभी 43 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 2014 के चुनाव में उसे 25 सीटें मिली थीं। काफी मंथन के बाद पीडीपी के साथ 2015 में गठबंधन की सरकार बनी थी, लेकिन जून 2018 में भाजपा के समर्थन वापस ले लेने से सरकार गिर गई थी। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में हो रहे चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभी चरणों में चुनावी सभाएं होंगी। दूसरे चरण में 19 सितंबर को श्रीनगर में चुनावी रैली होगी। तीसरे चरण में 26 सितंबर को रैली प्रस्तावित है। फिलहाल रैली के लिए स्थान चिन्हित नहीं हो पाया है।

बारामूला में तीन ...

घेरा सख्त होता देख छिपे आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग में चार जवान घायल हो गए। घायलों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। फायरिंग शुरू होने पर सेना के जवानों ने भी मोर्चा संभाला और आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

उधर, मुठभेड़ शुरू होने के बाद किश्तवाड़ के साथ ही डोडा जिले में भी अलर्ट कर दिया गया है। अतिरिक्त नाके लगाकर वाहनों की चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा बलों की ओर से जगह-जगह औचक निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुठभेड़ स्थल पर फोर्स को भेजा गया है। किश्तवाड़ में पिछले काफी समय से कुछ आतंकी बड़ी घटना के अंजाम देने की फिराक में हैं। कुछ समय पहले पडिहारना के नवनटु इलाके में भी आतंकी देखे गए थे, जहां दोनों तरफ गोलीबारी हुई थी। इसमें आतंकी भागने में सफल हो गए थे। इससे पहले बुधवार को उधमपुर के बसंतगढ़ में सुरक्षाबलों ने दो पाकिस्तानी आतंकियों को मार गिराया गया था। मारे गए आतंकियों से भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किए गए हैं।

जब तक...

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कर्मचारियों की हितैषी भाजपा सरकार नई पेंशन स्कीम लेकर आई है। इसमें कर्मचारियों के लिए निश्चित पेंशन की गारंटी है। इस नई पेंशन स्कीम का व्यापक स्वागत हुआ है, सरकारी कर्मचारियों ने इस पर खुशी जताई है। कांग्रेस ने किसानों के साथ ही हमेशा देश की रक्षा करने वाले जवानों को भी धोखा दिया है। ये भाजपा सरकार ही है, जिसने पूर्व सैनिकों के लिए वन रैंक वन पेंशन लागू की। ये लोग एमएसपी को लेकर कितना शोर मचाते हैं, जबकि हमारा हरियाणा देश का वो राज्य है, जो 24 फसलें एमएसपी पर खरीदता है। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि वो लोग कर्नाटक और तेलंगाना में कितनी फसलें एमएसपी पर खरीदते हैं? वहां किसानों को कितना एमएसपी देते हैं? भाजपा की केंद्र सरकार ने किसान का बोझ अपने ऊपर लेने के लिए अनेक प्रयास किए हैं।

कांग्रेस किसानों के लिए बड़ी-बड़ी बातें करती है, उन्हें बड़े-बड़े सपने दिखाती है। सच्चाई ये है कि ये झूठ के अलावा कुछ नहीं है। अगर कांग्रेस में दम है, तो वो कर्नाटक और तेलंगाना में अपनी किसान योजनाएं क्यों नहीं लागू करती? कर्नाटक और तेलंगाना में विकास के सारे काम ठप्प हैं। कांग्रेस पार्टी की एक ही नीति है, चुनाव जीतने के लिए जनता का खजाना खाली करो। इसी तरह आप पंजाब की हालत देखिए, क्या हालत कर दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की परेशानी से, जनता की समस्याओं से कांग्रेस को कभी कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी देश में और कोई नहीं है। भाजपा सरकार के आने से पहले यहां आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं था। आज हरियाणा करीब-करीब शत प्रतिशत नल से जल वाला राज्य बन रहा है। पीएम बोले, हमने कांग्रेस की सरकार का वो दौर देखा है। विकास का पैसा सिर्फ एक जिले तक सीमित रह जाता था। इतना ही नहीं, वो पैसा किस-किस के जेब में जाता था, इसको भी हरियाणा का बच्चा-बच्चा जानता है। भाजपा ने पूरे हरियाणा को विकास की धारा से जोड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैंने कहा था कि इस बार भाजपा सरकार के पहले 100 दिन में बड़े फैसले के होंगे। गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं के मजबूत बनाने वाले होंगे। अभी 100 दिन पूरे भी नहीं हुए हैं, लेकिन हमारी सरकार ने करीब 15 लाख करोड़ रुपए के नए काम शुरू करवा दिए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ने खटाखट 8500 देने का झूठ बोला। लोग 1 जुलाई को लाइन में लग गए पैसे के लिए, लेकिन मिला केवल धोखा। पीएम मोदी ने कांग्रेस को धोखेबाज और झूठे वादे करने वाला बताया। बोले कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश की स्थिति खराब कर दी। पीएम मोदी ने कहा, हिमाचल प्रदेश में हर घर को झूठ की घुट्टी पिलाई। कोई वायदा पूरा नहीं किया। सरकारी कर्मी वेतन के लिए हड़ताल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री व मंत्री को सैलरी छोड़ने का बहाना करना पड़ रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, हमने वह दौर भी देखा है जब विकास का पैसा एक जिले तक ही रह जाता था। भाजपा सरकार आने से पहले हरियाणा के आधे घरों में नल कनेक्शन नहीं थे। अब शत प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन हैं। भाजपा सरकार गरीब व मध्यम वर्ग के लिए बिजली का बिल जीरो करने में जुटी है। इसके लिए पीएम सूर्य उदय योजना शुरू की है। पिछले 50 साल का इतिहास है कि हरियाणा की विशेषता रही है दिल्ली में जिसकी सरकार रहती है हरियाणा में भी उसी की सरकार बनाते हैं कभी उलट फेर नहीं होने देते हैं। कुरुक्षेत्र से हमारे मुख्यमंत्री खुद ही उम्मीदवार हैं। हरियाणा में भाजपा सेवाभाव के साथ काम कर रही है। हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। हरियाणा में भाजपा की हैट्रिक तय है।

पीएम मोदी ने कहा, मैं आज हरियाणा के लोगों के बीच आया हूं, आप लोग इस गरीब के बेटे को आशीर्वाद दीजिए, भाजपा को आशीर्वाद दीजिए। फिर एक बार भाजपा सरकार। पीएम बोले कि कुरुक्षेत्र में आना, भारत की संस्कृति के तीर्थ का दर्शन करना मन को भर देता है। यहां गीता का ज्ञान है, यहां सरस्वती सभ्यता के निशान है, ये गुरु गोविंद सिंह जी की छठी पातशाही की धरती है। यहां श्री गुरु गोविंद सिंह जी की चरण पड़े हैं। ऐसी पावन धरती से मैं आपसे फिर एक बार भाजपा सरकार बनाने का निवेदन करने आया हूं। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी प्रदेश के विकास के लिए 24 घंटे तैयार हैं। मुख्यमंत्री का पिछड़े समाज से पहुंचना बड़ी उपलब्धि है। पीएम बोले कि भाजपा जो कहती है उसे पूरा करती है। तीन करोड़ पक्के घरों को मंजूर किया गया है। यह गरीब के सपनों का घोसला होगा। उनका पक्का पता होगा। एक करोड़ महिलाएं लखपति दीदीयां बन चुकी हैं और तीन लाख बनाने का लक्ष्य है। सैकड़ों लखपति दीदीयां हरियाणा में भी बनी हैं। 70 वर्ष के बुजुर्गों को भी अब पांच लाख तक का स्वास्थ्य लाभ मिलेगा चाहे वह किसी भी वर्ग से हो। अब उसके बच्चों को बुजुर्गों की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली भी रैली में पहुंचे। रैली में साढौरा से प्रत्याशी बलवंत सिंह, अंबाला शहर से असीम गोयल और कालका से शक्ति रानी भी मौजूद रहे। रैली में भाजपा के कई अन्य प्रत्याशी भी पहुंचे। इनमें थानेसर से सुभाष सुधा, घरौंडा से हरविंदर कलयान, इंद्री से राम कुमार कश्यप, नीलोखेड़ी से भगवान दास कबीर पंथी, असंध से योगेंद्र राणा, पूंडरी से सतपाल जाबा, करनाल से जगमोहन आनंद, शाहाबाद के सुभाष चंद्र, रादौर से श्याम सिंह राना, पंचकूला से ज्ञानचंद गुप्ता के अलावा मुख्यमंत्री नायब सैनी, कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल और कैथल से प्रत्याशी लीलाराम गुर्जर नजर आए। इनके अलावा रैली में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, अनिल विज और कंवरपाल गुर्जर भी पहुंचे।

आम तौर पर पीएम मोदी हरियाणा में चुनावी रैलियों की शुरुआत दक्षिण हरियाणा से करते आए हैं। मगर इस बार जीटी बेल्ट को मजबूत करने के उद्देश्य से वह कुरुक्षेत्र पहुंचे। रैली को सफल बनाने के लिए भाजपा ने पूरी तैयारी की। प्रदेश अध्यक्ष के साथ सीएम नायब सिंह सैनी रैली स्थल का दौरा करके गए। भाजपा ने अपने सभी कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाने का लक्ष्य दिया था। धर्मनगरी की धरती से मोदी उत्तर हरियाणा के छह जिलों की 23 विधानसभा सीट के मतदाताओं को साध गए। लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार मोदी हरियाणा में आए और राज्य में हैट्रिक जमाने के लिए विपक्ष को घेरा।

जयशंकर ने...

उन्होंने लगातार कहा है कि जब तक चीन के सैनिक पुराने तैनाती वाले स्थान पर नहीं चले जाते, तब तक हालात में सुधार की गुंजाइश कम है। विदेश मंत्री एस जयशंकर को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच में अनौपचारिक बैठक कराने में मुख्य किरदार निभाने वाला माना जाता है। जयशंकर चीन में भारत के राजनयिक रह चुके हैं। इधर रूस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मुलाकात अपने चीनी समकक्ष और विदेश मंत्री वांग यी से भी हुई है। एनएसए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मिले हैं। पुतिन इस समय क्षेत्रीय गठजोड़ पर काफी अधिक ध्यान दे रहे हैं। पुतिन चाहते हैं कि भारत-चीन और रूस के बीच में बना त्रिपक्षीय फोरम आरआईसी फिर से अपने मजबूत आधार को पाए। द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और त्रिपक्षीय तथा अंतरराष्ट्रीय मुद्दे इसमें चर्चा में आएं और समाधान का रास्ता निकाला जाए। इसी आरआईसी फोरम में 2006 में ब्राजील और फिर 2010 में साउथ अफ्रीका के शामिल होने के बाद यह ब्रिक्स के स्वरूप तक विस्तारित हुआ है। जयशंकर ने ब्रिक्स को लेकर भी दुनिया को ताना मारा है। उन्होंने पश्चिम के देशों को खरी-खरी सुनाते हुए कहा कि आप जी7 के क्लब में जाने नहीं देते तो हमने खुद का क्लब (ब्रिक्स) बनाया। जयशंकर यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि जब ब्रिक्स की बारी आती है तो आपका जवाब कितना असुरक्षित हो जाता है। जब जी-20, जी-7 है तो ब्रिक्स क्यों नहीं हो सकता? जयशंकर ने यह बयान ऐसे ही नहीं दिया है। दरअसल एक बार फिर भारतीय कूटनीति के रणनीतिकार बदली भू-राजनीतिक परिस्थितियों में एक बड़ी कूटनीतिक तैयारी में हैं। ब्रिक्स के शिखर नेताओं की बैठक होने वाली है। पिछले साल इसमें ब्रिक्स के शिखर नेताओं ने वर्चुअली इसमें हिस्सा लिया था। इस बार सभी शिखर नेता बैठक में शरीक होने वाले हैं। 2024 में ईरान, सऊदी अरब, मिश्र, यूएई और इथोपिया भी इसके सदस्य बनाए गए हैं। इस बार 22 अक्टूबर को रूस के कजान शहर में ब्रिक्स का शिखर सम्मेलन होना है। इस शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने पहले ही मिलने की इच्छा जता दी है। एनएसए डोभाल इस संदेश को लेकर भारत आए हैं। तैयारी यह है कि इसी शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच में मुलाकात हो। रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाया जाए। माना जा रहा है कि इसमें रूस का भी काफी योगदान है।

हालांकि, विदेश मंत्रालय के अधिकारी इस बारे में अभी खुलकर नहीं बोल रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मोदी और जिनपिंग की भेंट से पहले इसके लिए वातावरण तैयार करना भी बड़ी प्राथमिकता है। इसके लिए चीन और भारत के रणनीतिकारों ने तैयारी शुरू कर दी है। भारत के प्रधानमंत्री की वैसे भी यह कूटनीतिक लाइन है कि हर समस्या का समाधान संवाद के माध्यम से संभव है। भारत बुद्ध का देश है और इस पर अमल करता है। यह बदली हुई अंतरराष्ट्रीय भू-राजनैतिक परिस्थिति की जरूरत है कि इसके अनुसार वातावरण तैयार किए जाएं।

भारत और चीन में आयात और निर्यात की लॉबी है। उसका भी अपने-अपने देशों के नीति निर्माताओं पर भारी दबाव है। भारत के कुछ प्रमुख उद्योगपति चीन के साथ बेहतर रिश्ते और तमाम वस्तुओं पर आयात शुल्क को व्यावहारिक बनाए जाने के पक्षधर हैं। पिछले कुछ महीनों में भारत ने भी इसमें कुछ ढील दी है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापारिक रिश्ते में कुछ पहल की मंशा रखते हैं। हालांकि, वाणिज्य मंत्रालय और डीआईआईपी के संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों का कहना है कि अभी रास्ते थोड़ा कठिन हैं। निकट समय में चीन के साथ उदार रिश्ते की संभावना थोड़ा दूर दिखाई दे रही है। एक लॉबी ऐसी भी है जो चीन के सस्ते सामान से बाजार के पटने और थाईलैंड, इंडोनेशिया जैसे हालात होने की भी चेतावनी दे रही है। वहीं उत्पादन क्षेत्र के दिग्गजों का कहना है कि चीन से कच्चा माल आने में समस्या के कारण भारत को दूसरे वस्तुओं के निर्यात में समस्या झेलनी पड़ रही है।

आंकड़ों की बात करें तो 2015-2022 तक भारत और चीन के बीच में द्विपक्षीय व्यापार में 12.87 प्रतिशत वार्षिक की दर से 90.14 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई। 2022 में चीन के साथ कुल व्यापार में 8.47 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। यह 136.26 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब है। 2023-24 के दौरान चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश रहा। पिछले साल दोनों देशों के बीच में 118.4 अरब डॉलर का कारोबार हुआ, जबकि दूसरे नंबर पर अमेरिका है। अमेरिका के साथ भारत का 2023-24 में 118.3 अरब डालर का कारोबार हुआ है। हालांकि, इसके सामानांतर एक तस्वीर है। भारत ने 2023-34 के दौरान चीन को 16.66 अरब डॉलर (अमेरिकी) का निर्यात किया था, जबकि आयात 101.75 अरब डॉलर का हुआ। अमेरिका को यही निर्यात 77.5 अरब डॉलर का रहा और आयात 40.1 डॉलर का हुआ। इस तरह चीन से भारत का व्यापार घाटा 85 अरब डॉलर का है। भारत-चीन के बीच में सैन्य विसैन्यीकरण में सबसे बड़ा मसला डेपसांग और डेमचोक का फंसा हुआ है। चीन यहां से अपनी सेनाओं को अप्रैल 2020 वाली स्थिति में नहीं ले जाना चाहता। चीन के रणनीतिकार दौलत बेग ओल्डी के पास से गुजर रहे अपने हाईवे की सुरक्षा को भी इसके लिए जरूरी मान ले रहे हैं। जबकि भारत की कोशिश यहां से सैन्य विसैन्यीकरण सुनिश्चित कराने की है। यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। दरअसल, गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद भारत ने चीन के साथ सैन्य विसैन्यीकरण के उद्देश्य को हल करने के लिए बफर जोन का उपाय पर सहमति बनाई। इसके अंतरर्गत वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत की जमीन पर बफर जोन बनाए जाने की सहमति बनी। चीन के सैनिक बफर जोन के उसपार चले गए और हमारे इस पार। यह सहमति गलवान वैली के अलावा सितंबर 2022 में गोगरा हॉटस्प्रिंग के पेट्रोलिंग प्वाइंट 15 पर भी बनी। इसी आधार पर दोनों देशों के सैनिक पीछे हटे। पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी और दक्षिणी किनारे के पेट्रोलिंग प्वाइंट को इसी बफर जोन के माध्यम से सुलझाया गया।भारत की चीन के साथ बफर जोन पर सहमति, डेपसांग और डेमचोक में चीन की सेनाओं के भारतीय कब्जे वाले क्षेत्र में डटे होने को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर सरकार को घेरते रहते हैं। हाल में फिर उन्होंने बयान दिया कि भारत की राजधानी दिल्ली के क्षेत्रफल से अधिक की हमारी जमीन पर चीन ने कब्जा कर रखा है। दरअसल 2013 में चीन की सेनाओं ने इसी तरह की हिमाकत की थी। वह डेपसांग और डेमचोक में घुस आई थी। लंबे समय तक रुकी भी थी, लेकिन तत्कालीन विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और भारतीय रणनीतिकारों की पहल पर बाद में वापस लौट गई थी। इस बार 2020 में आकर डट गई। ऐसा नहीं है कि इस बार भारत ने कोशिश नहीं की। डेपसांग, डेमचोक, पैंगोंग त्सो झील के पास से चीन के सैनिकों को पीछे भेजने के लिए ही भारत ने कैलाश रेंज की पहाड़ियों से अपने सैनिकों को पीछे बुलाया था, लेकिन चीन ने बदले में केवल हेकड़ी दिखाई है।

ज्ञानवापी...

एक अछूत के वेश में उनके सामने खड़े हो गए। आदि शंकर ने जब उनसे मार्ग से हटने को कहा तब उसी रूप में भगवान विश्वनाथ ने उनसे पूछा कि आप यदि अद्वैत ज्ञान से पूर्ण हैं तो आपको सिर्फ भौतिक काया नहीं देखनी चाहिए। यदि ब्रह्म सत्य है तो मुझमें भी वही ब्रह्म है जो आपमे है। हतप्रभ आदि शंकर ने जब अछूत बने भगवान का परिचय पूछा तो उन्होंने बताया कि मैं वही हूं, जिस ज्ञानवापी की साधना के लिए वह (आदि शंकर) काशी आए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय ऋषियों-संतों की परंपरा सदैव जोड़ने वाली रही है। इस संत-ऋषि परंपरा ने प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है। हमारे संत-ऋषि इस बात ओर जोर देते हैं भौतिक अस्पृश्यता साधना के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए बाधक है। मुख्यमंत्री ने कहा, अस्पृश्यता को दूर करने पर ध्यान दिया गया होता तो देश कभी गुलाम नहीं होता। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है। नाथपंथ ने हरेक जाति, मत, मजहब, क्षेत्र को सम्मान दिया। सबको जोड़ने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाथपंथ ने काया की शुद्धि के माध्यम से एक तरफ आध्यात्मिक उन्नयन पर जोर दिया तो दूसरी तरफ समाज के हरेक तबके को जोड़ने के प्रयास किए।

सीएम योगी ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की शब्दियों, पदों और दोहों में समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता की ही बात है। उनकी गुरुता भी सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिष्ठित है। यहां तक कि मलिक मुहम्मद जायसी ने भी कहा है, बिनु गुरू पंथ न पाइये, भूलै से जो भेंट, जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट। संत कबीरदास जी भी उनकी महिमा का बखान करते हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग निगम नियोग सों। सीएम योगी ने कहा कि संत साहित्य की परंपरा, इसकी श्रृंखला गुरु गोरखनाथ के साहित्य से आगे बढ़ती है। उन्होंने बताया कि पीताम्बर दत्त जी ने गोरखवाणी को संकलित किया और इसके लिए उन्हें हिंदी में डी. लिट् की उपाधि प्राप्त हुई। सीएम योगी ने समाजिक समरसता और समतामूलक समाज को लेकर संतों की पद्धतियों, साहित्य के कुछ उद्धरण भी दिए। उन्होंने कहा कि संत रामानंद जी ने उपासना विधि की एक विशिष्ट पद्धति को बढ़ाया लेकिन छुआछूत को कभी महत्व नहीं दिया। एक तरफ रविदास उनके शिष्य थे तो दूसरी तरफ कबीरदास। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नाथपंथ की परंपरा के अमिट चिह्न सिर्फ देश के हर कोने में ही नहीं हैं बल्कि विदेशों में भी हैं। उन्होंने अयोध्या में गत दिनों तमिलनाडु के एक प्रमुख संत से हुई मुलाकात का उल्लेख करते हुए बताया कि उक्त संत से उन्हें तमिलनाडु के सुदूर क्षेत्रों की नाथपंथ की पांडुलिपियां प्राप्त हुई हैं। यहां गोरखनाथ जी से जुड़े अनेक साधना स्थल और नाथपंथ की परंपराएं आज भी विद्यमान हैं। कर्नाटक की परंपरा में जिस मंजूनाथ का उल्लेख आता है, वह मंजूनाथ गोरखनाथ जी ही हैं। महाराष्ट्र में संत ज्ञानेश्वर दास की परंपरा भी मत्स्येंद्रनाथ जी, गोरखनाथ जी और निवृत्तिनाथ जी की कड़ी है। महाराष्ट्र में रामचरितमानस की तर्ज पर नवनाथों की पाठ की परंपरा है। पंजाब, सिंध, त्रिपुरा, असम, बंगाल आदि राज्यो के साथ ही समूचे वृहत्तर भारत और नेपाल, बांग्लादेश, तिब्बत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान समेत अनेक देशों में नाथपंथ का विस्तार देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने नाथपंथ की परंपरा से जुड़े चिह्नों के संरक्षण और उसे एक म्यूजियम के रूप में संग्रहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय के महायोगी गुरु गोरखनाथ शोधपीठ इस दिशा में पहल कर सकता है। उन्होंने शोधपीठ से अपील की कि वह नाथपंथ की इनसाइक्लोपीडिया में नाथपंथ से जुड़े सभी पहलुओं, नाथ योगियों के चिह्नों को इकट्ठा करने का प्रयास करे।

मुख्यमंत्री ने कहा देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप नाथपंथ ने अपनी भूमिका को सदैव समझा। जब देश बाहरी आक्रमण शुरू हो गए थे तब नाथपंथ के योगियों ने सारंगी वादन के जरिये समाज को देश पर आए खतरे के प्रति जागरूक किया। इसी तरह सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करने में भी नाथपंथ अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि महायोगी गोरखनाथ जी ने गोरखपुर को अपनी साधना से पवित्र किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी लोगों को राजभाषा हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिंदी देश को जोड़ने की एक व्यावहारिक भाषा है। इसका मूल देववाणी संस्कृत है। मुख्यमंत्री ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के निज भाषा उन्नति वाले उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र का भाषा के प्रति यह भाव आज भी आकर्षित करता है। उन्होंने कहा कि यदि भाव और भाषा खुद की नहीं होगी तो हर स्तर पर प्रगति बाधित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश को जोड़ने के लिए हिंदी को जिस रूप में देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है, वह अभिनंदनीय है।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाशमणि त्रिपाठी ने कहा कि नाथपंथ सर्वसमाज के कल्याण का चिंतन पुंज है। यह ऐसा पंथ है जो सर्वसमाज के लिए है और सर्वसमाज का है। सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही इसका ध्येय है। मध्य प्रदेश के रेवाखण्ड समेत देश के अनेक राज्यों में विभिन्न स्थानों के नाम गोरखनाथ या गोरखपुर से जुड़े होने का उल्लेख करते हुए प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि नाथपंथ की व्याप्ति पूरे देश में है। यह सर्वाग्रही पंथ है। नाथपंथ का आभिर्भाव किसी आंदोलन से नहीं हुआ है बल्कि इसने खुद अनेक आंदोलनों का नेतृत्व किया है जिनमें अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर निर्माण का भी आंदोलन प्रमुख रूप से शामिल है।

उन्होंने कहा कि नाथपंथ में श्रवण और भ्रमण, दोनों ही परंपराएं समाहित हैं। यह सामाजिक समरसता, त्याग, मानव कल्याण और सर्वकल्याण की भावना से परिपूर्ण पंथ है। हिंदी दिवस पर सभी लोगों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. त्रिपाठी ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हिंदी, हिंदुत्व और राष्ट्रीयता का प्रतीक बताया। उन्हें मानक मुख्यमंत्री बताते हुए प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि देश के अन्य प्रांतों के लोग भी अपने प्रांत में योगी आदित्यनाथ जैसा मुख्यमंत्री चाहते हैं।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि नाथपंथ के मूल में ही सामाजिक समरसता अनुप्राणित है। नाथपंथ के आभिर्भावक महायोगी गोरखनाथ जी ने जिस चिंतन पर बल दिया है वह सामाजिक समरसता, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय अखंडता का है। प्रो. टंडन ने कहा कि आज समाज भाषावाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद आदि के कारण खंडित हो रहा है। समाज मे समरसता का भाव न होना राष्ट्रीयता के लिए संकट है। ऐसी परिस्थिति में नाथपंथ के विचार हमारे लिए पथप्रदर्शक हैं। नाथपंथ का दर्शन और इसके विचार हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर हैं। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का संचालन आयोजन सचिव संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी ने किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव भाषा एवं हिंदुस्तानी एकेडमी के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, पूर्व महापौर अंजू चौधरी, कार्यक्रम समन्वक महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ के उपनिदेशक डॉ. कुशलनाथ मिश्र, संगोष्ठी के संयोजक एवं राजनीति शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार उपाध्याय समेत बड़ी संख्या में विद्वतजन और विद्यार्थी उपस्थित रहे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने डॉ. पद्मजा सिंह द्वारा रचित पुस्तक नाथपंथ का इतिहास, अरुण कुमार त्रिपाठी की पुस्तक नाथपंथ की प्रवेशिका तथा महायोगी गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ की अर्धवार्षिक पत्रिका कुंडलिनी का विमोचन किया। नाथपंथ का इतिहास पुस्तक नाथपंथ के आभिर्भाव से लेकर अद्यतन काल तक के इतिहास का शोधपरक विवेचन है। जबकि कुंडलिनी पत्रिका में नाथपंथ के प्रति शोध और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर लेख संकलित हैं। साथ ही सीएम ने दीक्षा भवन की गैलरी में लगी पुस्तक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 15 सितंबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल शिक्षा समिति में हिंदी दिवस आयोजित

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति में शनिवार 14 सितंबर को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। हमारे संविधान द्वारा 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इसी उपलक्ष्य में हिन्दी दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. सुषमा देवी रही।

अवसर पर मंच पर समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, समिति के संयुक्त मंत्री राजेश कुमार अग्रवाल, एकेडमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन, संयुक्त निदेशक डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गीत द्वारा किया गया। ज्ञान की देवी सरस्वती माता के छायाचित्र के सम्मुख मंचासीन गणमान्यों ने दीप प्रज्वलित किया। सरस्वती वंदना एवं वंदे मातरम गीत एनबी साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ.जी. बाबूराव गुडीं द्वारा गाया गया। मुख्य अतिथि डॉक्टर सुषमा देवी ने कहा कि भाषा हमारी पहचान का परिधान है। हिंदी दिवस मनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम दूसरी भाषाओं का अपमान करें। बहुभाषिक भारत में हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया। हजारों वर्षों से हिंदी का इतिहास अवधि और खड़ी बोली में मिलता है। भाषा के द्वारा व्यक्ति अपने व्यक्तित्व को संवारता है।हम भौतिक रूप से स्वतंत्र हो गए किंतु मानसिक रूप से अभी भी पराधीन हैं। मन की शांति भौतिकता में नहीं बल्कि आध्यात्मिकता में है। अंग्रेजों ने हमको तोड़ा परंतु अंग्रेजी ने हमे दुनिया से जोड़ा। समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने बीबीएमएस के छात्रों को उनके प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि समिति का आरंभ ही हिंदी माध्यम से 100 वर्ष पहले हुआ था। हमको हमारे राष्ट्रभाषा के सम्मान के लिए कार्य करना होगा। बच्चों को हिंदी पढ़ना और लिखना आना अनिवार्य है।

समिति की अकादमी निदेशिका डॉ. सरोज जैन ने अपने संदेश में कहा कि भारत की स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया जो भाषा अपनी है। हमें सदा इसका सम्मान करना चाहिए, विवेकानंद जी ने विश्व धर्म सम्मेलन में हिंदी में ही बातचीत की। उन्होंने कहा की भाषा संस्कृति का दर्पण होती है परंतु हम धीरे-धीरे उस संस्कृति से हटते जा रहे हैं। भाषा और माता न कभी बड़ी होती है न छोटी होती है। हमें सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक संसद से सड़कों तक ऐसा कोई कोना नहीं है जहां हिंदी नहीं है। हमें व्यावहारिक रूप से हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। समिति के सह निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है और जीवन जीने की कला है। साहित्य से जीवन में परिवर्तन होता है। उन्होंने कहा की चिंता मत करो, चिंतन करो जिससे हम चिंता मुक्त रहते हैं। हिंदी दिवस के उपलक्ष में विद्यालय में अनेक प्रतियोगिता रखी गई। छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पुरस्कार प्राप्त किया। मंचासीन पदाधिकारी ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित किया। मंचासीन गणमान्यों द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह व शॉल प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डी बी गर्ल्स जूनियर कॉलेज की व्याख्याता किरण शर्मा, एल.बी.एम.टी स्कूल की शिक्षिका नम्रता घनाते व सीमा अग्रवाल ने किया। अवसर पर समिति की संस्थाओं की हिंदी शिक्षिकाएं मूलीबाई, उषा अग्रवाल, गायत्री अग्रवाल, दीपिका मिश्रा, मधु अग्रवाल, श्रद्धा भटनागर, गायत्री ने सामूहिक रूप से कार्य किया। आभार प्रदर्शन रश्मि बडोला ने किया। अवसर पर समिति की अन्य संस्थाओं के प्रधानगण, शिक्षकण व विद्यार्थी उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

महाभंडारे में लगभग 1500 भक्तों ने प्रसाद का लाभ उठाया

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार को एनकेएस यूथ एसोसिएशन द्वारा एकादशी के शुभ अवसर पर ऑटोनगर गणेश मंडपम में पूजा अर्चना के साथ महाभंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 1500 भक्तों ने प्रसाद का लाभ उठाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पी. काशी रेड्डी एसीपी वनस्थलीपुरम, डी. वेंकन्ना नाइक एसीपी सैदाबाद, पी. ईश्वरम्मा यादव पूर्व पार्षद, एम. लक्ष्मी प्रसन्ना पूर्व पार्षद, वाई. अशोक रेड्डी पुलिस निरीक्षक वनस्थलीपुरम, गोविंद राठी, गिरधारी लाल डागा, मनोज जयसवाल, भरत लाल मानसिंह, गजानंद चौधरी, रघु नंदन गोप, डी.श्रवण कुमार, डी.श्रीकांत, एनके अग्रवाल, कृष्णा यादव, एच.श्रीनिवास, सभी अतिथियों का साल द्वार स्वागत किया गया। इस मौके पर एनकेएस यूथ एसोसिएशन के संरक्षक एनके सिंह, अध्यक्ष अमरजीत सिंह, नंद किशोर सिंह, निखिल कुमार, राजेंद्र तिवारी, सुरेश और अन्य एनकेएस युवा संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

अन्नकूट प्रसाद का वितरण किया गया

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुराना कबूतर खाना हुस्सैनी आलम हैदराबाद में स्थित श्री बलवीर भक्त समाज प्राचीन मंदिर में जारी श्री गणेश चतुर्थी महोत्सव के शुभ अवसर पर अन्नकूट प्रसाद वितरित किया गया।

मुरली मोहन अशोक सिंह, मंदिर के चेयरमैन ने इस अवसर पर श्री गणेश जी की पूजा अर्चना कर भक्तों में अन्नकूट प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर अधिक संख्या में भक्तों ने अन्नकूट प्रसाद का लाभ लिया। इस अवसर पर हुस्सैनी आलम इंस्पेक्टर एस सुरेंदर, ठाकुर वीरेंदर तारा सिंह, टी श्रीनिवास राव, मनोहर, रमन राज मेहरा, अनुज विजयवर्गी, बालाकृष्णा, संजीव कुमार, आकाश अग्रवाल एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

लाल दरवाजा के राजा के दर्शन एवं जयकारा लगते हुए अवन अदिति, वरध मारू, युवराज, चिराग, अटल, नीरव, मयंक सारदा एवं मोहित अक्षरा आदित्य और मेहुल बंग।

बंजारा हिल्स स्थित केबीआर पार्क में भगवान गणेश जी की पूजा करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, भगवान दास अग्रवाल, राम गोयल, राजेंद्र खट्टड़, गोविंद दस, विजय मोहन लाल, कीराट मोहन लाल, संजय संघी, देवेंद्र अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, मंसाराम गुप्ता, सिद्दीपेट रेड्डी, पप्पू डाकोतिया, सुनील मोदी, चिन्नू रेड्डी, माया अग्रवाल, संध्या, यमुना आदि उपस्थित थे।

गौरक्षकों ने 63 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना, बजरंग दल एवं हिंदू तख्त, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी भी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। यहां उगादि एवं सनातनी नव वर्ष के दिन के बाद से गाय पकड़ने का सिलसिला जारी है। गौरक्षों ने पहली कंटेनर गाड़ी में 36 गोवंश कोत्तुर् पुलिस की सहायता से तथा दूसरी गाड़ी में मौजूद 27 गोवंश पटनचेरु पुलिस की सहायता से छुड़ाया। इन गाड़ियों में भरी 63 गायों को पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया।

गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से ब्रह्मारंबिका गौशाला ब्रह्मागुड़ा एवं श्री हनुमान गौशाला साध नगर में सुरक्षित छोड़कर गोवंश को जीवन दान दिया गया।

यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी के पूर्व गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महाअभियान में गौरक्षा दल तेलंगाना प्रेसिडेंट कालू सिंह, गोरक्षा दल आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष विजय रामकुमार यादव, बीजेवाईएम युवा मोर्चा मेडचाल प्रेसिडेंट पवन रेड्डी, बजरंग दल के ऊपल जिला कन्वीनर सुनील नायक, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर परमेश्वर, वैष्णव रवि, नंद्रेकर चिन सरवाना, सतीश सिंह, नर्सिंग,केशव,राहुल, विजय, अभिषेक, सोनू सिंह बिडला सहित अन्य गौरक्षक मौजूद थे।

गौसेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वार श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा में जल झुलनी एकादशी एवं गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में गौ सब्जी सेवा किया गया। इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, सुनील जयलिया, यश अग्रवाल, विनोद राठी, अजय गुप्ता के साथ समन्वय में गुड कॉज ग्रुप, प्रभु कोठारी, पूजा कोठारी, निकिता कोठारी, चांदनी कोठारी, अंजनजी, सतीशजी एवं अन्य भगतगण उपस्थित रहे।

घरौंदा मैत्री अपार्टमेंट हिमायतनगर द्वार स्थापित गणेश प्रतिमा की स्थापना की गई। इस अवसर पर उपस्थित सत्यनारायण, रेखा, रूपम, कमल, बजरंग, परमेश्वर, जीतेंद्र, पवन, पलक, राजकुमार, सुनीलपूनम रजनी एवं अन्य।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का दिया निर्देश

स्वच्छता के लिए स्वैच्छिकता और सामूहिक कार्रवाई को मजबूत करने पर दिया जोर

हैदराबाद/नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सतीश कुमार ने रेलवे के सभी जोन, रेलवे की प्रोडक्शन यूनिट्स और रेलवे के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि न सिर्फ रेलवे स्टेशनों पर बल्कि ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों और प्रोडक्शन यूनिट्स (उत्पादन इकाइयों) में भी सफाई के स्तर में उल्लेखनीय सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

रेलवे और नोडल कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में सतीश कुमार ने कहा कि 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। रेलवे द्वारा वर्ष 2017 से स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान मनाया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छ भारत मिशन के तहत आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (जल शक्ति मंत्रालय) की एक संयुक्त पहल है। इस वर्ष भी रेलवे स्वच्छता ही सेवा समारोह का आयोजन कर रहा है। हमें स्वच्छता के लिए स्वैच्छिकता और सामूहिक कार्रवाई को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए।उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष स्वच्छता ही सेवा-2023 अभियान के दौरान रेलवे ने लगभग 6,823 रेलवे स्टेशनों पर 70,0000 से अधिक मानव-घंटों के श्रमदान के साथ लगभग 2.5 लाख लोगों को अभियान में शामिल किया था। रेलवे ने स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की थीं। जिसमें बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान, कचरे की सफाई के साथ सेल्फी प्वाइंट बनाना, रेलवे की वेबसाइट पर स्वच्छता ही सेवा लोगो/बैनर लगाना, ट्रेनों/स्टेशनों में कचरे के उचित निपटान के संबंध में यात्रियों को जागरूक करने के लिए नियमित घोषणा करना, जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के नारे के साथ प्रभात फेरी निकालना, यात्रियों को जागरूक करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर गैर सरकारी संगठनों, धार्मिक निकायों और स्कूली बच्चों की मदद से नुक्कड़ नाटक आयोजित करना आदि शामिल है। इस वर्ष भी स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितम्बर से 1 अक्टूबर तक स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता थीम के साथ मनाया जाएगा तथा 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस मनाया जाएगा। स्वच्छता ही सेवा 2024 की थीम स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता पूरे भारत में स्वच्छता के प्रयासों में सामूहिक कार्रवाई और नागरिक भागीदारी की रेलवे की भावना को फिर से जागृत करने का प्रयास करती है।

स्वच्छता ही सेवा के लिए कुछ मुख्य बिंदुओं की पहचान की गई है जो इस प्रकार हैं, स्वच्छता लक्ष्य इकाई (सीटीयू), स्वच्छता में जन भागीदारी और सफाई मित्र सुरक्षा शिव भारतीय रेलवे। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसका समापन स्वच्छ भारत दिवस पर होगा। यह सभी नागरिकों, भागीदारों और हितधारकों को सक्रिय रूप से भाग लेने का अवसर प्रदान करता है। आइए हम सामूहिक रूप से स्वच्छता बनाए रखने, महात्मा गांधी की विरासत का सम्मान करने और स्वच्छता को जीवन में आत्मसात करने की अपनी प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करें। इस वर्ष भी भारतीय रेलवे स्वच्छता ही सेवा अभियान के लिए तैयार है। अब तक 3857 स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों (सीटीयू) की पहचान की गई है और स्वच्छता ही सेवा पोर्टल पर 4666 कार्यक्रम की रूपरेख तैयार की गई है। मिशन एक पेड़ मां के नाम के तहत बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाने का लक्ष्य दिया गया है। सभी रेलवे जोनल इकाइयों को स्वच्छता ही सेवा-2024 मनाने के लिए एक दैनिक गतिविधि कार्यक्रम भी दिया गया है। स्टेशनों के आस-पास के इलाकों में स्थित रेलवे ट्रैक और शहरी/अर्ध शहरी क्षेत्रों में आने वाले ट्रैक के आसपास के इलाकों की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा। प्रतीक्षा कक्षों और अन्य स्टेशन परिसरों, कॉलोनियों, रेलवे भवनों/प्रतिष्ठानों आदि में पे एंड यूज शौचालयों सहित नालियों और शौचालयों की सफाई की जाएगी। रेलवे इस अभियान को समग्र समाज दृष्टिकोण के साथ चलाने का प्रयास करेगा। जिसमें लोगों की भागीदारी पर जोर दिया जाएगा ताकि स्वच्छता सभी का काम बन सके। स्वच्छता ही सेवा पोर्टल पर दैनिक आधार पर और भी बहुत कुछ अपलोड किया जा रहा है।

तापमा की 56वीं वार्षिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाी ब्यूरो)। टीएएपीएमए (तापमा) की 56वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) फेयरफील्ड बाय मैरियट, गोवा में सम्पन्न हुई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार अध्यक्ष ए. दयाकार की अनुपस्थिति में, तापमा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र बलदवा ने सदस्यों का स्वागत किया और 2023-24 के अपने कार्यकाल के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों पर संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। तापमा के सचिव कमलेश गुप्ता ने 2023-24 के लिए अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और वर्ष के दौरान सभी समिति कार्यों की समीक्षा की। कोषाध्यक्ष अशोक भार्गव ने 2023-24 के लिए वित्तीय लेखा-जोखा प्रस्तुत किया, जिन्हें सदस्यों द्वारा अनुमोदित किया गया। निर्वाचन अधिकारी वेणुगोपाल जस्टी ने अपने सहयोगी पूर्व अध्यक्ष विमलेश गुप्ता के साथ 2024-25 के लिए चुनाव कराया और नव निर्वाचित पदाधिकारियों और प्रबंधन समिति के सदस्यों की घोषणा की। जिनमें अध्यक्ष नरेंद्र बल्दवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष भास्कर रेड्डी और मातुरी बालकृष्ण, सचिव कमलेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष मीला रवि शंकर और संयुक्त सचिव अरुण लाहोटी और ए . किशोर कुमार शामिल हैं। साथ ही प्रबंधन समिति के सदस्य हैं- ए. श्रीनिवास, रेड्डी, ए. सुधाकर, अनूप जाखोटिया, अनिल रेड्डी, अशोक भार्गव, श्रीनिवास राव, मुरली कृष्ण, राजेश कुमार, एमए अलीम, विजय कुमार, नितिन सांघी, अनिल कुमार, राधेश्याम लोया, रोहित मित्तल, संजीव जैन, सुरेश सोमानी, वी. श्रीनिवास, नरेंद्र बाबू और सुरेश बाबू शामिल हैं। एजीएम में पूर्व अध्यक्ष राजगोपाल मानधाना, प्रेम कंकरिया, भंवरलाल भंडारी और दामोदर बल्दवा, पवन उपाध्याय, प्रदीप बल्दवा, प्रदीप मित्तल, प्रताप शर्मा, पुरषोत्तम अटासनिया, राहुल अग्रवाल तापमा के अन्य प्रतिष्ठित सदस्य उपस्थित थे।

कांग्रेस भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने मनाया हिंदी दिवस

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने शनिवार, 15 सितंबर को सभागृह में हिंदी दिवस मनाया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन एवं विद्यार्थियों के वंदेमातरम् से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रकोर्षठ की चेयरमैन श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल, उप-चेयरमैन पुरुषोत्तम गुप्ता, विशेष अतिथि के रूप में समाज सेवी गोपाल बल्दवा, सत्यवंती सरायवाला, डॉ. अहिल्या मिश्रा, किरण व्यास, डॉ. किशा केडिया, भगवती अग्रवाल, शोभा पांडे, राणा सिंह, ललिता अग्रवाल एवं डॉ. राकेश शर्मा ने भाग लिया।

डॉ. अहिल्या मिश्रा ने हिंदी के महत्व को बताते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की अस्मिता उसकी अपनी भाषा से होती है। विदेशों में जितने भी देश प्रगतिशील हुए हैं वह अपनी भाषा से विकास किया है। अतः हमें भी बिना संकोच के हिंदी को अपनाना चाहिए।

राष्ट्रभाषा हिंदी एक माला में मणि के समान शोभायमान हो रही है : दिनेश सिंह

हिलेस की 596वीं साहित्य और कवि गोष्ठी का आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 596वीं मासिक साहित्य और कवि गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभा कक्ष में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। हिंदी और संस्कृत की विद्वान साहित्यकार डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने प्रथम सत्र की अध्यक्षता की। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया और सभी का स्वागत करते हुए संघ की गतिविधियों से सभी उपस्थितजनों को अवगत करवाया। इस अवसर पर मथुरा (उत्तर प्रदेश) के साहित्यकार अवधेश शर्मा, श्रुतिकांत भारती, चंपालाल बैद, सदुल्लाह खां सबील, अतियब एजाज बतौर विशेष अतिथि मंच पर विराजमान थे।

इस गोष्ठी के प्रथम सत्र में कर्मचारी राज्य जीवन बीमा निगम के सेवानिवृत्त वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ठाकुर दिनेश सिंह ने भारत की राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा हिंदी का स्वरूप विषय अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया और कहा कि आधुनिक काल में हिंदी को अपने साहित्यिक स्वरूप के साथ-साथ तीन और स्वरूपों में प्रस्तुत होने का सौभाग्य मिला है। ये स्वरूप हैं - राष्ट्रभाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी और संपर्क भाषा हिंदी। इन तीनों ही स्वरूपों को हिंदी बख़ूबी निभा रही है। भारत की सभी राष्ट्र भाषाओं में राष्ट्रभाषा हिंदी एक माला में मणि के समान शोभायमान हो रही है। वर्तमान समय में सरकारी कामकाज हिंदी में बख़ूबी हो रहा है, इसलिए यह राजभाषा हिंदी के रूप में भी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रही है। संपर्क भाषा हिंदी का स्वरूप तो निर्विवाद रूप से अटल सत्य है। क्योंकि भारत देश के एक कोने से दूसरे कोने तक हिंदी भाषा को समझने, बोलने, पढ़ने और लिखने वालों की संख्या अपार है। हम हिंदी सेवियों का कर्तव्य है कि हिंदी के साहित्यिक स्वरूप के साथ-साथ हिंदी के इन तीनों स्वरूपों के उपयोग और प्रयोग में भी अधिक से अधिक योगदान करें। इस वक्तव्य पर पर सामूहिक सारगर्भित चर्चा भी की गयी।

विशेष अतिथि व मिलिंद प्रकाशन के संचालक श्रुतिकांत भारती ने कहा कि मैं पिछले 50 वर्षों से भी अधिक समय से डॉ. रामनिरंजन पांडेय जी की प्रेरणा से हिंदी के प्रचार और प्रसार में अपना योगदान देता आ रहा हूँ। उन्होंने कहा कि हिंदी सीखने में कोई कठिनाई नहीं है। ख़ुशी की बात है कि आज पूरे संसार में हिंदी का प्रचार और प्रसार हो रहा है। हर देश की एक राष्ट्रभाषा है और भारत की भी राष्ट्रभाषा हिंदी होना अत्यंत आवश्यक है। विशेष अतिथि व उर्दू के सुप्रसिद्ध शायर अतियब एजाज ने कहा कि हिंदी प्यार और मोहब्बत की भाषा है इसमें हिंदी, उर्दू और फ़ारसी के शब्दों का उपयोग बहुत होता है। हिंदी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है इसे सभी को सीखना चाहिए।विशेष अतिथि आर.सी. उर्दू टीवी चैनल के संपादक जनाब सदुल्लाह खां सबील ने कहा कि हिंदी कवि सम्मेलनों में कविता पाठ करते-करते मुझे हिंदी से प्यार हो गया है। हिंदी और उर्दू दोनों बहनें हैं। विशेष अतिथि अवधेश शर्मा मथुरा (उत्तर प्रदेश) ने कहा कि हैदराबाद के साहित्यकार और श्रोताओं का हिंदी के प्रति अन-ुराग और श्रद्धा देखकर बड़ी प्रसन्नता हुई। मैं आज तेलंगाना की भूमि पर हूँ लेकिन मैं उत्तर प्रदेश का माहौल महसूस कर रहा हूँ। हिंदी में सभी को एक सूत्र में बाँधने की शक्ति है। हिंदी को लोकप्रिय बनाने में अहिंदी भाषियों का योगदान महत्वपूर्ण एवं सराहनीय है।

विशेष अतिथि और गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने भी हिंदी के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए काव्य पाठ किया। अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी पर जितनी बात की जाए कम है। ठाकुर दिनेश सिंह ने आज के कार्यक्रम में बहुत अच्छा वक्तव्य प्रस्तुत किया उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ देती हूँ। हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने में हमारे सक्रिय नेताओं का भी महत्वपूर्ण योगदान है। आज हिंदी विश्व भाषा के रूप में सामने आ रही है। द्वितीय सत्र में आयोजित कवि गोष्ठी गोष्ठी की अध्यक्षता हिंदी और उर्दू के कवि श्री अंजनी कुमार गोयल ने की, जिसमें हिंदी और उर्दू के कवियों ने देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ कर ख़ूब वाहवाही की। कविता पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री सुनील मिश्रा, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, गोविंद मिश्रा, उमेश चंद्र श्रीवास्तव, श्रीपूनम जोधपुरी, चंपालाल बैद, ठाकुर दिनेश सिंह, अतियब एजाज, गोविंद अक्षय, डॉ. मुमताज सुल्ताना, सुधा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, रेखा देवी वर्मा, अंजनी कुमार गोयल, अनिल कुमार गुप्ता, शिव कुमार तिवारी कोहिरी, रत्नकला मिश्र, आर.सी. उर्दू टीवी चैनल के संपादक जनाब सदुल्लाह ख़ाँ सबील, सोहेल अज़ीम, सनाउल्लाह अंसारी आदि के नाम शामिल हैं। अंत में संयोजिका व कवयित्री श्रीमती रत्नकला मिश्र ने सभी लेखकों, कवियों तथा हिंदी प्रेमी श्रोताओं के प्रति धन्यवाद व आभार प्रस्तुत किया। गीतकार श्री चंपालाल बैद और कवि गोविंद अक्षय की ओर से जलपाल की व्यवस्था की गयी थी।

एनएमडीसी हैदराबाद को मिला राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नई दिल्ली में शनिवार 14 सितंबर को आयोजित हिंदी दिवस समारोह के दौरान एनएमडीसी लिमिटेड, हैदराबाद को राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा कीर्ति द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, राज्यसभा के सांसद सुधांशु त्रिवेदी की उपस्थिति में जी. प्रियदर्शिनी, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) एनएमडीसी लिमिटेड मुख्यालय ने प्राप्त किया।

बहादुरपुर स्थित अपने निवास स्थान पर विघ्न विनाशक भगवान गणपति जी की पूजा-अर्चना करते हुए मनोज कुमार,सुमन देवी, खुशी, कशिश एवं हर्षिता।

अम्बिका नगर युथ एसोसिएशन, उप्पूगुड़ा में स्थापित गणेश जी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के बाद उपस्थित एसोसिएशन के सदस्य।

अष्टकोणी रामदेवरा में भादवा सुदी बाबा की बड़ी दशमी धूमधाम से मनाई

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रामदास मठ, इसामियां बाजार स्थित अष्टकोणी रामदेवरा (श्री रामदेव बाबा अष्टकोणी मंदिर) में भादवा सुदी बाबा की बड़ी दशमी धूमधाम से मनाई गई। मंदिर में जियागुडा के श्री शेषाचार्यजी महाराज के सान्निध्य में पूजारी श्रीचन्द्रशेखरदासजी महाराज द्वारा पूजा की गई। इस अवसर पर बाबा का भव्य कलशाभिषेक किया गया। राजभोग आरती के पश्चात प्रसादी का कार्यक्रम हुआ। रात्रि में बाबा की भव्य आरती सम्पन्न हुई।

बाबा की बड़ी दशमी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिनेश गुप्ता का स्वागत मंडल के संस्थापक एवं परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल (टंडन) ने किया। अवसर पर गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह, श्याम बाहेती ने दर्शन किये, जिनका स्वागत मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, बहनों एवं बालिकाओं के लिए विशेष कार्यक्रम रानी रूपादे (राजस्थानी वेशभूषा में) आयोजित किया गया। इस दौरान भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें श्री रामदेव कीर्तन मंडल के प्रमुख गायक राजेन्द्र प्रसाद राठी एवं सार्थियों ने भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए मुख्य अतिथि दिनेश गुप्ता एवं अन्य ने विशेष सहयोग दिया।

भारतीय जोखिम प्रबंधन संस्थान का दीक्षांत समारोह

अनुभव से ही व्यावसायिकता संभव : टी. रबी शंकर

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा है कि छात्र किसी भी क्षेत्र में डिग्री लेकर विशेषज्ञ नहीं बन सकते, विशेषज्ञता केवल अपने चुने हुए क्षेत्र विषयों का अध्ययन, आपसी विचार-विमर्श और अनुभव के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि बीमा और जोखिम प्रबंधन करना आसान काम नहीं है, इस पेशे में विश्वास, प्रबंधन में प्रतिबद्धता और समर्पण उनके विकास में योगदान देगा।

बीमा और जोखिम प्रबंधन संस्थान (आईआरएम) का दीक्षांत समारोह, जिसे आईआरडीएआई और तेलंगाना सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है, शनिवार को गाचीबोवली में आयोजित किया गया। आईआरएम के निदेशक अतनु के. दास ने स्वागत भाषण दिया, जबकि आईआर (वित्त और निवेश) सदस्य, आईआरएम निदेशक राज कुमार सिन्हा, आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक कमल पटनायक, आईआरडीएआई के स्थायी सदस्य बी.ई.सी. पटनायक, आईआरडीएआई सदस्य सत्यजीत त्रिपाठी, एसबीआई लाइफ तेलंगाना क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक खर मजूमदार और अन्य उपस्थित थे।

रबीशंकर ने 2022-2024 शैक्षणिक वर्ष के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्नातक पूरा करने वाले छात्रों को डिग्री और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को स्वर्ण पदक और प्रशंसा पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर बोलते हुए, रबीशंकर ने कहा कि जीवन और पेशे में समस्याओं का सामना करना उतना आसान नहीं है जितना कि कॉलेज में पाठ्यक्रम सुनना और सीखना, परीक्षा देना और परीक्षा पास करना। उन्होंने छात्रों को ऐसे जटिल मुद्दे को समझने का हवाला दिया क्योंकि बाजार के किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य नहीं मिलता है, फिर भी वे खेती करना जारी रखेंगे।

हाईलाइफ़ की तीन दिवसीय ज्वेल्स प्रदर्शनी का शुभारंभ

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हाईलाइफ़ की तीन दिवसीय ज्वेल्स प्रदर्शनी शनिवार, दि. 14 सितंबर, 2024 को एचआईसीसी नोवोटेल, हाईटेकसिटी में शुरू हुई।

प्रदर्शनी का उद्घाटन हाईलाइफ के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ एबे पी. डोमिनिक की उपस्थिति में अभिनेत्री तेजस्वी मदिवाड़ा, नायनी पवानी ने किया। अवसर पर शहर की प्रमुख मॉडल, आभूषण डिज़ाइनर तथा आभूषण प्रेमी मौजूद थे। प्रदर्शनी के उद्घाटन के बाद संयोजक एबे डोमिनिक ने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी देश भर में एक उत्तम ब्रांड के रूप में उभरी है, जहाँ देश-विदेश के आभूषण डिज़ाइनर और प्रमुख ब्रांड अपनी नवीनतम डिज़ाइन कलेक्शन प्रदर्शित करने के लिए लालयित हैं।

उन्होंने बताया कि यह देश की सबसे प्रीमियम और अपनी तरह की सबसे बड़ी आभूषण प्रदर्शनी है, जिसमें एक ही छत के नीचे देश के 100 शीर्ष आभूषण ब्रांड आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। आभूषण प्रेमियों के लिए यह अनूठा आयोजन है।

उन्होंने बताया कि हाईलाइफ प्रदर्शनी ने भारत के अलावा श्रीलंका, थाईलैंड, दुबई, दक्षिण अफ्रीका, सिंगापुर, ब्रिटेन, अमेरिका और अन्य देशों में फैशन, आभूषण, जीवनशैली, विलासिता के उद्योग में सबसे विशेष पहचान बनायी है। इसी तरह हाईलाइफ़ ज्वेल्स हैदराबाद में अपने चौथे संस्करण का आयोजन कर रहा है। इसमें आभूषण प्रेमियों के लिए कई तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। यह प्रदर्शनी 16 सितंबर तक जारी रहेगी।

रतनमॉल गणेश उत्सव समिति, मुबारक बाजार, आबिड्स द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में दर्शन करने पधारे गनफ़ाउण्ड्री पार्षद डॉ. सुरेखा ओमप्रकाश का समिति के सदस्यों द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। अवसर पर समिति द्वारा अन्नप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें 1000 से अधिक भक्तों ने प्रसाद का लाभ उठाया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए

अमेरिका ने किया भारत का समर्थन

न्यूयॉर्क, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
अमेरिका ने भारत, जापान और जर्मनी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने के अपने लंबे वक्त से चले आ रहे समर्थन की फिर से पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने विदेश संबंध परिषद में भविष्य के बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र सुधार का भविष्य पर हुई बातचीत में यह एलान किया। कुछ दिनों बाद दुनिया भर के नेता न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च-स्तरीय बैठक के लिए इकट्ठा होंगे। ऐसे में यह ऐलान काफी अहम माना जा रहा है। अमेरिका ने इस शक्तिशाली संस्था में सुधार के नए प्रस्ताव पेश किए हैं। लिंडा ने कहा कि जी-4 देशों में शामिल जापान, जर्मनी और भारत हमारे लिए लिए अहम हैं। हमने ब्राजील को साफ तौर पर अपना समर्थन नहीं दिया है। दरअसल, यूए-नएससी में स्थायी सदस्यता के लिये एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए जापान, जर्मनी, ब्राजील और भारत ने जी-4 समूह बनाया है। उन्होंने कहा, भारत की आबादी दुनिया में सबसे ज्यादा है और हम परिषद में उसके होने का मजबूती से समर्थन करते हैं और भारत की दावेदारी खारिज करने का कोई आधार भी नहीं है।

कर्नाटक दंगे में 10 एफआईआर, 94 आरोपितों की तलाश

मांड्या, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
कर्नाटक के मांड्या जिले के नागमंगला कस्बे में 11 सितंबर 2024 को गणपति विसर्जन के दौरान पथराव के मामले में पुलिस इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है। इस मामले में पुलिस ने 10 प्राथमिकी दर्ज की है। घटना में शामिल अब तक 56 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 90 अन्य की तलाश की जा रही है। वहीं, शिक्षण संस्थानों में छुट्टी कर दी गई है।

दंगों के दौरान ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में एक पुलिस इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार पिछले साल भी गणेश चतुर्थी के दौरान इसी तरह की दंगे की घटना के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने में विफल रहे थे। इस बार भी अशोक कुमार सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने में विफल रहे थे।

मांड्या के एसपी मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा कि मांड्या के बदरीकोप्पलु गांव में मस्जिद के पास का स्थान संवेदनशील क्षेत्र है। वहां और अधिक सुरक्षा बल तैनात किए जा सकते थे। पुलिस ने बताया कि हिंसा और दंगे के लिए 150 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इलाके की सीसीटीवी फुटेज जुटाकर आरोपितों की पहचान कर रही है और उनके बारे में जानकारी जुटा रही है। इस तरह शुक्रवार को भी पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए 52 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सबूत जुटाने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम ने गुरुवार को घटनास्थल का दौरा किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। पुलिस विभाग ने 14 सितंबर तक कर्फ्यू लगा दिया है। वहीं, अगले आदेश तक स्कूल-कॉलेजों को बंद कर दिया गया है। पुलिस ने स्थिति को देखते हुए नागमंगला शहर में फ्लैग मार्च किया और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। इस घटना को लेकर कर्नाटक भाजपा ने एक समिति गठित की है। पांच सदस्यीय इस समिति के बारे में जानकारी देते हुए प्रदेश भाजपा ने बताया कि नागमंगला में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान हुई घटना की सच्चाई का पता लगाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने नेताओं की एक तथ्यान्वेषी टीम गठित की है और एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।बदरीकोप्पलु गांव के युवक कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस निकाल रहे थे। जुलूस जैसे ही एक मस्जिद के पास सड़क पार करने लगा, तभी मैसूर रोड पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस में शामिल लोगों से तीखी बहस शुरू कर दी। इस विवाद को देखते हुए उपद्रवियों ने जुलूस के ऊपर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसके अलावा लोगों को हथियार भी दिखाए गए। हमले में कुछ पुलिसकर्मी सहित कई लोग भी घायल हो गए थे। उपद्रवियों ने कुछ दुकानों में तोड़फोड़ की और सामान में आग लगा दी। रिपोर्ट में कहा गया कि लगभग 25 दुकानों में लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी की गई। इसके अलावा, कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया।

आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करता है भारत का कृषि दृष्टिकोण

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)।
भारत ने कहा है कि उसका कृषि दृष्टिकोण न केवल उत्पादकता पर केंद्रित है बल्कि आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित

करता है और किसानों की समृद्धि बढ़ाता है। ब्राजील के कुइआबा में आयोजित तीन दिन की जी-20 कृषि मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री राम नाथ ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कृषि विकास को प्राथमिकता देता है। भारतीय कृषि दृष्टिकोण न केवल उत्पादकता पर केंद्रित है, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करता है। किसानों की समृद्धि को बढ़ाता है और विकास के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को मूर्त रूप देता है। उन्होंने बताया कि भारत खाद्य सुरक्षा और पोषण सुनिश्चित करने के लिए विश्व के सबसे बड़े खाद्य-आधारित सुरक्षा कार्यक्रमों को लागू कर रहा है।

भारतीय प्रतिनिधि मंडल में ब्राजील में भारत के राजदूत सुरेश रेड्डी और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव फ्रैंकलिन एल. खोबंग शामिल रहे। यह बैठक 12 से 14 सितंबर तक आयोजित की गई। श्री ठाकुर ने सतत और समृद्ध भविष्य के लिए मज़बूत कृषि प्रणाली विकसित करने में भारत की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। उन्होंने विकासशील और अल्प विकसित देशों को विशेष महत्व देने को भी रेखांकित किया, जो भारत और अन्य देशों में छोटे और सीमांत मछुआरों को सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें वैश्विक व्यापार चर्चाओं में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिये महत्वपूर्ण है। बैठक में वैश्विक कृषि के प्राथमिकता वाले चार प्रमुख क्षेत्रों कृषि और खाद्य प्रणालियों की उनके विविध आयामों में सततता, खाद्य सुरक्षा और पोषण में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के योगदान को बढ़ाना, सतत, सहिष्णु और समावेशी कृषि एवं खाद्य प्रणालियों में पारिवारिक कृषि, छोटे किसानों, स्वदेशी लोगों और स्थानीय समुदायों की आवश्यक भूमिका को बढ़ाना, तथा स्थानीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में सतत मत्स्य पालन के एकीकरण को बढ़ावा देना शामिल है। मंत्रिस्तरीय सत्रों के अलावा, श्री ठाकुर ने अन्य देशों के साथ भारत के कृषि संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से द्विपक्षीय बैठकें कीं। उन्होंने वैश्विक खाद्य प्रणालियों के सम्मुख आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक सामूहिक वैश्विक प्रयासों में सहयोग करने, सीखने और योगदान देने में भारत की तत्परता दोहराई। श्री ठाकुर ने ब्राजील को जी-20 की सफल अध्यक्षता तथा भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत शुरू की गई पहलों को आगे बढ़ाने के लिए बधाई दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को जी-20 की भावी अध्यक्षता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं।

इंद्रा मैत्री संघ,शाहइनायत गंज में विराजमान गणेश प्रतिमा का दर्शन करने के बाद उपस्थित मंडल के सदस्य।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 23°

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SONALI ROY PAL, is legally wife of 20003608P Rank NK Name SOUMEN PAL, Presently residing at Vill.Tildanga, P.O.Palita, Teh-Katwa, P.-S.Ketugram District. PurbaBardhaman (W.B) do hereby declare that, I have Changed My Name From **SONALI ROY** to **SONALI ROY PAL**, due to wrongly entered in my Army records. That my date of birth is 15 Sep 1997.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 15710571L L/Nk D GOVARDHAN, R/o. Vill:Ananthapet, Po:Medipalli, Dist:Adilabad, Telangana - 504310 of Unit:54 IDSR (A) C/o.56 APO hereby declare that my father name and DOB is to be changed from **BHUMANNA**, DOB:**15-7-1953** to **DANDU PEDDA BHUMANNA**, DOB:**01-01-1951** vide affidavit dt:14-9-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SHALINI S spouse of No.6949360F Sep Siva Kumar S, R/o.Vill& Po: Chinnapalampakkam, Teh&Dist: Vellore, Tamilnadu-632113 have changed my name from **SHALINI S** to **SHALINI E** vide affidavit dt:14-9-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No.6942749M Hav Appalanaidu Korada of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my father name is to be changed from **POTHAYYA KORADA** to **KORADA POTHAIAH**.

CHANGE OF NAME
I, LAXMAN MAGADUM is legally Father of Lohit Magadum R/o H.No-470, Karajagi,Taluk-Hukkeri,VTC-Karajagi,PO-Bad,District-Belagavi, PIN-591225, State-Karnataka, have changed my name from LAXMAN MAGADUM to LAXMAN NINGAPPA MAGADUM add in my son service documents vide affidavit date 13/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, VIMAL L MAGADUM is legally Mother of Lohit Magadum R/o H.No-470, Karajagi,Taluk-Hukkeri, VTC-Karajagi, PO-Bad, District-Belagavi, PIN-591225, State-Karnataka, have changed my name from VIMAL L MAGADUM to VIMAL LAXMAN MAGADUM and DOB from- 05/06/1961 to 01/12/1960 add in my son service documents vide affidavit date 13/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Kuldeep Singh S/o Jagveer Singh presently residing atVill-Atta, PO-Gulaothi,Teh &District-Bulandshahar, PIN-245408,State-Uttar Pradesh, have changed my son name from HARMAN NAGAR to HARMAN SINGH add in my service documents before Notary C Samuel Advocate dated 13/09/2024.

CHANGE OF NAME & DOB
I, JANGALI PRASAD is legally Father of Sukh Ram R/oVill-Khale Ka Purwa,PO- Faizabad, Ayodhya, District- Faizabad,PIN-224123, State-Uttar Pradesh have changed my name from JANGALI PRASAD to JANGALI and date of birth from 01/07/1972 to 28/09/1970 add in my son service documents vide affidavit date 13/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MAYA DEVI is legally Mother of Sukh Ram R/oVill-Khale Ka Purwa,PO- Faizabad, Ayodhya, District-Faizabad,PIN-224123, State-Uttar Pradesh have changed my name from MAYA DEVI to MAYA and date of birth from 04/08/1974 to 25/07/1974 add in my son service documents vide affidavit date 13/09/2024 before Notary C Samuel Advocate Secunderabad.

सीएम रेवंत ने झूठे वादे कर सभी समुदायों को धोखा दिया : केटीआर

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री केटी रामाराव (केटीआर) ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर 100 दिनों के भीतर किसानों के दो लाख रुपए की ऋण माफी और दो लाख नौकरियों के सृजन सहित छह गारंटी लागू करने का वादा करके सभी समुदायों को धोखा देने का आरोप लगाया है।

केटीआर ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए श्री रेड्डी की खोखले वादे करने की आलोचना की और कहा कि मुख्यमंत्री विधायकों के घर जाते हैं, उनके समर्थन के लिए गिड़गिड़ाते हैं और अलोकतांत्रिक रणनीति का सहारा लेते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्रियों से लेकर विधायकों तक कांग्रेस के दस विधायकों के दलबदल की अटकलें लगा रहे हैं।

हाल ही में उच्च न्यायालय के फैसले का जिक्र करते हुए केटीआर ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के भीतर डर फैल गया है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसलों के आधार पर अध्यक्ष के पास शिकायतें दर्ज की गई हैं और श्री कौशिक रेड्डी ने कांग्रेस विधायकों दाना नागेंद्र, तेलम वेंकटराव और कदियम श्रीहरि के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर की है।

बीआरएस पार्टी की ओर से केटीआर ने उच्च न्यायालय के फैसले के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने रेवंत रेड्डी की भी निंदा की, जिन्होंने कथित तौर पर हिंसा भड़काने के लिए कहा कि दलबदलू विधायकों को पत्थर मारकर मार देना चाहिए। केटीआर ने बताया कि उच्च न्यायालय के फैसले के दिन सेरिलिंगमपल्ली के विधायक अरिकेपुडी गांधी को पीएसी अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की गई थी और सवाल किया कि लोकतांत्रिक मूल्यों को रौंदते हुए ऐसे फैसले कैसे लिए जा सकते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने एक विधायक के घर पर हमला किया और घटना में मुख्यमंत्री की भूमिका की आलोचना की, अगर ऐसी कार्रवाई जारी रही, तो गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। केटीआर ने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व का मजाक उड़ाया और दावा किया कि सत्ता शाश्वत नहीं है।

उन्होंने बीआरएस विधायकों पर कथित हमले के दौरान अपने कर्तव्यों में विफल रहने वाले पुलिस अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तेलंगाना के लोग बीआरएस पार्टी के साथ खड़े रहे और उन्होंने पिछले एक दशक में हैदराबाद में शांति तथा सुरक्षा बनाए रखने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता पर गर्व व्यक्त किया। केटीआर ने अरिकेपुडी गांधी की कथित राजनीतिक चालबाजी की आलोचना करते हुए कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र के लोग तय करेंगे कि वह वास्तव में किस पार्टी से हैं।

2.13 लाख घर पूरी तरह बाढ़ के पानी में डूबे : सीएम चंद्रबाबू

क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के लिए 186 करोड़ रुपए जारी

17 सितंबर तक पीड़ितों को उपलब्ध करा दी जाएगी सहायता

विजयवाड़ा, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सरकार का अनुमान है कि कम से कम 2,13,456 आवासीय इकाइयां पूरी तरह से जलमग्न हो गई हैं, जबकि हजारों दोपहिया वाहन, कारें और ऑटो भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिसके लिए उचित मुआवजा दिया जाएगा। .मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को यहां घोषणा की कि हाल की बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत के लिए तुरंत 186 करोड़ रुपये जारी किए जा रहे हैं, जबकि राजमार्गों पर गड्ढे भरने के लिए 290 रुपये और मंजूर किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को दी जा रही बाढ़ राहत की समीक्षा की, जबकि राज्य सरकार इस अभूतपूर्व आपदा में नुकसान झेलने वाले हर पीड़ित की मदद के लिए आने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग प्रभावित क्षेत्रों में उठाए जा रहे राहत उपायों पर खुशी व्यक्त कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि पीड़ितों की सूची वैज्ञानिक तरीके से तैयार की जानी चाहिए, खासकर मुआवजे के भुगतान के संबंध में। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षति का आकलन शीघ्र पूरा होने पर 17 सितंबर तक पीड़ितों को सहायता उपलब्ध करा दी जायेगी। अधिकारियों ने बाढ़ पीड़ितों की गणना की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया, जबकि राज्य सरकार न केवल उन लोगों के लिए सहायता की घोषणा करने की योजना बना रही है जिनके घर पूरी तरह से डूब गए हैं, बल्कि उन लोगों के लिए भी जो इमारतों की पहली मंजिल पर रह रहे हैं। राज्य सरकार दो-तरफ़ा सहायता की योजना बना रही है, एक उन लोगों के लिए जो पहली मंजिल पर रह रहे हैं लेकिन घरेलू सामान का नुकसान हुआ है और दूसरी उन लोगों के लिए जो दूसरी मंजिल पर रह रहे हैं। जिन लोगों के दोपहिया वाहन बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उन्हें भी कुछ राशि का भुगतान किया जाएगा और जिनके घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उनके लिए नए घर बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) के निर्माण के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण के लिए अतिरिक्त 42 करोड़ रुपये मंजूर करने पर भी सहमति व्यक्त की और अधिकारियों से कहा कि वे 65,000 करोड़ रुपये के साथ केंद्र सरकार विंग से समन्वय करके चल रहे राजमार्ग निर्माण को पूरा करने के लिए काम में तेजी लाएं।

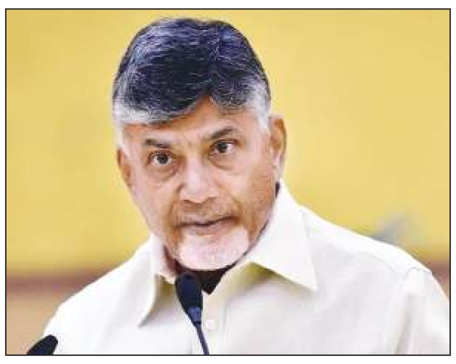

राधे राधे ग्रुप ने शुरु की नियमित अन्नदान सेवा

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से शनिवार को गांधी अस्पताल, मेट्रो रेलवे स्टेशन, पिलर-1030, सिकंदराबाद में जरूरतमंद लोगों के लिए नि:शुल्क अन्नदान योजना का शुभारंभ किया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार एकादशी के शुभ अवसर पर राधे राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा प्रतिदिन यह सेवा 7 बजे सुबह की जायेगी। जिससे जरुरतमंद लोगों की सेवा हो सके। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सतीश चंद्र गुप्ता, जगतनारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, श्रीकिशन अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा गुप्ता , आशा अग्रवाल सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

तेलंगाना में 17 सितंबर को गणेश विसर्जन पर रहेगा अवकाश

हैदराबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर 17 सितंबर को स्कूलों, कॉलेजों और सरकारी कर्मचारियों के लिए अवकाश घोषित किया है। यहां शनिवार को जारी एक सरकारी आदेश में मुख्य सचिव शांति कुमारी ने यह घोषणा की। मुख्य सचिव ने कहा, मंगलवार को हैदराबाद और सिकंदराबाद के शहरों के साथ-साथ रंगा रेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी जिलों के सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी रहेगी। 17 सितंबर को घोषित छुट्टी की भरपाई के लिए 9 नवंबर (दूसरा शनिवार) को इन क्षेत्रों के सभी सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों में कार्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

सुल्तान बाजार स्थित गोयल फार्मा एंड गोयल ड्रग्स के प्रधान कार्यालय में विघ्न विनाशक भगवान गणपति का पूजन करते हुए गोयल फार्मा एंड गोयल ड्रग्स के सर्वेसर्वा रामप्रकाश अग्रवाल, कुंशी अग्रवाल, लेहक अग्रवाल व पंडित अबुज शुक्ला। साथ मे हैं गोयल फार्मा के सदस्य।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर साहू निवास कॉलोनी चूड़ी बाजार में गणेश मंडप स्थापित किया गया। 7वें दिन पूजा की गई और प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर अनिल कुमार, मीना, स्मिता साहू, अर्चना, मीनाक्षी सिखवाल, अनिकेत, सुनील साहू, आंचल, अर्पिता और अन्य उपस्थित रहे।

लड्डू यादव द्वारा बेगम बाजार में स्थापित गणेश मण्डप में दर्शन करते हुए अरुण डाकोतिया, बृज भूतड़ा, अनूप चाण्डक, नागेश अग्रवाल एवं अन्य।

मारूती नगर अत्तापुर पिल्लर न. 82 के सामने आंगन प्रॉपर्टीज के कार्यालय के उद्घाटन समारोह मे विजय छाजेड एवं विनीता छाजेड का अभिनंदन करते हुए आल इंडिया जैन माईनोरिटी तेलंगाना के संयोजक रिद्धीश जागीरदार, साथ में मुकेश चौहान, संतोष खिंवसरा, बीजेएस महिला विभाग की पद्मा गुगलिया, वर्षा जैन, इशा मिश्रा, मंजुला तुलसीराम एवं अन्य।

गुडिहात्नुर कालेज में मनाया गया हिंदी दिवस

आदिलाबाद, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आदिलाबाद जिला शासकीय माध्यामिक महाविद्यालय गुडिहात्नुर में शनिवार को हिंदी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। प्राध्यापक के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के छात्रों ने विविध कार्यक्रम प्रस्तुत कर कार्यक्रम को सफल बनाया। समारोह की अध्यक्षता डी.श्रीनीवास, हिंदी प्रवक्ता श्रावण राठोड सभी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया।

अध्यक्ष ने हिंदी संबंधी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। हिंदी प्रवक्ता हिंदी भाषा के महत्व राजभाषा हिंदी को राष्ट्रीय एकता की भाषा कहा। छात्रों ने देश भक्ति का गाना गाकर सभी को मंत्रमुग्ध किया।

हिंदी प्रतियोगिताओं तथा हिंदी परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया गया।इस संदर्भ में हिंदी प्रवक्ता श्रावण राठौड़ को महाविद्यालय के प्राध्यापकों, प्रध्यापिकाओं एकम विद्यार्थियों ने शाल से सम्मानित किया गया।

गणेश विसर्जन के दौरान डीजे की अनुमति नहीं : सीआई

कागजनगर, 14 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शनिवार की सुबह कागजनगर शहर के रॉयल गार्डन में टाउन सीआई टी शंकरय्या के मार्गदर्शन में गणेश मंडपों के प्रबंधकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर सीआई ने मंडपों के आयोजकों को कई निर्देश दिए और कहा कि 17 सितंबर मंगलवार को गणेश विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि विसर्जन के दौरान डीजे की अनुमति नहीं है और गणेश शोभायात्रा दोपहर 3 बजे तक शुरू की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे निजी वाहनों को केवल पेद्दावागु के पास गांधारी मैसम्मा मंदिर तक अनुमति दे रहे हैं।

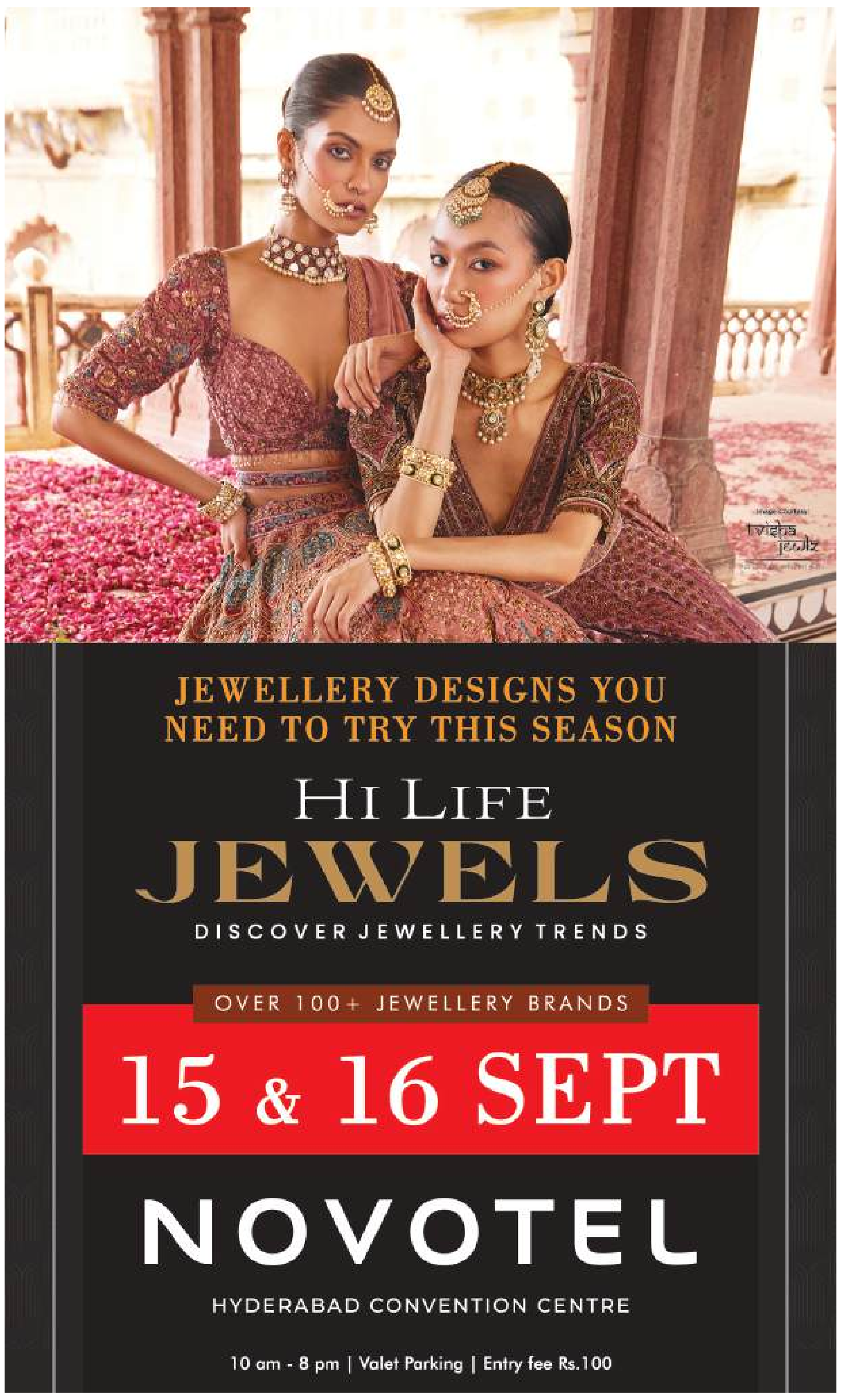

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.